



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 77]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 5, 2018/फाल्गुन 14, 1939

No. 77]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 5, 2018/PHALGUNA 14, 1939

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 मार्च, 2018

अंतिम जांच परिणाम

(मामला सं. ओ.आई./20/2017)

विषय: चीन जन. गण और इंडोनेशिया के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ग्लासवेयर के आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की जांच।

फा.सं. 14/45/2016-डीजीएडी : समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम के रूप में भी कहा गया है) तथा समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे एतद्पश्चात पाटनरोधी नियम के रूप में भी कहा गया है, को ध्यान में रखते हुए

2. जबकि मैसर्स श्रेनो लिमिटेड ग्लास डिविजन (जिसे एतद्पश्चात याचिकाकर्ता अथवा आवेदक के रूप में भी कहा गया है) ने समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्पश्चात नियम के रूप में भी कहा गया है) के अनुसार चीन जन. गण. और इंडोनेशिया (जिसे एतद्पश्चात संबद्ध देश के रूप में भी कहा गया है) से "ग्लासवेयर" (जिसे एतद्पश्चात संबद्ध वस्तु अथवा विचाराधीन उत्पाद के रूप में भी कहा गया है), के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतद्पश्चात प्राधिकारी के रूप में भी कहा गया है), के समक्ष एक याचिका दाखिल की है।

3. जबकि, प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर उपरोक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव के निर्धारण के लिए और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी मात्रा की सिफारिश करने के लिए, जो यदि लगाया जाता है तो वह घरेलू उद्योग की कथित क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा, संबद्ध जांच आरंभ करने के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित दिनांक 28 मार्च, 2017 की अधिसूचना संख्या 14/45/2016-डीजीएडी जारी की थी।

क. प्रक्रिया

4. संबद्ध जांच के संबंध में प्राधिकारी द्वारा नीचे दी गई प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है :

- निर्दिष्ट प्राधिकारी को उपरोक्त नियमों के तहत घरेलू उद्योगों की ओर से याचिकाकर्ता से एक लिखित याचिका प्राप्त हुई है, जिसमें संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ग्लासवेयर के कथित पाटन का आरोप लगाया गया है।
- दाखिल किए गए आवेदन की प्रारंभिक जांच में कतिपय कमियां पाई गईं, जो बाद में याचिकाकर्ता द्वारा ठीक कर दी गई थीं। याचिकाकर्ता ने याचिका को ठीक किया, जिस पर प्राधिकारी द्वारा जांच प्रारंभ करने के लिए विचार किया गया। अतः आवेदन को उचित दस्तावेजों के साथ मान लिया गया है।
- प्राधिकारी ने जांच प्रारंभ करने को न्यायोचित ठहराने के लिए याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की जांच प्रारंभ करने का निर्णय लिया है।
- प्राधिकारी ने नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार जांच आरंभ करने के लिए आगे की कार्रवाई आरंभ करने से पूर्व पाटनरोधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया है।
- प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में, पाटनरोधी जांच प्रारंभ करने के लिए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 28 मार्च, 2017 की एक सार्वजनिक सूचना जारी की।
- प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातिकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे), और उद्योग संघों को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति प्रेषित की और उन्हें पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार लिखित में अपने विचार प्रकट करने का अवसर प्रदान किया था।
- प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के सभी ज्ञात आयातकों को सार्वजनिक सूचनावली की एक प्रति भी भेजी और उनसे यह अनुरोध किया कि वे पत्र प्राप्त होने की तारीख के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराएं।
- प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार संबद्ध देशों के दूतावासों और ज्ञात निर्यातिकों को आवेदन के अगोपनीय भाग की एक प्रति उपलब्ध कराई। आवेदन की एक प्रति आवश्यकता के अनुसार अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी प्रदान की गई।
- प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातिकों को संगत सूचना प्रकट करने के लिए प्रश्नावली भेजी :

क्र.सं.	नाम एवं पता	क्र.सं.	नाम एवं पता
1	बिलंक मैक्स ग्लासवेयर किवनजिन रोड, अर्थिक विकास क्षेत्र, लियू एक शहर, ल्यूअन अनहुई, अनहुई, चीन www.blinkmax.com	2	जिनजियांग डायोंग हौंगकी औद्योगिक क्षेत्र, जिनजियांग शहर, हेनान प्रांत www.dayongglassware.com

क्र.सं.	नाम एवं पता	क्र.सं.	नाम एवं पता
3	ज़ुज़ाउ दहुआ ग्लास प्रोडक्ट्स कं. लि. बैडियन इकोनॉमिक जोन, मेपो टाउन, टोंगशान काउंटी, ज़ुज़ाउ, जियांगसू, चीन www.glassbottlechina.com.cn	4	जिबो टाइमस्टोन इंटरनेशनल कं.लि. चौथा मंजिल फ्रजान बिल्डिंग, नं। 203 जिनजिंग रोड, झांगडीन, ज़िबो, शेडोंग, चीन www.timestone.net.cn
5	शंघाई विस्टा पैकेजिंग कंपनी लिमिटेड सं. 45, हांगजोंग रोड, शंघाई, चीन www.vglassware.Com	6	दानफा ग्लास लिमिटेड 7 नानली वेस्ट, नानपू, शीकी ग्राम, पन्यू जिला, गुआंगज़ौ, चीन www.danfaglass.com
7	टियांजिन शिनर्ड ट्रेडिंग कंपनी लि. 13-306, नंबर 29 हुआंगहाई रोड, टेडा, टियांजिन, चीन www.shinered-group.com	8	हेफ़ी क्वानबन ट्रेड कंपनी लिमिटेड वानब्रेह रोड, बिन्हु औद्योगिक पार्क, हेफ़ेई शहर, एन्हुई प्रांत, चीन www.hf-kwanbun.com
9	शेन्जेन सनी ग्लासवेयर कं लिमिटेड 5F, सं। 4 बक्सन बिज़नेस बिल्डिंग, रेनक्सन रोड, लुओू जिला, शेन्जेन, गुआंगडोंग, चीन- 51801 9	10	ताइयुआन कियानयून ट्रेडिंग कं. लि. नं 39, मैनईहुआनश्री, यिंगज, जिला ताइयुआन शांकसी, चीन
11	फोसन सेन ताई मशीनरी और टूलिंग कं, लिमिटेड जियाओटांग स्टार औद्योगिक क्षेत्र, नन्हाई जिला, फोसन शहर, गुआंगडोंग प्रांत, चीन	12	किंगदाओ डी एंड ओ हाउसवेयर कं लिमिटेड 702 बी, ग्वागफा वित्तीय हवेली, नं 42 शेडोंग रोड, किंगदाओ, शेडोंग, चीन (266071)
13	शीआन योंग जिंग ग्लासवेयर फैक्टरी 2201, मिंगयुआन बिल्डिंग जिआज़ी नं .8, पूर्वी सेक्टर, यूई रोड, शीआन चीन	14	शांकसी मिडास इंडस्ट्रियल कं लिमिटेड संख्या 1502, बिल्डिंग बी, डिंगयुआन, टाइम्स सेंटर, यिंगज़ंजे, ताईयुआन, शांकसी, चीन (030001)
15	हेबई होंगमा बासीनेट कं, लिमिटेड दूसरा लिविंग क्षेत्र 2-2-601, शिजियाज़ुआंग, हेबै, चीन- 050000	16	जिंजियांग जियाजिंग होम कं, लि. जिंगवेन औद्योगिक क्षेत्र, जिंतांग, फुजियान, चीन (362200)
17	यू एंड मी एलिगेंस हाउसवेयर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड नं 288 जिन्सोंग यी रोड, किंगदाओ, शेडोंग, चीन (266035)	18	जियान इनोवेशन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ट्रेडिंग कं लिमिटेड 19वी, फ्रानकिज़ज हवेली, मिंगदैन, झुकू स्ट्रीट, शीआन, शानकसी, चीन (710061)

क्र.सं.	नाम एवं पता	क्र.सं.	नाम एवं पता
19	प्रोफिट कॉन्ट्रिनेंट इंडस्ट्रियल कं. लिमिटेड 14 चांगन नार्थ आरडी।, शीआन, शानक्सी, चीन (710061)	20	अनहुई डेली हाउसहोल्ड ग्लास कं. मेंगताइज़ी इंडस्ट्रियल पार्क, फेंगयांग, अनहुई, चीन ई मेल : deli@deliglass.com
21	किम ग्लास पीटी क्लार्स इंधा मुर्नी जीएल। राया सेरंग के एम 26, बलराज, तांगेंग 15610 , इंडोनेशिया	22	बीबीसी ग्लास पीटी कुलेटप्रीमासेटिया जी इंडस्ट्री राया 1, ब्लॉक ए नंबर 8 कौसान इंडस्ट्री "पासिर जया" जतिउंग तंगेरांग, 15136 बैंटन, इंडोनेशिया
23	पीटी एफएनजी जीएल। पुलो लेंट नं .11 कावासा इंडस्ट्री पलो गदुंग जकार्ता, 13 9 20 , इंडोनेशिया www.fng.co.id/	24	पी.टी. कादांग औद्योगिक लिमिटेड ग्रहा तृतीदी लेफिटनेंट दशार जीएल। रादेन सालेह नं 20 जकार्ता पुसाट इंडोनेशिया 10330 , www.kedaung.com

5. प्रत्युत्तर में संबद्ध देशों से निम्नलिखित निर्यातिकों/ उत्पादकों ने निर्धारित फॉर्मेट में निर्यातिक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए हैं :-
 - i. अनहुई जिनमिन ग्लास प्रोडक्ट्स कं. लि.
 - ii. अनहुई कांगटाई ग्लासवेयर टेक्नोलौजी कं. लि.
 - iii. फुलांग ग्लास टेक्नोलौजी कं. लि.
 - iv. शोडोंग फुलांग ग्लास टेक्नोलौजी कं. लि.
 - v. किंगडाओ जेमी इम्प एण्ड एक्सपोर्ट कं. लि.
 - vi. अनहुई डेली हाउसहोल्ड ग्लास कं. लि.
 - vii. शंघाई शिजे इंडस्ट्रियल कं. लि.
 - viii. शेंझेन शिजे हाउसवेयर कं. लि.
 - ix. बीजिंग डेली शिजे ट्रेडिंग कं. लि.
 - x. शांक्शी शिजे ट्रेडिंग कं. लि.
6. इंडोनेशिया से भारत में इंडोनेशिया दूतावास ने डीजीएफटी, जकार्ता से एक पत्र प्रेषित किया है, जिसमें कतिपय कानूनी व तथ्यात्मक मामले उठाए गए हैं। इन पर इस दस्तावेज से उपयुक्त भाग में विचार किया गया है। प्रश्नावली का उत्तर मैसर्स फर्स्ट नेशनल ग्लासवेयर (पी टी, एफ एन जी) जकार्ता द्वारा प्रस्तुत किया गया था। यह उत्तरों की प्राप्ति की अन्तिम तारीख के बाद प्राप्त हुआ था। इसके अलावा उत्तर अधूरा था और निर्धारित फॉर्मेट में प्रदान नहीं किया गया था।
7. प्रश्नावलियां भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/ उपयोक्ताओं को पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना चाहने के लिए भेजी गई थी :

क्र.सं.	कम्पनी का नाम एवं पता	क्र.सं.	कम्पनी का नाम एवं पता
1.	राज इम्पॉर्ट्स 589, शॉप नं 51, इंद्रप्रस्थ कॉम्प्लेक्स, रघुनाथ दीनजी पारवर रोड, अपोलो सिनेमा के पास, पेठ, पुणे - 411011	2	बंगाल क्रॉकरी सीताम साममुरती बिल्डिंग, व्हाइके रोड, धरमपेठ, धरमपेठ, नागपुर, महाराष्ट्र 440010
3	एलायंस इम्पेक्स एम 9, श्रद्धा भवन, काजी सर्वेद स्ट्रीट, मस्जिद, मुंबई - 400003	4	रसूल एंटरप्राइज़ सी / ए एशियाटिक डिपार्टमेंट स्टोर, 73, लीस औद्योगिक आश्वासन भवन, वीर नरीमन रोड, चर्चगेट, मुंबई - 400020
5	साउदर्न पॉट्रीज नफीस चैंबर्स, लोकमान्य तिलक मार्ग, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस क्षेत्र, फोर्ट, मुंबई, महाराष्ट्र 400001	6	कृष्णा इम्पॉर्ट्स नफीस चैंबर्स, लोकमान्य तिलक मार्ग, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस क्षेत्र, फोर्ट, मुंबई, महाराष्ट्र 400001
7	व्हाइट गोल्ड ट्रेडिंग 148, बिल्डिंग नं, 6, मित्तल इंडस्ट्रियल एस्टेट, अंधेरीकुला रोड, अंधेरी पूर्व, मुंबई - 4000 9 6	8	आईएमआर एंटरप्राइज़ अजमल खान रोड, करोल बाग पश्चिम विस्तार क्षेत्र, करोल बाग, नई दिल्ली - 110005
9	सेंटोसा ओवरसीज - 6, प्रथम तल, कमरा नं 3, बुड स्ट्रीट, कोलकाता 700016	10	यूनिवर्सल डिस्ट्रीब्यूटर्स रजत टाई अप प्राइवेट लिमिटेड 33, बी बी गांगुली स्ट्रीट, बोबाजार, कोलकाता, पश्चिम बंगाल 700012
11	संसुधा देलैम्प प्राइवेट लिमिटेड - 54/1, चौथी मंजिल, कमरा सं 5-ए, कैनिंग स्ट्रीट, कोलकाता - 700001 - आरएनसी घाट रोड, शिबपुर, हावड़ा	12	खांदरिया ब्रदर्स 39 स्ट्रैंड रोड, कमरा नंबर 86, चौथा मंजिल, उत्तर पोर्ट, कोलकाता -7001001
13	हिंद ग्लास 2/3, ठाकुर दास बनर्जी रोड, बेलगारिया, कोलकाता - 700056	14	डीडी इंटरप्राइजेज 194, ओल्ड चाइना बाजार स्ट्रीट, डलहौज़ी, बीबीडी बाग, कोलकाता, पश्चिम बंगाल 700001
15	भारत एम्पोरियम ग्राउंड फ्लोर, 22, कैनिंग स्ट्रीट, कैनिंग स्ट्रीट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल 700001	16	एशियाई इंटरप्राइजेज # 8-1-21 / 116, टोलिचौकी आरडी, डीलक्स कॉलोनी, सूर्य नगर, टोलीकॉक्की, हैदराबाद, तेलंगाना 500008
17	के.आर. क्रॉकरी 2, सूफी साहिब काम्प्लेक्स, मस्जिद लेन, कमरपट्टी, फैसी बाजार, गुवाहाटी - 781001	18	नीलकंठ क्रॉकरी एम्पोरियम 12/8, सरस्वती मार्ज, न्यू क्रिस्टल मार्केट, डब्लूईए पर्सनल बाग, नई दिल्ली

क्र.सं.	कम्पनी का नाम एवं पता	क्र.सं.	कम्पनी का नाम एवं पता
19	रगश्री इंपेक्स प्राइवेट लिमिटेड 59 राम रोड इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली 110 015	20	अडॉक्स होम मेकर 17/1। मेन रोहतक रोड, नांगलोई, बिमल अस्पताल के पास, दिल्ली - 110041
21	अडॉक्स गैलरी 13/19, दुकान नंबर 7 और 8, गणपति प्लाजा, बेसमेंट, टिप टॉप मार्केट के सामने, करोल बाग, नई दिल्ली - 110005	22	जनता क्रॉकरी सेंट्रल मार्केट, लाजपत नगर, नई दिल्ली
23	डब्ल्यूकेसी इम्पेक्स ग्लासवेयर प्राइवेट लिमिटेड 15 ए / 19, WEA, करोल बाग, नई दिल्ली - 110005	24	देवोवन इंटरनेशनल 5/35, प्रथम तल, डब्ल्यू ई ए, करोल बाग, ब्लॉक 60, करोल बाग, नई दिल्ली, दिल्ली 110005
25	राष्ट्रीय क्रॉकरी और ग्लासवेयर # 13/2, मेमोरियल हॉल स्ट्रीट, पार्क टाउन, चेन्नई - 600003. # 6 लिंक रोड, सामने चर्च, किलपातुक गार्डन रोड,	26	डब्ल्यू.के.सी ग्लासवेयर प्राइवेट लिमिटेड, 15 ए / 19, वीए, करोल बाग, नई दिल्ली, 110034
27	तलवार एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड, एफ -47 देशबंधु गुप्ता मार्केट, नई दिल्ली	28	होम मेकर एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, 15 ए / 63, डब्ल्यूईए, अजमल खान आरडी, करोल बाग, नई दिल्ली, दिल्ली 110005
29	तनेजा क्रॉकरी प्राइवेट लिमिटेड शॉप नंबर 208, चांदनीकोच आरडी, फतेहपुरी क्राउक, चांदनीकोचक, नई दिल्ली, दिल्ली 110006	30	चिराग एप्लायंसेस प्राइवेट लिमिटेड सं। 32, द्वितीय तल, बोबाजार, लेंडमार्क: पोद्दार कोर्ट के पीछे कोलकाता - 700073
31	पारस इंटरनेशनल 5/25 WEA, अजमल खान रोड, करोल बाग, नई दिल्ली, दिल्ली 110005	32	बैरन एजेंसियां प्राइवेट लिमिटेड 14/2, तीसरी मंजिल, कमरा नं 221, पुराने चीन बाज़ार स्ट्रीट, कोलकाता - 700001
33	आदित्य प्रमोटर्स लिमिटेड ए -83, सेक्टर -57 नोएडा 201301	34	लक्ष्मी क्रोकरी पुणे प्राइवेट लिमिटेड, 2, बर्दी पूल के पास, गणेश पेठ, पुणे, महाराष्ट्र 411002

8. जांच प्रारंभ करने संबंधी अधिसूचना के प्रत्युत्तर में निम्नलिखित आयातकों/ उपयोक्ताओं ने उत्तर दिया और आयातक/ प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया :
 - i. मैरसर्स हैमिल्टन हाउसवेयर्स प्रा. लि.
 - ii. मैरसर्स कोटराम ग्लोबल्स
 - iii. मैरसर्स शेराली खानमोहम्मद मनेकिया

iv. मैसर्स ईस्ट कोस्ट डिस्ट्रीब्यूटर

9. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए रखी गई एक सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय भाग उपलब्ध कराया। सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध वर्तमान जांच में शामिल कर लिए गए हैं।

10. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्त के सन्दर्भ में जांच की गई थी। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर, आवश्यकतानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई। जहां कहीं भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों से गोपनीय आधार पर दाखिल सूचना का पर्याप्त अगोपनीय भाग उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।

11. आवश्यकता के अनुसार याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से और भी सूचना मांगी गई थी।

12. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए आवश्यकता के अनुसार दिनांक 5-6 अक्टूबर, 2017 को घरेलू उद्योग का सत्यापन किया गया।

13. सामान्यतः सहमत लेखांकन सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और उनको बनाने तथा बिक्री करने की लागत के आधार पर गैर-क्षति कीमत निर्धारित की गई है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क लगाना घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

14. संबद्ध देशों में निम्नलिखित उत्पादकों / निर्यातकों के परिसर में 13-17 अक्टूबर, 2017 के दौरान स्थल सत्यापन किया गया था :-

(क) मैसर्स अनहुई जिनमिन ग्लास प्रोडक्ट्स कं. लि.

(ख) मैसर्स अनहुई कांगटाई ग्लासवेयर टैक्नोलॉजी कं. लि.

(ग) मैसर्स अनहुई डेली हाउसहोल्ड ग्लास कं. लि.

15. अप्रैल 2015 से सितम्बर, 2016 तक की अवधि (18 माह) (इसके पश्चात इसे 'जांच की अवधि' अथवा 'पीओआई' कहा गया है), के लिए जांच की गई थी। क्षति विश्लेषण के प्रसंग में प्रवृत्तियों की जांच में वर्ष 2012-13, 2013-14, 2014-15 और जांच की अवधि शामिल है।

16. प्राधिकारी ने नियम 6(6) के अनुसार अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को एक अवसर प्रदान करने के लिए दिनांक 22 जनवरी, 2018 को एक मौखिक सुनवाई की। बाद में जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई के समय मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत किए थे, उन्हें अपने मौखिक रूप से व्यक्त विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। हितबद्ध पक्षकरों को अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों की प्रतियां प्राप्त करने के लिए अनुरोध किया गया।

17. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांछियकी महानिदेशक (डी जी सी एंड डी) को विगत तीन वर्षों के दौरान जांच की अवधि सहित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के ब्यौरे प्रदान करने का अनुरोध किया गया था जो प्राधिकारी को प्राप्त हो गए थे। प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा और मूल्य तथा क्षति विश्लेषण की गणना के लिए डी जी सी एंड डी के आयात डाटा का सन्दर्भ दिया है।

18. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत अनुरोध प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए हैं और इस अन्तिम जांच परिणाम में शामिल किए गए हैं।

19. दिनांक 16 फरवरी, 2018 को एक प्रकटीकरण विवरण जारी किया गया था, जिसमें सभी हितबद्ध पक्षकारों को वर्तमान जांच के लिए आवश्यक तथ्य शामिल थे और उसमें प्रकटीकरण विवरण पर टिप्पणियां, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने के लिए दिनांक 23 फरवरी, 2018 तक का समय दिया गया था।

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त टिप्पणियों पर इस परिणाम में समुचित रूप से विचार किया है।

20. निर्यातकों, उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों, जिन्होंने प्राधिकारी को न तो उत्तर दिया है और न ही इस जांच से संबंधित कोई जानकारी प्रदान की है, उन्हें असहयोगी हितबद्ध पक्षकार के रूप में माना गया है।

21. इस अंतिम जांच परिणाम में ‘***’ हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना को दर्शाता है और प्राधिकारी द्वारा नियमों के तहत उस पर विचार किया गया है।

22. जांच की अवधि के लिए अपनाई गई विनिमय दर 1 अमेरिकी डॉलर = 66.53 रुपये है, जो भारतीय सीमाशुल्क आंकड़े से ली गई है।

विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

23. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं : -

- वर्तमान आवेदन में विचाराधीन उत्पाद ग्लासवेयर टेबल, किचन, टायलेट, कार्यालय अथवा इण्डोर डेकोरेशन, बोरोसिलिकेट ग्लासवेयर और ओपल ग्लासवेयर है।
- विचाराधीन उत्पाद में उपरोक्त प्रयोजन के लिए विशेष रूप से सभी प्रकार के टेबलवेयर, ड्रिंकवेयर और गिफ्टवेयर शामिल हैं जो होटलों, रेस्तरां, केटरर, कॉरपोरेट और घरेलू उपयोग में नियमित रूप से और दीर्घ अवधि के लिए उपयोग में लाए जाते हैं, चाहे वे स्टोरेज के लिए हैं अथवा सेवा के लिए।
- ग्लास एक गैर-क्रिस्टलीय और सामान्यतः पारदर्शी ठोस सामग्री होती है, जिसमें अन्य प्रकार की सामग्री मिलाकर तैयार किया जाता है। मिश्रण की सामग्री में जैसे चूना पथर, एल्यूमिना, डोलोमाइट और सोडा ऐश अथवा बोरेक्स शामिल है, ताकि विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए यथा अपेक्षित विभिन्न भौतिक और रासायनिक गुण आ सके।
- आयातों में 64.74 प्रतिशत आयात मापन की एक इकाई भार का उपयोग करके किया जाता है। इन परिस्थितियों में यह उल्लेख किया जाता है कि निर्यातक के प्रतिनिधि ने यह कहा कि वास्तविक निर्यात कीमत 70 प्रतिशत अधिक होगी, यदि सही भार पर विचार किया जाए।
- घरेलू उद्योग द्वारा तैयार संबद्ध वस्तुओं और भारत में आयात की गई संबद्ध वस्तुओं के बीच कोई ज्ञात अन्तर नहीं है। घरेलू उद्योग तैयार उत्पादित ग्लासवेयर में भौतिक और रासायनिक गुणों, निर्माण प्रक्रियाओं और निर्माण प्रौद्योगिकियों, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशकों, कीमतों, वितरण विविधण तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण की दृष्टि से तुलनीय हैं। दोनों ही तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपयोक्ता दोनों को एक दूसरे के बदले उपयोग में ला रहे हैं।
- याचिकाकर्ता द्वारा अपनाई गई उत्पादन प्रक्रिया बाजार के समान है।
- अन्य हितबद्ध पक्षकारों की राय के प्रतिकूल घरेलू उद्योग की उत्पादन की प्रक्रिया बाजार के समान है।
- याचिकाकर्ता बाद की जांच अवस्था में पीसीएन प्रणाली लाने जैसे प्रारंभिक मुद्रों का सख्त विरोध करता है। पाटनरोधी जांच समयबद्ध होती हैं और ऐसे तर्कों की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।
- संबद्ध वस्तुएं सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 77 में उप शीर्ष 7013 - 701329, 701337, 701339, 701349 और 701399 के तहत वर्गीकृत हैं। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह जांच के दायरे पर किसी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है। उत्पाद विवरण सभी परिस्थितियों में लागू होगा।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

24. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए :

- i. विचाराधीन उत्पाद में उत्पाद की टाइप की व्यापक रेंज शामिल है और इस प्रकार की परस्पर टाइप लागत और कीमत के सन्दर्भ में अलग-अलग होगी। याचिकाकर्ता द्वारा याचिका में अपनाई गई पद्धति यह है कि उन्होंने इन परस्पर टाइप को भार के समान परिवर्तित किया है और विभिन्न तुलनाएं की हैं जो उनके विभिन्न दावों की वास्तविक स्थिति के लिए काफी अपर्याप्त हैं।
- ii. प्राधिकारी से पीसीएन आधार पर और पीसीएन- वार तुलना में हमारे निर्यातक प्रश्नावली उत्तर के अनुसार क्षति मार्जिन और पाटन मार्जिन के प्रयोजन के लिए तुलनाएं कर सकते हैं।
- iii. याचिकाकर्ता प्राधिकारी के संज्ञान में इस पहलू को नहीं लाए और अपनी याचिका में एक पीसीएन पद्धति को लागू नहीं किया। उन्हें अपनी क्षति सूचना और टाइप-वार आधार पर सूचना प्रदान करने को कहा जाए।
- iv. भार से उत्पाद की समग्र विशेषताएं सामने नहीं आती और इसकी एक पीसीएन आधारित तुलना अधिक उपयुक्त होगी।
- v. घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई उत्पादन की प्रक्रिया अपर्याप्त है।
- vi. घरेलू उद्योग ग्लासवेयर के क्षेत्र में बाजार में एसे नवोन्मेषी उत्पादों को लाने में सक्षम नहीं है और इससे भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों की पूर्ति के लिए घरेलू उद्योग के सक्षम न होने का कोई भी प्रभाव चीन जन. गण. से आयातों से हुई क्षति के रूप में नहीं देखा जा सकता।

प्राधिकारी द्वारा जांच

25. विचाराधीन उत्पाद टेबल, केचन, टायलेट, कार्यालय अथवा आन्तरिक सजावट के प्रयोजन के लिए सभी प्रकार के सोडा लाइम हैं। विचाराधीन उत्पाद में बोरोसिलिकेट ग्लासवेयर और ओपल ग्लासवेयर शामिल नहीं हैं। विचाराधीन उत्पाद में पैकेजिंग उद्योग के लिए प्रयोग में लाई गई ग्लास की बोतलें भी शामिल नहीं हैं।
26. विचाराधीन उत्पाद का संबद्ध लागत में महत्वपूर्ण अन्तर वाले विभिन्न ग्रेड में उत्पादन नहीं होता। विभिन्न प्रकार के उत्पादन में अपेक्षित आकार के लिए यह मिश्रण प्रभार किया जाता है। अतः उपरोक्त सभी मदों को एक व्यापक शीर्ष “ग्लासवेयर” के तहत वर्गीकृतकरने के लिए इसे उपयुक्त समझा गया है। इसी प्रकारका एक मामला ” सभी प्रकार के ओपल ग्लासवेयर, मेलामीन और सेरामिक टेबलवेयर तथा किचनवेयर नामक उत्पाद के लिए भी रहा है।
27. याचिकाकर्ता द्वारा यह कहा गया है कि 64.74 प्रतिशत आयात मापन की एक इकाई भार का उपयोग करके सूचित किया गया है। इसके अलावा, यह देखा गया है कि उत्पाद की लागत का प्रमुख प्रतिशत कच्ची सामग्री और उपयोगी सेवाओं के लिए है। कच्ची सामग्री और उपयोगी सेवाओं की लागत उत्पाद के भार के प्रत्यक्ष अनुपात में होती है। इसका कारण यह है कि चाहे उत्पाद उससे जुड़ी लागतों के सन्दर्भ में, जब भार के अलावा मापन की अन्य इकाई में व्यक्त किया जाता है तो काफी अन्तर होता है। उत्पाद का भार उत्पादन की लागत के विलक्षण सही आता है। अतः प्राधिकारी ने यह निर्णय लिया है कि विचाराधीन उत्पाद को भार के सन्दर्भ में स्पष्ट करना उपयुक्त होगा।
28. जहां तक समान वस्तु का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह प्रावधान है :
 “समान वस्तु” से ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटन के कारण जांच के अंतर्गत वस्तु के सभी प्रकार से समरूप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर अन्य वस्तु जो कि यद्यपि सभी प्रकार से समतुरुप नहीं हैं परंतु जांचाधीन वस्तुओं के अत्यधिक सदृश विशेषताएं रखती हैं।
29. प्रतिवादी निर्यातक ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई उत्पादन प्रक्रिया सक्षम नहीं है। तथापि, निर्यातक ने विस्तृत निर्माण प्रक्रिया और लिए गए समय का उल्लेख नहीं किया और न ही यह स्पष्ट किया कि घरेलू और आयात किए गए उत्पादों में अन्तर कैसे हैं और कथित अन्तर के कम प्रभाव हैं।

30. नवोन्मेषी उत्पादों को तैयार करने में घरेलू उद्योग के सक्षम नहीं होने के मामले के सन्दर्भ में यह उल्लेख किया जाता है कि घरेलू उद्योग का भारत में एक मजबूत उपभोक्ता आधार है जो यह प्रमाणित करता है कि उनकी वस्तुएं आयातित वस्तुओं के समान हैं। किसी भी मामले में हितबद्ध पक्षकार ने अपने दावे के समर्थन में कोई सामग्री साक्ष्य प्रदान नहीं किया है।

31. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुएं अर्थात टेक्ला किचन, टायलेट, कार्यालय अथवा आन्तरिक सजावट के प्रयोजन के लिए सभी प्रकारके सोडा लाइम ग्लासवेयर सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 70 के तहत आईटीसी (एच एस) के तहत 7013 - 70328, 701337, 701342, 701349 और 701399 के उपशीर्ष के तहत वर्गीकृत हैं। उपरोक्त सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक हैं और इसका जांच के दायरे को सीमित करने से कोई संबंध नहीं है। इन सिफारिशों के प्रयोजन के लिए उत्पाद विवरण सभी परिस्थितियों में लागू होगा।

32. रिकार्ड में उपलब्ध सूचना पर विचार करने के बाद प्राधिकारी ने यह पाया है कि संबद्ध देशों से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद और भारतीय उद्योग द्वारा तैयार किए गए उत्पाद में कोई महत्वपूर्ण अन्तर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा तैयार किया गया विचाराधीन उत्पाद भौतिक और रासायनिक गुणों उत्पादन की प्रौद्योगिकी एवं निर्माण की प्रक्रिया, कार्य और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, वितरण एवं विपणन वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के सन्दर्भ में आयात किए गए उत्पादों से तुलनीय हैं। दोनों ही तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं।

33. अतः प्राधिकारी ने यह पाया है कि आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा तैयार किया गया विचाराधीन उत्पाद पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, संबद्ध देशों से आयात किए गए संबद्ध विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है।

ग. घरेलू उद्योग का दायरा और आधार

34. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ब) की परिभाषा इस प्रकार है :

(ब) “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से हैं जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातिकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में ‘घरेलू उद्योग’ पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

35. आवेदन मैसर्स श्रेनो लि., वदोदरा द्वारा दाखिल किया गया था, जिसने वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग होने का दावा किया है।

घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

36. घरेलू उद्योग द्वारा निम्न लिखित अनुरोध किए गए हैं :

- याचिकाकर्ता भारत में संगठनात्मक क्षेत्र में संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है जिसके उत्पादन का नियमों के अनुसार भारतीय उत्पादन में काफी बड़ा हिस्सा है।
- याचिकाकर्ता ने संबद्ध देशों से न तो आयात किया है और न ही पाटित वस्तुओं के किसी निर्यातिक से संबद्ध है।
- याचिकाकर्ता के पास पर्याप्त आधार है और नियमावली के तात्पर्य से घरेलू उद्योग में आता है।
- असंगठित क्षेत्र की संकल्पना विश्व व्यापार संगठन के करार और भारतीय नियमों के तहत विखरे उद्योग के रूप में की गई है।
- अन्य हितबद्ध पक्षकारों के मतों के प्रतिकूल फिरोजाबाद के उत्पादकों में अधिकांश उत्पादक गैर-विचाराधीन उत्पाद के उत्पादक हैं, जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी कृपया फिरोजाबाद के प्रतिनिधि द्वारा मौखिक सुनवाई के समय मौखिक रूप से किए गए अनुरोध से भी नोट किया जा सकता है।

- vi. फिरोजाबाद में उत्पादक जो विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करते हैं, छोटे पैमाने पर काम करते हैं जो रिकार्ड नहीं रखते ।
- vii. याचिकाकर्ता ने एसोसिएशन के सदस्यों के साथ हुई चर्चा के आधार पर असंगठित क्षेत्र में उत्पादकों के उत्पादन का अनुमान लगाया है । इन सदस्यों की संविदा के ब्यौरे याचिका में पहले ही प्रदान किए जा चुके हैं ।
- viii. याचिकाकर्ता ने 6 एसोसिएशनों के नाम उपलब्ध कराए हैं जिनमें आल इंडिया ग्लास मैन्यूफैक्चर्स फेडरेशन और यू पी ग्लास मैन्यूफैक्चर्स सिंडिकेट शामिल हैं । इन 6 एसोसिएशनों में से केवल यू पी ग्लास मैन्यूफैक्चर्स सिंडिकेट ने वर्तमान जांच की शुरुआत की है । अन्य एसोसिएशनों अथवा उत्पादकों के उत्तर पाटनरोधी कानून के तहत याचिकाकर्ता के लिए राहतों पर प्रतिबंध नहीं हैं ।
- ix. यद्यपि प्रतिवादी ने फिरोजाबाद से कतिपय उत्पादकों के नाम उपलब्ध कराए हैं, जिनमें उनकी क्षमता में कतिपय राशि का दावा किया गया है, लेकिन उसका आधार दिखाने में विफल रहा । पक्षकार ने यह नहीं दर्शाया है कि क्षमता को उत्पादन क्यों माना गया है । निर्दिष्ट प्राधिकारी को भारतीय उत्पादन के संबंध में सूचना की आवश्यकता है न कि कुछ भारतीय उत्पादकों के उत्पादन की ।
- x. याचिका के लिए (क) यूपी ग्लास मैन्यूफैक्चर्स सिंडिकेट (ख) पूजा ग्लास वर्क्स प्रा. लि., फिरोजाबाद, (ग) मीरा ग्लास इंडस्ट्रीज, फिरोजाबाद (घ) आदर्श कांच उद्योग प्रा. लि., फिरोजाबाद (ड.) उमा ग्लास वर्क्स फिरोजाबाद (च) न्यू ब्राइट ग्लास वर्क्स इंडिया प्रा. लि., फिरोजाबाद द्वारा समर्थन किया गया है ।
- xi. समर्थन करने वालों ने स्वयं ही यह स्वीकार किया है कि उनके असंगठित क्षेत्रों में होने के कारण वे निर्धारित पाटनरोधी आवेदन फॉर्मेट में अपेक्षित गुणवत्ता का रिकार्ड नहीं रखते ।
- xii. कुछ उत्पादकों द्वारा रिकार्ड का रखरखाव न किए जाने से अन्य उत्पादकों के राहत देने में अवरोध नहीं आना चाहिए । वास्तव में प्राधिकारी को ऐसे लोगों के हितों का संरक्षण करना चाहिए, जो संसाधनों की कमी के कारण अपने हितों का संरक्षण नहीं कर सकते ।
- xiii. अन्य हितबद्ध पक्षकारों की राय के प्रतिकूल भारतीय कानून में असंगठित क्षेत्र की संकल्पना को मान्यता प्रदान की गई है । जैसा कि चीन जन. गण. और वियतनाम से ए एड्राई सेल बैट्रीज और चीन जन. गण. से सेरामिक टेबलवेयर और किचनवेयर, जिसमें चाकू और ऑयलेट मदें शामिल हैं, के मामले में किया गया और प्राधिकारी ने सूचना के विश्वसनीय संगत स्रोत की उपलब्धता के तहत उत्पादन का निर्धारण किया था ।
- xiv. प्राधिकारी अन्य भारतीय उत्पादकों से सूचना मांग सकते हैं ।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

37. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए :

- i. याचिकाकर्ता के पास भारतीय उत्पादन का बड़ा हिस्सा नहीं है । फिरोजाबाद में ग्लासवेयर के निर्यातकों की संचित डैनिक क्षमता करीब 1200 मी.टन प्रति दिन की है । यदि डाटा पर विचार किया जाता है तो याचिकाकर्ता का अंश भारतीय उत्पादन का काफी कम 25 प्रतिशत होगा ।
- ii. असंगठित क्षेत्र में याचिकाकर्ता द्वारा पहचाने गए अन्य 18 उत्पादक आल इंडिया ग्लास मैन्यूफैक्चर्स फेडरेशन (ए आई जी एम एफ) के सदस्य हैं, जैसा कि इसकी वेबसाइट से देखा जा सकता है । याचिकाकर्ता द्वारा वहां से ऐसी समस्त सूचना प्राप्त की जा सकती थी ।
- iii. जब तक अन्य पक्षकारों की ऐसी सूचना उपलब्ध नहीं कराई जाएगी, प्राधिकारी याचिकाकर्ता पर इतनी बड़ी संख्या में अन्य उत्पादकों द्वारा मात्रा और कीमत संबंधी प्रभावों का निर्धारण करने में समर्थ नहीं होगा ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

38. वर्तमान आवेदन मैसर्स थ्रेनों लि. द्वारा दाखिल किया गया था जो कि संगठित क्षेत्र में विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र घरेलू उत्पादक है और पाटनरोथी जांच में विस्तृत सूचना प्रदान की है। प्राधिकारी सूचना की अवस्था में यह तय करते हैं कि याचिकाकर्ता नियमों के तहत आधार की अपेक्षाओं को पूरा करता है और याचिकाकर्ता नियमावली के तात्पर्य से घरेलू उद्योग है।

39. इसके अलावा भारत में संबद्ध वस्तुओं के अन्य छोटे उत्पादक हैं। तथापि, वे सभी असंगठित क्षेत्र में हैं। प्राधिकारी ने निम्नलिखित उत्पादकों को जांच प्रारंभ करने की अधिसूचना भेजी थी, जिनके नाम संबद्ध वस्तुओं के याचिकाकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए थे :-

- 1) आदर्श कांच उद्योग प्राइवेट लिमिटेड
- 2) एडवांस ग्लास वर्क्स
- 3) क्राउन ग्लास इंडस्ट्रीज
- 4) कारूची ग्लास इंडस्ट्रीज
- 5) फिरोजाबाद सिरामिक्स पी. लि।
- 6) फिरोजाबाद ग्लास शेल इंडस्ट्रीज
- 7) गीता ग्लास वर्क्स
- 8) जीएम ग्लास वर्क्स नं .2
- 9) जनरल ट्रेडर्स
- 10) क्लालिटी ग्लास वर्क्स
- 11) हिलाइट ग्लास प्राइवेट लिमिटेड
- 12) श्री सीताराम ग्लास वर्क्स
- 13) मित्तल सिरेमिक
- 14) जगदंबा ग्लास वर्क्स
- 15) ओम ग्लास वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड
- 16) पूजा ग्लास वर्क्स पी. लि.
- 17) प्रगति ग्लास वर्क्स (पी) लिमिटेड
- 18) उमा ग्लास वर्क्स

40. फिरोजाबाद से निम्नलिखित उत्पादकों ने वर्तमान जांच में उत्तर दिया है और समर्थन किया है :

- 1) पूजा ग्लास वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड, फिरोजाबाद
- 2) मीरा ग्लास इंडस्ट्रीज़, फिरोजाबाद
- 3) आदर्श कांच उद्योग प्राइवेट लिमिटेड, फिरोजाबाद
- 4) उमा ग्लास वर्क्स, फिरोजाबाद
- 5) न्यू ब्राइट ग्लास वर्क्स लिंडिया प्राइवेट लिमिटेड, फिरोजाबाद

41. इसके अलावा, फिरोजाबाद में उत्पादकों के प्रतिनिधि अर्थात् यू पी ग्लास मैन्यूफैक्चर्स सिंडिकेट, जो कि आल इंडिया ग्लास मैन्यूफैक्चर्स फेडरेशन (ए आई जी एम एफ) की आंचलिक एसोसिएशन है, ने भी वर्तमान जांच में समर्थन किया है।

42. जहां तक असंगठित क्षेत्र में उत्पादन के आंकड़ों का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि असंगठित क्षेत्र में व्यक्तिगत कंपनियों को उत्पादन के संबंध में उचित सूचना के अभाव में याचिकाकर्ताओं को कानून के तहत राहत प्रदान करने से इंकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता कंपनी का उत्पादन पर्याप्त है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि चीन और इंडोनेशिया में भी बड़ी संख्या में संगठित क्षेत्र और अंसंगठित क्षेत्र में उत्पादक हैं। प्राधिकारी द्वारा पूर्व जांचों में, जहां

विचाराधीन उत्पाद का संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों अर्थात् बैट्रीज, लीड एसिड बैट्रीज मेलामाइन, सिल्क फैब्रिक और सिल्क यार्न इत्यादि द्वारा उत्पादन किया जा रहा था, उत्पादन को उन जांचों में सूचना के विश्वसनीय संगत स्त्रोतों की उपलब्धता के अनुसार किए आकलन के आधार पर निर्धारित किया गया था। अतः नियमावली के नियम 2 (ख) के प्रावधानों के अनुसार पात्र घरेलू उद्योग के रूप में याचिकाकरणों की याचिका को स्वीकार करना उपयुक्त समझा गया।

43. जहां तक घरेलू उद्योग के याचिकाकर्ता के उत्पादन का संबंध है, यह स्पष्ट किया जाता है कि इसकी उपयुक्त रूप से, पर्याप्त रूप से और पूर्णतः मात्रा निर्धारित की गई है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के लिए घरेलू उद्योग द्वारा अनुरक्षित रिकार्ड से विक्री, क्षमता, निर्यात, लागत और व्यय के संबंध में सत्यापन किया गया है। घरेलू उद्योग द्वारा अनुरक्षित वित्तीय और उत्पाद संबंधी रिकार्ड को संगत सूचना के विश्वसनीय और पर्याप्त होने के प्रयोजन के लिए स्वीकार किया गया है।

44. रिकार्ड में उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार, याचिकाकर्ता कंपनियों का उत्पादन समान वस्तुओं के सकल घरेलू उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा है। नीचे दी गई तालिका यह दर्शाती है कि अकेले याचिकाकर्ता का ही उत्पादन भारतीय उत्पादन का 77 प्रतिशत होता है। याचिकाकर्ता कंपनी के संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद का न तो आयात किया है और न ही वे किसी निर्यातक अथवा भारत में किसी आयातक से संबद्ध हैं। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई सूचना की भी पुष्टि की है।

कंपनी का नाम	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	वार्षिक जांच की अवधि	जांच की अवधि
संगठित क्षेत्र						
श्रेनो लि. (ग्लास डिविजन)	मी.टन	***	***	***	***	***
असंगठित क्षेत्र						
कुल भारतीय उत्पाद	मी.टन	***	***	***	***	***
भारतीय उद्योग का अंश						
श्रेनो लि. (ग्लास डिविजन)	% रेंज	70-80	70-80	70-80	70-80	70-80
अन्य भारतीय उत्पादक (असंगठित क्षेत्र)	% रेंज	20-30	20-30	20-30	20-30	20-30

45. तदनुसार विधिक प्रावधानों और मामले के तथ्य की ध्यानपूर्वक जांच के बाद प्राधिकारी ने यह पाया है कि आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के तात्पर्य से मात्र घरेलू उद्योग है और आवेदन उक्त नियमावली के नियम 5(3) के प्रावधानों के तहत आधार के मापदंड को पूरा करता है।

घोषनीयता से संबंधित मामले

घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

46. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- याचिकाकर्ता ने केवल ऐसी सूचना के गोपनीय होने का दावा किया है, जिसकी गोपनीयता की अनुमति नियमों के तहत और प्राधिकारी की निरंतर प्रक्रिया के अनुसार प्रदान की गई है।

ii. किसी भी निर्यातक ने गोपनीय पाठ उपलब्ध नहीं कराया है जो कि गोपनीय पाठ की वास्तविक प्रतिलिपि हो। उन्होंने गोपनीयता के दावे का कोई विवरण भी उपलब्ध नहीं कराया है। इसके अलावा उत्तर भी निर्यातक की प्रश्नावली के अगोपनीय अंश को दाखिल करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जारी विशिष्ट दिशानिर्देशों का उल्लंघन है। अतः सभी निर्यातकों और संबद्ध देशों से उत्पादों के अनुरोध अस्वीकार किए जाने चाहिए और उन्हें व्यक्तिगत व्यवहार से मना करना चाहिए।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

47. प्राधिकारी द्वारा गोपनीयता के संबंध में और संगत समझे जाने के संबंध में वर्तमान जांच की अवधि के दौरान उत्पादकों / निर्यातकों / अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोध इस पकार हैं : -

- याचिकाकर्ता ने अति गोपनीयता का दावा किया है और अधूरी याचिका दाखिल की है। याचिकाकर्ता ने आवेदनके भाग VI (सूचना की लागत) के उत्तर में कोई भी सूचना प्रस्तुत नहीं की है।
- याचिकाकर्ता ने कुल भारतीय उत्पादन, वास्तविक आंकड़ों के संबंध में याचिका के प्रोफार्मा IV के अति गोपनीयता का दावा किया है, उसे प्रदान किया जाना चाहिए क्योंकि याचिकाकर्ता एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी है। कम से कम याचिका के खंड 6 का एन सी वी उत्तर तो दिया ही जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

48. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा सभी हितबद्ध पक्षकारों को सार्वजनिक फाइल के माध्यम से प्रदान की गई सूचना का अगोपनीय अंश उपलब्ध कराया, जिसमें नियम 6(7) के तहत निरीक्षण के लिए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय अंश शामिल है।

49. वर्तमान जांच की अवधि के दौरान प्राधिकारी द्वारा गोपनीयता के संबंध में और संगत पाए गए अनुरोध के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा विभिन्न अनुरोध किए गए थे, उनकी जांच की गई। गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने गोपनीयता के दावे को आवश्यकता के अनुसार स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया है। जहां भी संभव है, गोपनीयता के आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दाखिल की गई सूचना को पर्याप्त अगोपनीय अंश उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिया गया था। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा सार्वजनिक फाइल के रूप में प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय अंश उपलब्ध कराया।

50. हितबद्ध पक्षकारों ने सूचना की गोपनीयता के संबंध में तर्क दिए हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता के दावे प्राधिकारी द्वारा अपनाई जा रही सामान्य प्रक्रिया के अनुसार है। जहां भी संभव हुआ, हितबद्ध पक्षकारों ने सूचना का अगोपनीय अंश उपलब्ध कराया है।

विविध मामले

घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

51. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं : -

- सुनवाई के दौरान इंडोनेशियाई दूतावास और उपस्थित निर्यातक के दावे अस्वीकार किए जाने चाहिए क्योंकि वे वर्तमान जांच में निर्धारित समय-सीमा के भीतर भाग लेने में विफल रहे और वे मौखिक सुनवाई में पहली बार जांच में उपस्थित हुए हैं, वह भी वर्तमान जांच शुरू होने के 301 दिनों के बाद।
- प्राधिकारी को चीन के निर्यातकों और उत्पादकों के उत्तरों को स्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि वे सही और प्रभावित सूचना प्रदान करने की अपनी जिम्मेदारी पूरी करने में विफल रहे हैं। प्रतिवादियों ने कोई भी

सूचना प्रदान नहीं की है जो कि संबंधित सरकारों की ओर से उन्हें प्राप्त प्रोत्साहनों के रूप में प्रोत्साहन है जो कि कम कीमत के आयातों के लिए प्रमुख कारकों में एक है।

- iii. सोमानी टाइल्स द्वारा सभी अनुरोधों को भी अस्वीकार किया जाए क्योंकि उसने न तो आयातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है और न ही एक हितबद्ध पक्षकार के रूप में स्वयं को पंजीकृत कराया है।
- iv. भारत में मांग और आपूर्ति में काई अन्तराल नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग की क्षति वर्तमान मामले में मात्रात्मक मापदंडों के संबंध में भी देखी जा सकती है, जिसका अर्थ यह हुआ कि घरेलू उद्योग अपनी ज्ञात क्षमता के अनुसार उत्पादन और/ अथवा विक्री करने में समर्थ नहीं है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

52. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं :-

- i. निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध है कि डी जी सी आई एंड एस डाटा एम एस एक्सेल फॉर्मेट में, कच्चे और शोधित माप, दोनों में प्रदान करे और हमें दिनांक 8 दिसम्बर, 2017 के व्यापार नोटिस संख्या 1/2017 के सन्दर्भ में संबद्ध उत्पाद के लिए डी जी सी आई एंड एस से डाटा आयात करने की अनुमति दें।
- ii. यह कहना असंगत है कि मांग और आपूर्ति में अन्तर का पाटनरोधी जांच से कोई संबंध नहीं है।
- iii. वर्तमान जांच शुरू करना कानून के अनुसार गलत है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

53. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध और संगत पाए गए अनुरोधों पर प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से कार्रवाई की गई :-

- i. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इंडोनेशियाई दूतावास भारत और मैसर्स फर्स्ट नेशनल ग्लासवेयर, जकार्ता से अनुरोध प्राप्त हुए हैं। तथापि, मैसर्स फर्स्ट नेशनल ग्लासवेयर, जकार्ता के अनुरोध निर्धारित समय सीमा के भीतर और कानून के अनुसार नहीं भेजे गए थे। मौखिक सुनवाई में भागीदारी से इंडोनेशियाई निर्यातिक को इस बात का साक्ष्य प्रदान करने का एक और अवसर प्रदान किया गया था कि उसने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपना अनुरोध दाखिल किया है। जबकि उन्होंने सूचना और डाटा पुनः प्रदान किए और यह कहा कि वह प्राधिकारी द्वारा प्रदान किए गए समय और प्रक्रिया के अनुसार नहीं है। अतः मौखिक सुनवाई के दौरान उनके कोई भी दावे इस अन्तिम जांच परिणाम के प्रयोजन के लिए स्वीकार नहीं किए गए।
- ii. मांग और आपूर्ति में अन्तर के मामले के संबंध में प्राधिकारी यह नोटकरते हैं कि पाटनरोधी उपाय आयातों पनर प्रतिबंध नहीं लगाते बल्कि इसमें एक समान स्तर प्रदान किया गया है और बाजार में स्वच्छ प्रतिस्पर्धा आती है।
- iii. घरेलू उद्योग के आरोप के संबंध में कि चीन जन. गण. में प्राधिकारी संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों / निर्यातकों को सब्सिडी दे रहे हैं, यह नोट किया जाता है कि वर्तमान जांच भारत में संबद्ध वस्तुओं के पाटन के संबंध में है। निर्यातिक देशों में राष्ट्रीय प्राधिकारियों द्वारा प्रदान की गई सब्सिडी से संबंधित मामला यहां संगत नहीं है।
- iv. जांच की अवधि के दौरान प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस से सौदा- वार आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है और इस पर इस पर इस जांच में विचार किया गया है। यदि कोई हितबद्ध पक्षकार इस डाटा को प्राप्त करना चाहता है तो डी जी सी आई एंड एस से डाटा प्राप्त करने के लिए अलग से लिखित अनुरोध किया जाना चाहिए था और अपेक्षित अधिकार प्रदान कर दिया जाता ताकि डी जी सी आई एंड एस से डाटा प्राप्त किया जा सके और अपेक्षित अधिकार प्रदान किया जाता ताकि उन्हें अपेक्षित शुल्क का भुगतान करने के बाद डाटा प्राप्त हो सके। तथापि, कोई भी ऐसा लिखित अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ।

v. इस आरोप के संबंध में कि जांच प्रारंभ करना गलत है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान किए गए प्रथम दृष्ट्या साक्ष्यों/ तथ्यों के आधार पर की गई है। बाद में इस पाटनरोधी जांच में कार्यवाही के लिए सत्यापित सूचना पर विचार किया जाए।

च. **सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण**

54. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी और उन्हें परामर्श दिया कि वे निर्धारित रूप में और निर्धारित तरीके से सूचना प्रदान करें। संबद्ध देशों से निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों ने निर्धारित प्रश्नावली के उत्तर दाखिल किए :-

- i. अनहुई जिनमिन ग्लास प्रोडक्ट्स कं. लि.
- ii. अनहुई कांगटाई ग्लासवेयर टैक्नोलोजी कं. लि.
- iii. फुलोंग ग्लास टैक्नोलोजी कं. लि.
- iv. शानडोंग फुलोंग ग्लास टैक्नोलोजी कं. लि.
- v. किंगदाओ जेमनी इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
- vi. अनहुई डेली हाउसहोल्ड ग्लास कं. लि.

55. इसके अलावा, निम्नलिखित ने बाजार अर्थव्यवस्था उपचार प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए :

- i. अनहुई कांगटाई ग्लासवेयर टैक्नोलोजी कं. लि.
- ii. शानडोंग फुलोंग ग्लास टैक्नोलोजी कं. लि.
- iii. किंगदाओ जेमनी इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.

56. मैसर्स फस्ट नेशनल ग्लास कंपनी, इंडोनेशिया ने कुछ डाटा के साथ उत्तर दिया। डाटा अधूरे थे और उचित फॉर्मेट में नहीं थे तथा प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय / तारीख के बाद प्राप्त हुए। अतः प्रदान किए गए उत्तरों पर विचार नहीं किया गया।

घरेलू उद्योग के विचार

57. घरेलू उद्योग द्वारा वर्तमान जांच की अवधि के दौरान और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए निम्नलिखित अनुरोध किए गए :-

- i. प्रतिवादियों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी निर्यातक निम्नलिखित प्रलेख और सभी शर्तों को पूरा नहीं कर लेता।
 - क) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा ऐसी स्थिति में नहीं दिया जा सकता जहां एक प्रमुख शेयर धारक एक राज्य के स्वामित्व/ नियंत्रण वाली संस्था है।
 - ख) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी चीन में निर्यातक यह प्रमाणित न करे कि प्रमुख निर्दिष्टियों की कीमतें बाजार के मूल्य को पर्याप्त रूप से दर्शाती हैं।
 - ग) बाजार अर्थव्यवस्था उपचार ऐसी स्थिति में अस्वीकार किया जाए जहां चीन के निर्यातक यह प्रमाणित करने में समर्थ नहीं हो कि उनके खाते अन्तर्राष्ट्रीय लेखांकन मानकों के अनुसार हैं। अन्तर्राष्ट्रीय लेखांकन मानकों पर बल देना यह सुनिश्चित करने के लिए है कि वार्षिक रिपोर्ट में दर्शाई गई राजस्व और व्यय, परिसम्पत्तियां तथा देनदारियां सही और पर्याप्त हैं।
 - घ) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी चीन निर्यातक नियमों में विनिर्दिष्ट प्रत्येक और सभी मापदंडों के संबंध में टेस्ट पास नहीं कर लेते। जबकि क्षति की मौजूदगी को प्रमाणित करने के लिए एक मापदंड पर्याप्त है, एक मापदंड में विफल होना बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा अस्वीकार करने के लिए पर्याप्त है।

ड) प्राधिकारी के लिए यह प्रमाणित करना जरूरी नहीं कि प्रतिवादी कंपनियां बाजार अर्थव्यवस्था के बातावरण में संचालित हो रही हैं और बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के लिए पात्र हैं। लेकिन यह प्रतिवादी चीन निर्यातकों पर है कि वह यह प्रमाणित करे कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रहे हैं।

च) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तबतक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी कंपनी और उसका पूरा समूह दावा न करे। यदि एक या अधिक कंपनियां समूह का भाग हैं और उत्तर दाखिल नहीं किया है तो बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा अस्वीकार किया जाना चाहिए।

छ) ऐसी स्थिति में जहां मौजूदा शेयर धारकों ने अपनी उत्पादन सुविधाएं स्वयं स्थापित नहीं की हैं लेकिन किसी अन्य पक्षकार से अर्जित की है, बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक नहीं दिया जा सकता, जब तक कि दस्तावेजी साक्ष्य के माध्यम से प्रक्रिया पूरी तरह सत्यापित न हो।

ii. यह कहा गया है कि चीन के लिए सामान्य मूल्य ऐसे मामले में उपरोक्त तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- । के पैरा - 7 के प्रावधानों के अनुसार ही निर्धारित किया जा सकता है।

iii. घरेलू उद्योग चीन में घरेलू कीमतों के संबंध में किसी दस्तावेजी साक्ष्य अथवा विश्वसनीय सूचना को प्राप्त करने की स्थिति में नहीं था और न ही यह सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध थी। अतः आवेदक ने केवल जांच शुरुआत के प्रयोजन के लिए पुराने सिद्धांतों को अपनाकर और डी जी ए डी की प्रक्रिया के अनुसार चीन के लिए सामान्य मूल्य निर्मित किया है।

iv. अतः चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण (क) तीसरे देश से भारत को आयात कीमत (ख) भारत में बिक्री कीमत और (ग) भारत में उत्पादन की लागतको विधिवत समायोजित करके किया जाएगा जिसमें बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय तथा लाभ शामिल हैं। यह भी कहा जाता है कि चूंकि सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए ये विकल्प उपलब्ध हैं, इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी किसी अन्य आधार पर विचारन करे क्योंकि ये केवल तभी लागू किया जाना है, जब कानून में सूचीबद्ध अन्य आधार पर लागू नहीं हो सकते।

v. याचिकाकर्ता चीन में ग्लासवेयर के सामान्य मूल्य का निर्धारण करने में बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमतों अथवा निर्मित मूल्य के आधार पर इस कारण से समर्थ नहीं रहा कि संगत सूचना याचिकाकर्ता के पास उपलब्ध नहीं है।

vi. चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य निर्मित किया गया है। भारित औसत डी जी सी आई एंड डी आयात कीमत के अनुसार कद्दी सामग्री की कीमतें विद्युत दरों, खपत कारकों, परिवर्तन लागतों और बिक्री, सामान्य व प्रशासनिक व्ययके साथ साथ आयात कीमत ली गई है। एक तर्कसंगत लाभ मार्जिन भी शामिल किया गया है।

vii. इंडोनेशिया में सामान्य मूल्य निकालने के लिए भी प्रयास किए गए थे। तथापि, सूचना के अभाव में इंडोनेशिया से निर्यातकों/ उत्पादकों केलिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है। भारित औसत डी जी सी आई एंड एस आयात कीमत के अनुसार कद्दी सामग्री की कीमतें और खपत कारक, परिवर्तन लागत अरौर बिक्री, सामान्य व प्रशासनिक व्यय शामिल किए गए हैं। इंडोनेशिया में विद्युत दरें ली गई हैं। एक तर्कसंगत लाभ मार्जिन भी शामिल किया गया है।

viii. याचिकाकर्ता ने उसके पास उपलब्ध सूचना के अनुसार सामान्य मूल्य के संबंध में अनुरोध और दावे किए गए हैं। प्राधिकारी सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए समुचित पद्धति अपना सकते हैं।

ix. चीन से उत्पादकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वातावरण के तहत प्रचालित कंपनी के रूप में माना जाना चाहिए और अनुबंध - । के पैरा 7 के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए। उस समय तक जांच की

अवधि में दिसम्बर, 2016 तक की अवधि शामिल है क्योंकि महत्वपूर्ण मापदंड और कारक पाटनरोधी जांच में माने गए हैं जैसे पाटन मार्जिन, क्षति मार्जिन, मात्रा इत्यादि जांच की अवधि से संबंधित हैं।

- x. अन्हुई कांगटाई ग्लासवेयर टेक्नोलोजी कं. लि. अर्थात रोंगटाई ग्लास प्रोडक्ट्स कं. लि और लुआन कांगटाई ग्लास कं. लि, जो विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन व बिक्री में लगे हुए हैं, ने वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है। इस प्रकार अन्हुई कांगटाई का उत्तर अस्वीकार किया जाए।
- xi. अन्हुई डेली ग्लासहोल्ड ग्लास कं. लि का एक संबद्ध उत्पादक अर्थात चुझाऊ डेली क्रिस्टल ग्लास कं. लि जो चीन में संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक भी है ने वर्तमान जांच में हिस्सा नहीं लिया है। इस प्रकार अन्हुई डेली का उत्तर अस्वीकार किया जाए।
- xii. सामान्य मूल्य के साथ तुलनीय बनाने के लिए उद्योग के पास उपलब्ध सूचना के आधार पर समायोजन करने के बाद आयात डाटा से उपलब्ध सूचना के आधार पर निर्यात मूल्य का निर्माण किया गया।
- xiii. पाटन मार्जिन सकारात्मक है और पर्याप्त है।
- xiv. यह तथ्य कि निर्यातकों ने पाटन का उपाय किया है, पाटन की मौजूदगी से इंकार न करने से यह प्रमाणित हो गया है।
- xv. याचिकाकर्ता ने निवल निर्यात कीमत और अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री की गणना के लिए प्रयुक्त भत्तों/ कटौतियों का अनुमान लगाया है। निर्यातकों ने यह नहीं दर्शाया (तथ्यात्मक रूप से और न ही दावा किया) कि याचिकाकर्ता द्वारा अपनाई गई राशि अधिक है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

58. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध इस प्रकार हैं :

- i. निवल निर्यात कीमत और अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्रियों की गणना केलिए प्रयुक्त भत्तों/ कटौतियों के लिए किसी स्रोत का उल्लेख नहीं किया गया है।
- ii. सामान्य मूल्य का निर्धारण अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों का उल्लंघन है और इसके समर्थन में कोई दस्तावेज नहीं है। यह पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध - 1 के पैरा 7 का भी उल्लंघन करता है क्योंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पहले दो विकल्पों को इस्तेमाल किए बिना सामान्य मूल्य की गणना के लिए याचिकाकर्ता के तरीके के आधार पर अन्तिम विकल्प को स्वीकार किया है।
- iii. सामान्य मूल्य का निर्माण और निवल निर्यात मूल्य के लिए समायोजन को गोपनीय नहीं माना जा सकता। याचिकाकर्ता को ऐसी सूचना प्रकट करनी चाहिए।
- iv. याचिका में दावे तथा सीएनवी और निर्यात कीमत पूरी तरह से अपर्याप्त है। याचिकाकर्ता ने निर्मित सामान्य मूल्य की गणना में निहित खपत कारक अथवा कच्ची सामग्री, उपयोगी सेवाओं अथवा परिवर्तन लागतों, जिनका याचिकाकर्ता द्वारा दावा किया गया है, के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रदान किया गया है।
- v. अन्हुई को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया जाना चाहिए और सामान्य मूल्य की गणना रिकार्ड में उनके डाटा के आधार पर की जानी चाहिए।
- vi. यदि प्राधिकारी चीन जन गण को बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं मानते हैं और अन्हुई डेली की घरेलू कीमतों और उत्पादन की लागत को स्वीकार नहीं करते हैं तो ऐसे मामले में एक निर्मित मूल्य पद्धतिकी बजाय एक सहयोगी देश की पद्धति अपनाई जानी चाहिए और सहयोगी देश की पद्धति का उपयोग सामान्य मूल्य की गणना के लिए किया जाना चाहिए। अन्हुई डेली का यह प्रस्ताव है कि इंडोनेशिया ऐसे प्रयोजन के लिए उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाला तीसरा देश होगा।
- vii. संबद्ध देशों में निर्यातकों/ उत्पादकों द्वारा प्राप्त किए गए प्रोत्साहनों के संबंध में तथ्यों को द्वृपाने के संबंध में घरेलू उद्योग के दावे अपर्याप्त हैं और यदि याचिकाकर्ता का मामला सब्सिडी के संबंध में क्षति का है तो यह सब्सिडी रोधी उपायों की व्यवस्था है।

viii. सहयोगी निर्यातकों के लिए व्यक्तिगत मार्जिन यहां ऐसे सहयोगी निर्यातकों द्वारा आपूर्ति किए गए डाटा के आधार पर निर्धारित किया जाए न कि किसी अन्य आधार पर किया जाए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

क) सामान्य मूल्य

59. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के तहत “बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार” के संबंध में विनिर्दिष्ट संगत प्रावधान इस प्रकार हैं :

[8. (1) गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश वाक्यांश का अर्थ कि देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धांतों का लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं कि बिक्रियां उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को नहीं दर्शाती है।

(2) यह कहना पूर्वनुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्लूटीओ के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश है।

तथापि गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या :-

(क) ऐसे देश में कझी समग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विनिर्दिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थ व्यवस्था प्रणाली से उठाये गये विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है। खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसम्पत्तयों के मूल्यहास, अन्य बट्टे खाते, वस्तु विनियम व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;

(ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा सम्पति कानून के अधीन होती हैं जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है:-

(घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किये जाते हैं :-

तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसे अधिक फर्मों के लिए बाजार

स्थितियां लागू होती हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धांतों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।"

[(4) उप- पैराग्राफ (2) में निहित किसी बात के होते हुए भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे किसी देश को बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मान सकते हैं जिसे उप-पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मानदण्डों सहित संगत मानदण्डों के नवीनतम विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर किसी सरकारी दस्तावेज में ऐसे मूल्यांकन के प्रकाशन द्वारा किसी देश जो विश्व व्यापार संगठन का सदस्य है, ने पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है अथवा ऐसा मानने के लिए निर्धारित किया है।]"

60. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि चाइनीज एसेसन प्रोटोकोल के अनुच्छेद 15 में निम्नलिखित प्रावधान है:

"जीएटीटी का अनुच्छेद-VI, टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता, 1994 ("पाटनरोधी समझौता") के अनुच्छेद-VI के कार्यान्वयन पर समझौता तथा एससीएम समझौता निम्नलिखित के अनुरूप डब्ल्यूटीओ सदस्यों में चीन मूल के आयातों वाली कार्यवाहियों पर लागू होंगे:

(क) जीएटीटी के अनुच्छेद-VI और पाटनरोधी समझौते के तहत मूल्य की तुलना का निर्धारण करने में आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे या उस पद्धति को उपयोग करेंगे जो निम्नलिखित के आधार पर चीन में घरेलू मूल्यों अथवा लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने में आधारित नहीं है:

(i) साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने -यदि जांचाधीन उत्पादक साफ व्यवस्था वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थ की स्थितियां रहती हैं तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।

(ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है-यदि जांचाधीन उत्पादक साफ , साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्थाकी स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।

(ख) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क) 14(ख) 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राजस्वहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजस्वहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निवंधन और शर्तों उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती है। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निवंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यामान निवंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।

(ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उपको पाटनरोधी कार्य पैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों-समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (छ) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी औं सब्सिडीज और काउंटर वेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।

(घ) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्राप्ति की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क)(ii) के प्रावधान प्राप्ति की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे। 61. अनुच्छेद-15 का अभिप्राय है कि एक उप-पैरा के प्रावधान चीनी एसेसन की तारीख से 15 वर्ष में समाप्त हो जाएंगे। इस पैराग्राफ के प्रावधान 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गए। चूंकि घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले पाटन का तथ्य जांच की अवधि के आधार पर सिद्ध है, अतः अकेले जांच की अवधि के दौरान विद्यमान स्थितियां संगत, उपयुक्त और वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए आवश्यक हैं। वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि (पीओआई) सितम्बर 2015 से अक्टूबर, 2016 है। चूंकि अनुच्छेद-15 का उप पैरा जांच की अवधि के दौरान अस्तित्व में था, अतः प्राधिकारी एक ऐसे सिद्धांत का प्रयोग कर सकते हैं जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों की सख्त तुलना पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक यह स्पष्ट रूप से न दर्शा सके कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और विक्री के संबंध में समान उत्पादन का उत्पादन करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां विद्यमान हैं।

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन. गण के ऐसे पांच उत्पादकों/निर्यातकों, जिन्होंने पीओआई के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है ने विहित ढंग और तरीके से उत्तर दिया है। उक्त पैरा 53 में सूचीबद्ध उनमें से तीन ने नियमावली के अनुबंध-। के पैरा-6 के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया है।

63. प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीसरे देश की लागत और कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए संबद्ध वस्तु की घरेलू विक्रियों के पूरे और विस्तृत आकड़ों, कच्ची सामग्री की खरीद, तीसरे देश की निर्यात विक्रियों तथा तीसरे देश में ऐसे उत्पादकों की उत्पादन लागत और सहयोग की आवश्यकता होती है। इन बाजारों में प्रचलित कीमतों और लागत के संबंध में ऐसी विस्तृत सूचना न तो आवेदक द्वारा दी गई और न ही प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा, और न ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कोई सूचना मिल पाई। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि मैं अनहुइ कंगताई ग्लासवेयर टेक्नोलाजी लि. के के मामले में उनकी राष्ट्रीय सरकार ने प्रौद्योगिकी विकास सहित उन्हें क्तिपय भुगतान किए हैं। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इस भुगतानों का आधार क्या है और कंपनी द्वारा प्रशासन/निर्णय लेने में स्थानीय प्राधिकरणों द्वारा ऐसे भुगतान की भूमिका क्या है।

64. मैं. शेनडोंग फुलोंग ग्लास टेक्नोलाजी कं.लि. द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के अनुरोध को जाँच की प्रक्रिया के दौरान कंपनी द्वारा वापस ले लिया गया। परिणामस्वरूप प्राधिकारी ने मैं. किंगडाओ जेमी इम्प एंड एक्प कं. लि. जिसने मैं. शेनडोंग फुलोंग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है द्वारा ऐसे व्यवहार के दावे की जाँच नहीं की है।

65. अनहुइ डेली के इस तर्क के संबंध में यदि प्राधिकारी ने उसे बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार नहीं देने का निर्णय लिया है तो इंडोनेशिया की कीमतें प्रतिनिधि देश के रूप में ली जा सकती हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इंडोनेशिया से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जिससे उसे सत्यापित प्रतिनिधि देश माना जाए और इंडोनेशिया से संबंधित आकड़े उपलब्ध नहीं थे।

66. अतः प्राधिकारी किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन करने की कार्रवाई करते हैं। चूंकि चीन जन. गण. में स्थित किसी निर्यातिक पर बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी विचार नहीं किया गया है इसलिए चीन के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए साझे आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन किया गया है।

क) चीन जन. गण. में स्थित निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

67. प्राधिकारी ने उनके द्वारा निर्यातित उत्पाद के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर किया है। भारित औसत सामान्य मूल्य ***रु./एमटी (*** अम.डा.) निर्धारित किया गया है। यह सामान्य मूल्य चीन जन. गण. के सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए भी है।

ख) इंडोनेशिया में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

68. इंडोनेशिया से किसी भी उत्पादक/निर्यातिक ने प्रश्नावली का वैध उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, इसलिए प्राधिकारी उन्हें असहयोगी मानते हैं और प्राधिकारी इंडोनेशिया के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए अलग पाटन मार्जिन निर्धारित करने में सक्षम नहीं हैं और पाटन मार्जिन के निर्धारण के संबंध में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के सिद्धांतों के अनुसार कार्रवाई करने को बाध्य हैं। प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के अनुसार सामान्य मूल्य ***रु./एमटी (*** अम.डा.) के रूप में निर्धारित किया है।

ख) निर्यात कीमत

क) चीन जन. गण. में स्थित निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन. गण. से पांच निर्यातकों ने विस्तृत निर्यात आकड़े प्रस्तुत किए हैं और उनका सत्यापन किया गया है। निर्यात आकड़ों के आधार पर पांच सहयोगी निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत निम्नानुसार निर्धारित की गई है :

(i) मै. अनहुइ जिनमिन ग्लास प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के लिए निर्यात कीमत

70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि अनहुइ जिनमिन ने पीओआई के दौरान भारत को सीधे संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। कंपनी ने अपने परिशिष्ट-2 में *** मी.टन के कुल आयात की सूचना दी है और कतिपय समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने अंतर्देशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, बीमा, बैंक प्रभारों और गैर-वापसीयोग्य वैट के लिए किए गए दावों को आवश्यक सत्यापन के बाद स्वीकार किया है। तदनुसार, भारित औसत निवल निर्यात कीमत *** अम.डा./एमटी निर्धारित की गई है।

(ii) मै. अनहुइ कंगताई ग्लासवेयर टेक्नालाजी कं. लि. के लिए निर्यात कीमत

71. प्राधिकारी नोट करते हैं कि अनहुइ कंगताई ने पीओआई के दौरान भारत को सीधे संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। कंपनी ने अपने परिशिष्ट-2 में *** मी.टन के कुल आयात की सूचना दी है और कतिपय समायोजनों का दावा

किया है। प्राधिकारी ने अंतर्देशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, बीमा, बैंक प्रभारों और गैर-वापसीयोग्य वैट के लिए किए गए दावों को आवश्यक सत्यापन के बाद स्वीकार किया है। तदनुसार, भारित औसत निवल निर्यात कीमत *** अम.डा./एमटी निर्धारित की गई है।

(iii) मै. शनडोंग फुलोंग ग्लास टेक्नालाजी कं लि.

72. प्राधिकारी नोट करते हैं कि शनडोंग फुलोंग ग्लास ने पीओआई के दौरान भारत को सीधे संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। कंपनी ने अपने परिशिष्ट-2 में *** मी.टन के कुल आयात की सूचना दी है और कतिपय समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने अंतर्देशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, बीमा, बैंक प्रभारों और गैर-वापसीयोग्य वैट के लिए किए गए दावों को आवश्यक सत्यापन के बाद स्वीकार किया है। तदनुसार, भारित औसत निवल निर्यात कीमत *** अम.डा./एमटी निर्धारित की गई है।

(iv) मै. किंगडाओ जैमी इंप एंड एक्स कं लि.

73. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किंगडाओ जैमी इंप एंड एक्स कं ने शनडोंग फुलोंग ग्लास टेक्नालाजी कं लि. द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु का पीओआई के दौरान भारत को सीधे निर्यात किया है। कंपनी ने अपने परिशिष्ट-2 में *** मी.टन के कुल आयात की सूचना दी है और कतिपय समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने अंतर्देशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, बीमा, बैंक प्रभारों और गैर-वापसीयोग्य वैट के लिए किए गए दावों को आवश्यक सत्यापन के बाद स्वीकार किया है। तदनुसार, भारित औसत निवल निर्यात कीमत *** अम.डा./एमटी निर्धारित की गई है।

(v) मै. अनहुइ डेली हाउसहोल्ड ग्लास कं लि.

74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि अनहुइ डेली ने पीओआई के दौरान भारत को सीधे संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। कंपनी ने अपने परिशिष्ट-2 में *** मी.टन के कुल आयात की सूचना दी है और कतिपय समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने अंतर्देशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, बीमा, बैंक प्रभारों और गैर-वापसीयोग्य वैट के लिए किए गए दावों को आवश्यक सत्यापन के बाद स्वीकार किया है। तदनुसार, भारित औसत निवल निर्यात कीमत *** अम.डा./एमटी निर्धारित की गई है।

(vi) चीन जन. गण. के अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि चीन से किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। चीन में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने निवल निर्यात कीमत *** अम.डा./एमटी निर्धारित की है।

ख) इंडोनेशिया में स्थित निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

76. इंडोनेशिया से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली का वैध उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। इसलिए प्राधिकारी उन्हें असहयोगी मानते हैं। इंडोनेशिया से किसी भी उत्पादक/निर्यातक से सहयोग नहीं मिलने पर प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निवल निर्यात कीमत ***अम.डा./एमटी के रूप में निर्धारित की है।

ग) पाटन मार्जिन का निर्धारण

77. उक्त अनुसार निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी द्वारा संबद्ध देशों से उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है और वह निम्नानुसार है :

क्र.सं	देश	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य (अम.डा/एम.टी)	निर्यात कीमत (अम.डा/एम.टी)	पाटन मार्जिन (अम.डा/एम.टी)	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन रेंज %
1	चीन जन. गण.	अनहुइ जिनमिन ग्लास प्रोडक्ट्स कं. लि.	अनहुइ जिनमिन ग्लास प्रोडक्ट्स कं. लि.	***	***	***	***	10-20
2	चीन जन. गण.	अनहुइ कंगताई ग्लासवेयर टेक्नोलोजी कं.	अनहुइ कंगताई ग्लासवेयर टेक्नोलोजी कं.	***	***	***	***	10-20
3	चीन जन. गण.	शनडोंग फुलांग ग्लास टेक्नोलॉजी कं.	शनडोंग फुलांग ग्लास टेक्नोलॉजी कं.	***	***	***	***	ऋणात्मक
4	चीन जन. गण.	शनडोंग फुलांग ग्लास टेक्नोलॉजी कं.	किंगडाओ जैमी इंप एंड एक्स. कं.	***	***	***	***	ऋणात्मक
5	चीन जन. गण.	अनहुइ डेली हाउसहोल्ड ग्लास कं.	अनहुइ डेली हाउसहोल्ड ग्लास कं.	***	***	***	***	5-15
6	चीन जन. गण.	अन्य	अन्य	***	***	***	***	30-40
7	इंडोनेशिया	कोई	कोई	***	***	***	***	50-60

क्षति आकलन की पद्धति और क्षति और कारणात्मक संबंध की जाँच

छ. क्षति निर्धारण

छ.1 क्षति जाँच

घरेलू उद्योग के विचार

78. वर्तमान जाँच के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए क्षति से संबंधित अनुरोध निम्नानुसार हैं :

- i. वर्तमान जाँच संचयी आकलन के लिए न्यायोचित है क्योंकि संबद्ध देशों से पाटित संबद्ध वस्तु न केवल एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करती है बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा दी गई समान वस्तु से भी प्रतिस्पर्धा करती है।
- ii. संबद्ध आयातों में मांग में विरावट के बावजूद क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।
- iii. पूरी क्षति अवधि के दौरान भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में संबद्ध आयातों में निरंतर वृद्धि हुई है।
- iv. पीओआई के दौरान भारी कीमत कटौती हुई है।
- v. संबद्ध आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों पर हासकारी प्रभाव पड़ा है।
- vi. घरेलू उद्योग की क्षमता पर क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है। घरेलू उद्योग के उत्पादन को पाटन के कारण 2015 में 6 महीनों के लिए रोकना पड़ा था।
- vii. याचिकाकर्ता ने फर्नेस को बदल दिया है और नई क्षमता स्थापित की है और लगाई गई मशीनों की संख्या में कमी करके क्षमता घटाई है। फर्नेस को पुनः बनाने के समय याचिकाकर्ता ने क्षति पंहुचाने वाले उत्पाद के पाटन पर विचार करते हुए कमतर क्षमता की फर्नेस लगाई है।
- viii. घरेलू उद्योग अपनी क्षमताओं का उपयोग करने में अक्षम रहा है और आधार वर्ष की तुलना में उसमें पीओआई के दौरान कमी आई है।
- ix. पूरी क्षति अवधि के दौरान उत्पादन, बिक्री और मांग में बाजार हिस्से में गिरावट आई है।
- x. मालसूचियां काफी बढ़ गई हैं।
- xi. याचिकाकर्ता को पूरी क्षति अवधि के दौरान वित्तीय घाटा उठाना पड़ा है जो पीओआई में काफी बढ़ गया था।
- xii. घरेलू उद्योग को निवेश पर क्रृष्णात्मक आय और नकद घाटों का सामना करना पड़ रहा है।
- xiii. पीओआई में प्रतिदिवस उत्पादकता में उत्पादन के रुझान के अनुरूप गिरावट आई है।
- xiv. घरेलू उद्योग की वृद्धि मांग और कीमत संबंधी मापदंडों के अनुसार प्रतिकूल रही है।
- xv. वित्तीय घाटों के कारण घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता में अवरोध हुआ है।

xvi. भारतीय उत्पादकों की कीमतों के लिए बेंचमार्क संबद्ध देशों से आयात कीमतें हैं। घरेलू उद्योग की कीमतों के लिए उत्तरदायी एकमात्र कारक संबद्ध देशों से उत्पाद की आयात कीमतें और घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत है।

xvii. घरेलू उद्योग को भारत में पाटित संबद्ध वस्तु की उपस्थिति के कारण वास्तविक क्षति उठानी पड़ रही है।

xviii. इंडोनेशिया से आयात भारत में आने वाले कुल आयातों का 3 प्रतिशत से अधिक हैं और यह कि ऐसे आयातों का सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमत से अधिक है जिसके परिणामस्वरूप सकारात्मक और भारी पाटन मार्जिन है। इससे इंडोनेशिया को वर्तमान जॉच से बाहर रखने की कोई गुंजाइश नहीं रहती है।

xix. वर्तमान जॉच में कीमत कटौती 16.02 प्रतिशत है जो काफी अधिक है। पंहुच कीमत घरेलू उद्योग की लागत और बिक्री कीमत से कम है। इसके अलावा लागत में वृद्धि बिक्री कीमत और पंहुच कीमत में वृद्धि से अधिक है और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वृद्धि पंहुच कीमत में वृद्धि से अधिक है।

xx. एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा याचिका और वार्षिक रिपोर्ट में अलग-अलग घाटे संबंधी चिंता के संबंध में यह अनुरोध किया जाता है कि याचिकाकर्ता ने वास्तविक सूचना उपलब्ध कराई है और उसका प्राधिकारी द्वारा सत्यापन किया गया है। याचिकाकर्ता ने विश्लेषण को रिकार्ड में रखा है, जो पहले लाभ और अब क्षति को दर्शाता है।

xxi. इसके अलावा, विचाराधीन उत्पाद में चीन द्वारा पाटन एक पुरानी समस्या है। सर्वप्रथम, नियमों में यह नहीं बताया गया कि याचिकाकर्ता को पहले लाभ और वर्तमान में घाटा उठाना चाहिए। इसमें केवल 'विकृति' बताई गई है।

xxii. निर्दिष्ट प्राधिकारी वर्तमान जॉच की क्षति अवधि पर विचार कर सकते हैं। वह न केवल विधिक अपेक्षा है बल्कि निर्दिष्ट प्राधिकारी की परिपाठी भी है।

xxiii. याचिकाकर्ता द्वारा किए गए क्षति संबंधी अनुरोध घरेलू बिक्री के आधार पर किए गए हैं और प्राधिकारी इसका सत्यापन कर सकते हैं। तथापि, याचिकाकर्ता द्वारा निर्यात पाटन का एक परिणाम हैं और इसलिए घरेलू उद्योग पर पाटन के प्रभाव का निर्धारण करने के लिए उन पर विचार करना होगा।

xxiv. औसत वसूली से कम कीमत पर बिक्री से घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई क्षति की मात्रा का पता चलता है।

xxv. याचिकाकर्ता को घरेलू बाजार में अपना हिस्सा नहीं मिल रहा है और परिणामस्वरूप उसे वित्तीय घाटा हुआ है। निर्यातों की आवश्यकता पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण हुई है क्योंकि उन्होंने पहले ही बाजार पर कब्जा कर लिया है। उद्योग में बने रहने के लिए, याचिकाकर्ता को आयात करना पड़ा। वस्तुतः निर्यात उसकी घरेलू बिक्रियों का केवल 17 प्रतिशत है।

xxvi. याचिकाकर्ता ने मोल्टेन उत्पादन के लिए फर्नेस की क्षमता और तैयार उत्पाद का उल्लेख किया है। यह महत्वपूर्ण नहीं है कि मोल्टेन सामग्री को कैसे आकार दिया जाता है और वह क्या आकार लेता है।

xxvii. पाटनरोधी महानिदेशालय की वेबसाइट पर उपलब्ध आवेदन प्रपत्र के अनुसार याचिका में क्षति मार्जिन/कम कीमत पर बिक्री का ब्योरा देना अनिवार्य नहीं है।

xxviii. चूंकि उद्धरण याचिकाकर्ता को उपलब्ध नहीं कराए गए (याचिकाकर्ता के अनुसार वह गोपनीय दस्तावेज नहीं हो सकता है), इसलिए याचिकाकर्ता टिप्पणियां नहीं कर सकता है। इसके होते हुए भी, इस तर्क का कोई आधार नहीं है कि उद्धरण लागत से अधिक कीमत पर दिए गए थे। वास्तव में, यह तथ्य कि उद्धरण लागत से कम कीमत पर थे, क्षति दर्शाता है।

xxix. याचिकाकर्ता ने पाटित आयातों द्वारा बाजार प्रतिस्पर्धा पर विचार किया है और उसे ऐसी कीमतें उद्धरित करते समय उत्पादन लागत और लाभ पर विचार करने से रोका गया है। यदि याचिकाकर्ता को लागत और लाभ उत्तर में मिलता तो याचिकाकर्ता को वित्तीय घाटे हुए होते।

xxx. हितबद्ध पक्षों ने सार्वजनिक सूचना को गोपनीय माना है, इसके होते हुए भी याचिकाकर्ता ने वास्तविक आकड़े उपलब्ध कराए हैं और उनके सत्यापन का पहले ही प्रस्ताव किया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को कोई खास अंतर नहीं दिखाई दिया है। यह स्थापित कानून है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को एनआईपीके निर्धारण में याचिकाकर्ता के आकड़ों/सूचना पर विचार करना चाहिए। अनुबंध-11 में किसी अन्य कंपनी के आकड़ों पर विचार करने की मना ही है।

xxxi. घरेलू बाजार में बिक्री और वितरण शीर्ष में अंतर अलग-अलग उत्पादन लागत और घरेलू बिक्री का कारण है।

xxxii. निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग पर वस्तुस्थिति के अनुसार विचार करना अपेक्षित है।

xxxiii. यह तथ्य कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को सकारात्मक पाटन मार्जिन मिला यह दर्शाता है कि घरेलू बाजारों में बिक्री कीमत वास्तव में अधिक थी। इसका अर्थ है कि विचाराधीन उत्पाद का सामान्य मूल्य को वास्तव में याचिकाकर्ता के दावे से अधिक होना चाहिए। इस प्रकार, कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि जो घरेलू उद्योग के लिए अलग नहीं है को कारणात्मक संबंध के एक अन्य कारक के रूप में पेश नहीं किया जा सकता है।

xxxiv. निम्नलिखित मापदंडों पर आयातों का नकारात्मक प्रभाव पड़ा है: उत्पादन, क्षमता, उत्पादन, मालसूची और मांग में बाजार हिस्सा, लाभप्रदता, पीबीआईटी, नकद लाभ और आरओआई।

xxxv. कानून में यह अपेक्षित नहीं है कि जहां तक याचिकाकर्ता के उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्राका संबंध है उनमें गिरावट काफी अधिक होनी चाहिए।

79. घरेलू उद्योग ने कारणात्मक संबंध के बारे में निम्नानुसार अनुरोध किए हैं :

- संबद्ध देशों से इतर देशों से आयात उच्चतर कीमतों पर नहीं हैं।
- जॉच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की मांग काफी अधिक है और इसलिए वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं है।
- अन्य ज्ञात कारक अर्थात् कंपनी का निर्यात निष्पादन, प्रौद्योगिकी, अन्य उत्पादों का कार्यनिष्पादन, पाटनरोधी करार या नियमावली में सूचीबद्ध व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

- iv. कीमत कटौती पाटित आयातों के कारण हो रही है जिससे घरेलू उद्योग उचित कीमत प्रभारित नहीं कर पा रहा है।
- v. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कीमत हासकारी प्रभाव के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटा हुआ है।
- vi. भारतीय वित्तीय घाटों के कारण नियोजित पूँजी पर आय और नकद लाभ में विकृति आई है।
- vii. घरेलू उद्योग का विकास कीमत संबंधी अनेक मापदंडों के अनुसार नकारात्मक है।
- viii. संबद्ध देशों से आयातों का बाजार हिस्सा मांग में गिरावट के बावजूद काफी उच्च स्तर पर रहा है।
- ix. घरेलू उद्योग पाटित आयातों के कारण उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा के वांछित स्तर को प्राप्त नहीं कर पा रहा है।
- x. जब उत्पादन कम भी है, तो भी याचिकाकर्ता की मालसूची बढ़ रही है।

अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध

80. वर्तमान जॉच की प्रक्रिया के दौरान अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए क्षति से संबंधित अनुरोध निम्नानुसार हैं :

- i. प्रतिवादी वास्तविक मात्रा संबंधी मापदंडों के बिना प्रभावी टिप्पणियां करने में असमर्थ हैं।
- ii. क्षमता में कमी भारत में मांग में कमी से अधिक है। परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट तेजी से हुई जिससे भारत में मांग आपूर्ति के बीच अंतर हो गया। सावर्जनिक सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता इसे स्पष्ट नहीं कर पाया था।
- iii. यद्यपि क्षमता में कमी हुई तथापि याचिकाकर्ता का क्षमता उपयोग काफी अधिक रहा और वह पीओआई (वार्षिकीकृत) के दौरान 90 प्रतिशत था।
- iv. याचिकाकर्ता ने घरेलू बाजार के बजाय निर्यातों पर ध्यान केन्द्रित किया और पूरी क्षति अवधि के दौरान निर्यात बिक्रियों में वृद्धि हुई।
- v. विभिन्न उत्पादों अर्थात प्लेटों, टम्बलर और मांग का उत्पादन चक्र समय अलग-अलग है। याचिकाकर्ता को स्पष्ट करना चाहिए कि उन्होंने क्षमता ज्ञात करने के लिए इस समय चक्र पर कैसे विचार किया है।
- vi. घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।
- vii. एनएसआर को कृत्रिम रूप से बढ़ाया गया है ताकि चीन जन. गण से पंहुच मूल्य के रूप में कीमत कटौती को क्षति अवधि के दौरान बढ़ता हुआ दर्शाया जाए। निर्दिष्ट प्राधिकारी को इसकी गहन जॉच करनी चाहिए।
- viii. याचिकाकर्ता ने किसी क्षति मार्जिन या कम कीमत पर बिक्री का दावा नहीं किया है जिसका अर्थ है कि घरेलू उद्योग ने यह मान लिया है कि कम कीमत पर कोई बिक्री नहीं हुई है। वर्तमान जॉच को तुरंत समाप्त कर देना चाहिए।
- ix. यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा क्षति मार्जिन की गणना की गई तो वह उचित ढंग से की जानी चाहिए।

- x. याचिकाकर्ता द्वारा 2015 में एक उद्धरण प्राप्त हुआ और उसमें काफी कीमत उद्धरित की गई।
- xi. याचिकाकर्ता को ऐसी कम कीमत उद्धरित करने से पहले अपनी उत्पादन लागत और लाभ पर विचार करना चाहिए था। तथापि याचिका में उत्पादन की उच्च लागत दर्शाई गई है।
- xii. गैस और क्वार्टज संबद्ध वस्तु के विनिर्माण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गेल से गैस की कीमतें और भारतीय आपूर्तिकर्ता से क्वार्टज की कीमतें गोपनीय आधार पर दी गई उन पर एनआईपी के परिकलन में विचार किया जाए।
- xiii. याचिकाकर्ता को निर्यातों के लिए उत्पादन की कम लागत और याचिका में घरेलू बिक्री के लिए उच्चतर उत्पादन लागत पर विचार करना चाहिए।
- xiv. 2013-14 से 2014-15 तक आयातों में 5476 एमटी तक और 2014-15 से पीओआई वार्षिकीकृत तक 4670 एमटी की वृद्धि हुई। तथापि प्रति एमटी लाभप्रदता में उसी अवधि के दौरान क्रमशः 116 सूचीबद्ध प्वाइंट और 716 प्वाइंट का सुधार हुआ। इस प्रकार समान रूक्षान से घरेलू उद्योग द्वारा दावा किए गए कारणात्मक संबंध पर संदेह होता है।
- xv. याचिकाकर्ता का लाभ/(हानि) का दावा उसकी वार्षिक रिपोर्ट से मेल नहीं खाता है। एआर के अनुसार घाटों में कमी आई है। तथापि याचिका के अनुसार घाटों में लगभग 10 गुना वृद्धि हुई है।
- xvi. याचिकाकर्ता 2005-06 के बाद से कभी भी लाभ में नहीं रहा है और प्रत्येक वर्ष अपने घाटों को आगे ले जा रहा है।
- xvii. याचिकाकर्ता के स्थिर व्यय समान रहे हैं या 2005-06 के बाद से कम हुए हैं क्योंकि ग्लास डिविजन की क्षमता और उत्पादन में कमी आई है।
- xviii. याचिकाकर्ता ने क्षति अवधि के दौरान अपनी क्षमता को कम किया है। परंतु याचिकाकर्ता को स्पष्ट करना चाहिए कि उसी अवधि के दौरान उसकी नियोजित पूंजी में कमी क्यों नहीं आई।
- xix. क्षति अवधि के दौरान क्षमता में कमी के आलोक में, याचिकाकर्ता को स्पष्ट करना चाहिए कि ग्लास डिविजन में सेगमेंट आस्तियों में 2014-15, 2015-16 और 2016-17 के वार्षिक प्रतिवेदन के अनुसार वृद्धि कैसे हुई है।
- xx. निश्चित रूप से अन्य कारक हैं जो 2005-06 से याचिकाकर्ता के घाटों को बढ़ा रहे हैं जिनकी जाँच की जानी चाहिए।
- xxi. निर्यातों में हुए घाटों के कारण क्षति को घरेलू उद्योग की क्षति नहीं माना जाना चाहिए।
- xxii. याचिकाकर्ता को क्षति स्वयं पहुंचाई गई है क्योंकि घरेलू बाजार में जानबूझकर कम कीमत पर बिक्री की गई है। कोई कीमत कटौती नहीं हुई है। हमारी बाजार आसूचना से पता चलता है कि याचिकाकर्ता की कीमतें क्षति अवधि के दौरान काफी कम रही थीं जो संबद्ध वस्तु के पंहुच मूल्य से भी कम थीं।
- xxiii. घरेलू बाजार में याचिकाकर्ता की कीमतें पीओआई के दौरान याचिका में दावा की गई याचिकाकर्ता की निवल बिक्री प्राप्ति से काफी कम हैं।

xxiv. याचिकाकर्ता की उत्पादन लागत अन्य पूर्वी एशियाई देशों की तुलना में असामान्य रूप से अधिक है जिसकी तुलना सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना से की जा सकती है, जो कथित घाटों का कारण हो सकती है और ऐसे घाटों के लिए आयातों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

xxv. आयातों की पंहुच कीमत पूरी क्षति अवधि के दौरान बढ़ती रही है। संबंधित घरेलू उत्पादक बिल्कुल भी प्रतिस्पर्धी नहीं हैं क्योंकि उनकी उत्पादन लागत अंतर्राष्ट्रीय स्तरों से स्पष्ट रूप से काफी अधिक है।

xxvi. कीमत में वृद्धि के साथ आयातों में वृद्धि आयातों और कथित क्षति के बीच विपरीत संबंध को दर्शाती है।

xxvii. उत्पाद को केवल उसकी लागत और कीमत के आधार पर नहीं बेचा गया है। ग्राहक उन विशेषताओं के बारे में सजग हैं जिनकी उनहें तलाश है और डीआई ऐसी जरूरतों को पूरा नहीं कर सकता है।

xxviii. डीआई कच्ची सामग्रियों अर्थात् पीओआई के दौरान सोडा ऐश की लागत में भारी वृद्धि के बारे में मौन है और यह दर्शाया नहीं गया है कि कच्ची सामग्री की कीमतों में ऐसी वृद्धि से कैसे डीआई की लाभप्रदता में कमी नहीं आई है।

xxix. लाभ में कथित कमी कच्ची सामग्री की लागत में असामान्य वृद्धि के कारण हुई है और यथा आरोपित आयातों की मात्रा और कीमत में वृद्धि के कारण नहीं।

xxx. घरेलू उद्योग को क्षति कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि और उपभोक्ता की पसंद को पूरा नहीं करने की अक्षमता के कारण हुई है।

xxxi. केवल आयातों में वृद्धि और कीमत कटौती की मौजूदगी क्षति निर्धारण के लिए पर्याप्त नहीं है। बल्कि आयातों से घरेलू उद्योगपर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

xxxii. डीजीएडी के आवेदन प्रपत्र में विनिर्दिष्ट है कि जहां तक याचिकाकर्ता के उत्पादन, क्षमता उपयोग और विक्री मात्रा का संबंध है गिरावट काफी अधिक होनी चाहिए।

xxxiii. जहां कीमत में संगत वृद्धि के साथ आयातों और बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है उसके बाद आयातों और घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में ऐसी वृद्धि के बीच स्पष्ट विपरीत संबंध हैं।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

81. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों को नोट किया है और प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुसार घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की जाँच की है और हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार किया है।

संचयी मूल्यांकन

82. संचयी आकलन के संबंध में नियमावली के अनुबंध- ॥ के पैरा (iii) में उपबंध है कि ऐसे मामलों में जहां एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात के साथ-साथ पाटनरोधी जाँच की जा रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि:

(क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत से कम है वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयात के साथ सबसे अधिक बनता है; तथा

(ख) आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

83. प्राधिकारी नोट करते हैं कि :

क. संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तु पाटित की जा रही है। संबद्ध देशों में से प्रत्येक से पाटन का मार्जिन नियमावली के अधीन विहित न्यूनतम सीमा से अधिक है।

ख. संबद्ध देशों में से प्रत्येक से आयात की मात्रा अलग-अलग आयातों की कुल मात्रा के 3 प्रतिशत से अधिक है।

ग. आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उचित है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात न के केवल सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा बेची जाने वाली समान वस्तु से भी प्रतिस्पर्धा करते हैं।

84. उक्त के मद्देनजर प्राधिकारी संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के निर्यातों से संचयी रूप से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का आकलन करना उचित समझते हैं।

85. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11-में किसी क्षति के निर्धारण में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में ... "पाटित आयातों की मात्राबाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव समान वस्तुओं के लिए घरेलू, और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों "... भाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करने समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या एसे आयातों के प्रभाव से की कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के दलिल उत्पा, क्षमता उपयोग, विक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल विक्री वसूली, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन आदि जैसे उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले कारकों पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 2-के अनुसार विचार किया गया है।

86. घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा जांच की प्रक्रिया के दौरान क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में किए गए अनुरोधों और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए अनुरोधों की नीचे जांच और समाधान किया गया है।

च. II. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

(क) मांग/स्पष्ट खपत का आकलन

87. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ भारत में उत्पाद की मांग या स्पष्ट खपत पर भारतीय उत्पादकों की घरेलू विक्रियों और सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में विचार किया है। इस प्रकार आकलित मांग में पूरी क्षति अवधि के दौरान कमी आई है जैसा नीचे तालिका में दर्शाया गया है :

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई वार्षिकीकृत	पीओआई
घरेलू उद्योग की विक्रियां	एमटी	***	***	***	***	***
रुझान	सूचीबद्ध	100	62	54	17	17
अन्य भारतीय उत्पादक की विक्रियां	एमटी	***	***	***	***	***
रुझान	सूचीबद्ध	100	62	54	17	17
भारत में आयात	एमटी	20,723	21,420	28,033	32,078	48,117
चीन	एमटी	8,674	10,119	15,546	21,064	31,596

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई वार्षिकीकृत	पीओआई
----पाटित	एमटी	8,674	10,119	15,546	20,491	30,736
----अपाटित	एमटी	0	0	0	573	860
इंडोनेशिया	एमटी	3,020	3,635	3,584	2,736	4,103
कुल संबद्ध देश	एमटी	11,694	13,754	19,130	23,800	35,699
अन्य देश	एमटी	9,029	7,667	8,903	8,278	12,417
भारत में कुल मांग	एमटी	38,997	32,747	37,831	35,166	52,750

(ख) समग्र और सापेक्ष रूप से संबद्ध देशों से आयात मात्राएं

88. पाटित आयातों के मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की आयात मात्रा का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है:

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई वार्षिकीकृत	पीओआई
समग्र रूप से आयात						
चीन	एमटी	8,674	10,119	15,546	21,064	31,596
----पाटित	एमटी	8,674	10,119	15,546	20,491	30,736
----अपाटित	एमटी	0	0	0	573	860
इंडोनेशिया	एमटी	3,020	3,635	3,584	2,736	4,103
कुल संबद्ध देश	एमटी	11,694	13,754	19,130	23,800	35,699
अन्य देश	एमटी	9,029	7,667	8,903	8,278	12,417
कुल आयात	एमटी	20,723	21,420	28,033	32,078	48,117
सापेक्ष रूप से आयात						
उत्पादन में संबद्ध आयातों का हिस्सा	%	***	***	***	***	***
रुझान	सूचीबद्ध	100	197	320	557	557
घरेलू बिक्रियों में संबद्ध आयातों का हिस्सा	%	***	***	***	***	***
रुझान	सूचीबद्ध	100	140	169	226	226

89. यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में पूरी क्षति अवधि के दौरान समग्र रूप से वृद्धि हुई है।

(ग) कुल आयातों में संबद्ध आयातों का हिस्सा

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई वार्षिकीकृत	पीओआई
चीन	%	41.86	47.24	55.46	65.67	65.67

इंडोनेशिया	%	14.57	16.97	12.79	8.53	8.53
कुल संबद्ध देश	%	56.43	64.21	68.24	74.19	74.19
अन्य देश	%	43.57	35.79	31.76	25.81	25.81
कुल आयात	%	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00

90. यह देखा जाता है कि भारत में विचाराधीन उत्पाद के कुल आयातों में संबद्ध देशों से पाठित आयातों के हिस्से में पूरी क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। कुल आयातों में संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा जाँच अवधि के दौरान लगभग 75 प्रतिशत रहा है।

(घ) मांग में बाजार हिस्सा

91. विभिन्न स्रोतों से आयातों और घरेलू उद्योग की बिक्रियों पर विचार करते हुए, भारत में मांग में संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से की जाँच की गई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में पूरी क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है और वे भारतीय मांग में एक बड़ा हिस्सा रखते हैं।

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई वार्षिकीकृत	पीओआई
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***	***
रुक्षान	सूचीबद्ध	100	74	55	19	19
अन्य भारतीय उत्पादक	%	***	***	***	***	***
रुक्षान	सूचीबद्ध	100	74	55	19	19
कुल आयात	%	53.14	65.41	74.10	91.22	91.22
चीन	%	22.24	30.90	41.09	59.90	59.90
----पाठित	%	22.24	30.90	41.09	58.22	58.22
----अपाठित	%	0	0	0	1.68	1.68
इंडोनेशिया	%	7.74	11.10	9.47	7.78	7.78
कुल संबद्ध देश	%	29.99	42.00	50.57	67.68	67.68
अन्य देश	%	23.15	23.41	23.53	23.54	23.54
भारत में मांग	%	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00

ज. घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों का कीमत प्रभाव

92. कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव के संबंध में, इस बात का विश्लेषण करना अपेक्षित है कि क्या पाठित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमत को काफी अधिक कम करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी उच्च स्तर तक बढ़ गई होती। घरेलू उद्योग की कीमतों पर संबद्ध देशों से पाठित आयातों के प्रभाव की जाँच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस

विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की भारित औसत पहुंच लागत के साथ की गई है।

क) कीमत कटौती

93. कीमत कटौती विश्लेषण के प्रयोजनार्थ, संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ की गई है। घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत की गणना करते समय सभी करों, छूटों, बट्टों और कमीशन को घटाया गया है और पाटित आयातों के पहुंच मूल्य से तुलना के लिए कारखाना द्वारा बिक्री प्राप्ति निर्धारित की गई है। तदनुसार, संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कटौती प्रभाव निम्नानुसार ज्ञात किए गए हैं :

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./एमटी	***	***	***	***
संबद्ध देश					
आयातों की पहुंच कीमत	रु./एमटी	54,726	56,462	58,224	60,922
कीमत कटौती	रु./एमटी	***	***	***	***
कीमत कटौती %	%	***	***	***	***
कीमत कटौती % (रेंज)	% रेंज	0-10	5-15	10-20	0-10
चीन जन. गण.					
आयातों की पहुंच कीमत	रु./एमटी	58,253	62,522	62,452	63,267
कीमत कटौती	रु./एमटी	***	***	***	***
कीमत कटौती %	%	***	***	***	***
कीमत कटौती % (रेंज)	% रेंज	ऋणात्मक	ऋणात्मक	5-15	ऋणात्मक
इंडोनेशिया					
आयातों की पहुंच कीमत	रु./एमटी	44,595	39,590	39,885	42,858
कीमत कटौती	रु./एमटी	***	***	***	***
कीमत कटौती %	%	***	***	***	***
कीमत कटौती % (रेंज)	% रेंज	20-30	30-40	40-50	30-40

ख) कीमत ह्वास और न्यूनीकरण

94. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयातों से घरेलू कीमतों में ह्वास या न्यूनीकरण हो रहा है और क्या ऐसे आयातों कीमत में भारी कमी की गई है अथवा वह कीमत वृद्धि रुकी है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती, क्षति अवधि के दौरान लागत और कीमतों में परिवर्तनों पर विचार किया है और निम्नानुसार तुलना की है :

विवरण	यूओएम	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
बिक्री लागत	रु./एमटी	***	***	***	***
रुक्षान	सूचीबद्ध	100	128	133	141
बिक्री कीमत	रु./एमटी	***	***	***	***

रुक्षान	सूचीबद्ध	100	108	122	109
पंहुच कीमत – संबद्ध देश	रु./एमटी	54,726	56,462	58,224	60,922
रुक्षान	सूचीबद्ध	100	103	106	111

95. उक्त से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत पूरी क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लागत से काफी कम रही है। संबद्ध देशों से आयातों की पंहुच कीमत में पूरी क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। तथापि, संबद्ध देशों से निर्यातक संबद्ध वस्तु को पूरी क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की लागत और बिक्री कीमत से कम पर बेच रहे हैं।

96. यद्यपि लागत में 71 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है, तथापि बिक्री कीमत और पंहुच कीमत में क्रमशः 14 प्रतिशत और 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस प्रकार, बिक्री कीमत उत्पादन लागत से काफी कम रही है और आयातों की पंहुच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम रहे हैं। इसलिए यह देखा जाता है कि आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का ह्रास हो रहा था।

ग) कम कीमत पर बिक्री

97. घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत (एनआईपी)निर्धारित की गई है और कम कीमत पर बिक्री की मात्रा जानने के लिए उसकी तुलना पंहुच मूल्य के साथ की गई है। विचाराधीन उत्पाद की एनआईपी को जाँच अवधि के लिए उत्पादन लागत से संबंधित सत्यापित सूचना/आकड़ों को अपनाकर निर्धारित किया गया है। चूंकि याचिकाकर्ता ने 2014 में ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है इसलिए घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग और उत्पादन के वास्तविक स्तर को नहीं देखा गया है और एनआईपी को संयंत्र में याचिकाकर्ता द्वारा 100 प्रतिशत के क्षमता उपयोग के ईष्टतम स्तर पर विचार करते हुए निर्धारित किया गया है। इसके अलावा कच्ची सामग्रियों और सुविधाओं के वास्तविक स्तर पर घरेलू उद्योग के उत्पाद के लिए ईष्टतम मानकों के रूप में विचार किया गया है। विश्लेषण से पता चलता है कि जाँच अवधि के दौरान संबद्ध आयातों की पंहुच कीमत घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से कम रही थी जैसा नीचे तालिका से देखा जा सकता है जिसमें सकारात्मक कम कीमत पर बिक्री दर्शाई गई है :

विवरण	इकाई	पीओआई	
		चीन	इंडोनेशिया
क्षतिरहित कीमत	रु./एमटी	***	***
पंहुच मूल्य	रु./एमटी	63,267	42,858
कम कीमत पर बिक्री	रु./एमटी	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***
कम कीमत पर बिक्री	% रेंज	0-10	45-55

ज्ञ. घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

98. पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-1। में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। पाटनरोधी नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक मापदंडों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की

मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

99. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षों द्वारा उनके अनुरोधों में दिए गए विभिन्न तथ्यों और तर्कों पर विचार करते हुए क्षति संबंधी मापदंडों की वस्तुनिष्ठ ढग से जाँच की है।

(क) उत्पादन, क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग और बिक्रियां

100. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों की मात्रा निम्नानुसार दी गई हैं :-

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई वार्षिकीकृत	पीओआई
प्राप्त क्षमता	एमटी	***	***	***	***	***
रुक्षान	सूचीबद्ध	100	100	61	64	64
उत्पादन	एमटी	***	***	***	***	***
रुक्षान	सूचीबद्ध	100	60	51	37	37
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***	***
रुक्षान	सूचीबद्ध	100	74	84	82	82
घरेलू बिक्रियां	एमटी	***	***	***	***	***
रुक्षान	सूचीबद्ध	100	62	54	17	17
औसत स्टाक	एमटी	***	***	***	***	***
रुक्षान	सूचीबद्ध	100	105	103	118	118

101. यह नोट किया जाता है कि -

(क) 'क्षमता उपयोग' की गणना के लिए उपरोक्त तालिका में, संपूर्ण उत्पादन डेटा, अर्थात्, विषय वस्तु के साथ-साथ वर्तमान जांच के तहत उत्पादन होने पर उपयुक्त लागत आवंटन के लिए विचार किया गया है। हालांकि, इस तालिका में 'उत्पादन' विषय वस्तु के उत्पादन से संबंधित है।

(ख) संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने की याचिकाकर्ता की क्षमता क्षति अवधि के दौरान कम हुई है। याचिकाकर्ता को कमतर क्षमता की अपनी फर्नेस को बदलना पड़ा क्योंकि वह भारतीय बाजार में पाटित उत्पादों से प्रतिस्पर्धा करने में समर्थ नहीं था।

(ग) परिणामस्वरूप, उत्पादन और घरेलू बिक्री पूरी क्षति अवधि के दौरान कम हुई है।

(घ) घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग में 2013-14 में गिरावट आई और बाद में पीओआई तक वृद्धि हुई परंतु ऐसा क्षमता में कमी करने के कारण हुआ था।

(ङ) क्षमता में गिरावट के बावजूद क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूची में वृद्धि हुई।

(ख) लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकद लाभ

102. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, निवेश पर आय और नकद लाभ नीचे तालिका में दिए गए हैं:

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई वार्षिकीकृत	पीओआई
बिक्री लागत	एमटी	***	***	***	***	***
रुक्षान	सूचीबद्ध	100	128	133	141	141
बिक्री कीमत	एमटी	***	***	***	***	***
रुक्षान	सूचीबद्ध	100	108	122	109	109
लाभ/हानि	एमटी	***	***	***	***	***
रुक्षान	सूचीबद्ध	(100)	(398)	(279)	(560)	(560)
नकद लाभ	लाख रु.	***	***	***	***	***
रुक्षान	सूचीबद्ध	(100)	(358)	(219)	(123)	(123)
पीबीआईटी	लाख रु.	***	***	***	***	***
रुक्षान	सूचीबद्ध	(100)	(426)	(143)	(166)	(166)
आरओसीई	%	***	***	***	***	***
रुक्षान	सूचीबद्ध	(100)	(347)	(145)	(257)	(257)

103. यह नोट किया जाता है :

क) याचिकाकर्ता को पूरी क्षति अवधि के दौरान वित्तीय घाटे उठाने पड़े हैं। क्षति अवधि के दौरान घाटों में वृद्धि हुई है।

ख) घरेलू उद्योग कृष्णात्मक व्याज पूर्व लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभ ज्ञेल रहा है। नकद घाटे और कृष्णात्मक आरओआई की मात्रा काफी अधिक है।

(ग) मांग में बाजार हिस्सा

104. विचाराधीन उत्पाद के लिए मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा नीचे तालिका में दिया गया है :

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई वार्षिकीकृत	पीओआई
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***	***
रुक्षान	सूचीबद्ध	100	74	55	19	19
अन्य भारतीय उत्पादक	%	***	***	***	***	***
रुक्षान	सूचीबद्ध	100	74	55	19	19
कुल आयात	%	53.14	65.41	74.10	91.22	91.22
चीन	%	22.24	30.90	41.09	59.90	59.90
---पाटित	%	22.24	30.90	41.09	58.22	58.22
---अपाटित	%	0	0	0	1.68	1.68
इंडोनेशिया	%	7.74	11.10	9.47	7.78	7.78
कुल संबद्ध देश	%	29.99	42.00	50.57	67.68	67.68

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई वार्षिकीकृत	पीओआई
अन्य देश	%	23.15	23.41	23.53	23.54	23.54
भारत में मांग	%	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00

105. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में पूरी क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है और वह (i) घरेलू उद्योग द्वारा सूजित की गई क्षमताओं और (ii) संबद्ध आयातों द्वारा धारित बाजार हिस्से की तुलना में काफी कम है।

(घ) रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

106. क्षति अवधि के दौरान रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी नीचे तालिका में दिए गए हैं :

विवरण	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई वार्षिकीकृत	पीओआई
कर्मचारी	सं.	***	***	***	***	***
रुक्कान	सूचीबद्ध	100	98	90	64	64
मजदूरी	लाख रूपये	***	***	***	***	***
रुक्कान	सूचीबद्ध	100	96	102	54	54
उत्पादकता/दिन	एमटी/दिन	***	***	***	***	***
रुक्कान	सूचीबद्ध	100	61	57	58	58
उत्पादकता/कर्मचारी	एमटी/सं.	***	***	***	***	***
रुक्कान	सूचीबद्ध	100	60	84	49	49

107. यह देखा गया है कि रोजगार के स्तर में पूरी क्षति अवधि के दौरान कमी आई है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त मजदूरी में भी कमी आई है। घरेलू उद्योग की उत्पादकता में इस अवधि के दौरान कमी आई है।

(इ) वृद्धि

108. घरेलू उद्योग की वृद्धि मात्रा और कीमत मापदंडों दोनों में प्रतिकूल रही है जैसा नीचे तालिका से देखा जा सकता है :

वृद्धि	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई वार्षिकीकृत	पीओआई
उत्पादन	%	-	(40.37)	(14.19)	(28.60)	(28.60)
घरेलू बिक्रियां	%	-	(38.02)	(13.49)	(68.48)	(68.48)
क्षमता उपयोग	%	-	(25.87)	12.93	(2.20)	(2.20)
औसत मालसूची	%	-	5.19	(2.29)	15.06	15.06
नकद लाभ	%	-	257.84	(38.80)	(43.63)	(43.63)
पीबीआईटी	%	-	326.24	66.54	(16.54)	(16.54)

वृद्धि	इकाई	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई वार्षिकीकृत	पीओआई
घरेलू बिक्री कीमत	%	-	7.58	13.67	(10.93)	(10.93)
घरेलू लाभ/हानि	%	-	298.19	29.99	(100.86)	(100.86)
नियोजित पूंजी पर आय	%	-	(247.37)	58.23	(77.37)	(77.37)

(च) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

109. पाटन के कारण घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता बाधित हुई है जैसा इस तथ्य से देखा जा सकता है कि उसे पाटित आयातों की माजूदगी के कारण अपनी क्षमता को कम करना पड़ा है।

(छ) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

110. घरेलू उद्योग की कीमतों के लिए बेंचमार्क संबद्ध देशों से आयात कीमतें हैं। घरेलू उद्योग की कीमतों के लिए उत्तरदायी एकमात्र कारक संबद्ध देशों से उत्पाद की आयात कीमतें और घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत है।

(ज) पाटन मार्जिन की मात्रा

111. संबद्ध देशों से पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक है बल्कि यह बहुत अधिक भी है। घरेलू उद्योग पर पाटन का प्रभाव काफी अधिक है।

अ. क्षति संबंधी निष्कर्ष

112. उक्त विश्लेषण से अनन्य रूप से घरेलू उद्योग पर संबद्ध आयातों के बुरे प्रभावों का पता चलता है। घरेलू उद्योग को मात्रा और कीमत दोनों क्षति हुई है। घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, मालसूची, घाटे, व्याज पूर्व लाभ, नकद लाभ, नियोजित पूंजी पर आय और वृद्धि जैसे मापदंडों के संबंध में विकृति आई है। भारतीय मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा आधार वर्ष में 36 प्रतिशत की तुलना में पीओआई में 7 प्रतिशत रह गया है, जिससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि घरेलू बाजार भारी पाटित आयातों से भरा पड़ा है। यह तथ्य कि 67 प्रतिशत बाजार हिस्सा पीओआई के दौरान पाटित आयातों के पास होना ग्लासवेयर की स्थिति को दर्शाता है और इससे यह भी पता चलता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू करना क्यों काफी महत्वपूर्ण है।

113. प्राधिकारी ने क्षति संबंधी सभी मापदंडों पर विचार किया है और उसके बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि घरेलू उद्योग को पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

ट. क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

114. प्राधिकारी ने यथा संशोधित अनुबंध III के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत निर्धारित की है। विचाराधीन उत्पाद की एनआईपी को जाँच

अवधि के लिए उत्पादन लागत से संबंधित सत्यापित सूचना/आकड़ों को अपनाकर निर्धारित किया गया है। घरेलू उद्योग की एनआईपी संयंत्र वार निर्धारित की गई है और तदनुसार भारित औसत एनआईपी पर क्षति मार्जिन की गणना के लिए संबद्ध देशों में से प्रत्येक से पंहुच कीमत से तुलना के लिए विचार किया गया है। एनआईपी निर्धारित करने के लिए क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा कञ्ची सामग्री के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। यही व्यवहार सुविधाओं के साथ किया गया है। क्षति अवधि के दौरान उत्पादन क्षमताओं के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। पीओआई में उत्पादन सर्वोत्तम क्षमता उपयोग पर विचार करते हुए परिकलित किया गया है और प्रति इकाई स्थिर लागत ज्ञात करने के लिए उसी उत्पादन पर विचार किया गया है। हय सुनिश्चित किया गया है कि उत्पादन लागत में कोई असाधारण या अनावर्ती व्यय प्रभारित न किया जाए। विचाराधीन के लिए नियोजित औसत पूंजी पर तर्कसंगत आय (कर-पूर्व 22 प्रतिशत की दर से) (अर्थात औसत कार्यशील पूंजी जमा औसत निवल स्थिर परिसम्पत्ति) की अनुमति दी गई है क्योंकि अनुबंध ।।। में यथा विहित कर-पूर्व लाभ ज्ञात की गई और उसका पालन किया जा रहा है। इस प्रकार निर्धारित क्षतिरहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पंहुच कीमत के साथ क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए निम्नानुसार की गई है :

क्र.सं.	देश	उत्पादक	नियर्तक	क्षति रहित कीमत अमरीकी डालर प्रति मी.टन	पंहुच मूल्य अमरीकी डालर प्रति मी.टन	क्षति मार्जिन अमरीकी डालर प्रति मी.टन	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन % रेंज
1	चीन जन. गण.	अनहुइ जिनमिन ग्लास प्रोडक्ट्स कं. लि.	अनहुइ जिनमिन ग्लास प्रोडक्ट्स कं. लि.	***	***	***	***	0-10
2	चीन जन. गण.	अनहुइ कंगताई ग्लासवेयर टेक्नोलॉजी कं.	अनहुइ कंगताई ग्लासवेयर टेक्नोलॉजी कं.	***	***	***	***	0-10
3	चीन जन. गण.	शनडोंग फुलांग ग्लास टेक्नोलॉजी कं.	शनडोंग फुलांग ग्लास टेक्नोलॉजी कं.	***	***	***	***	ऋणात्मक
4	चीन जन. गण.	शनडोंग फुलांग ग्लास टेक्नोलॉजी कं.	किंगडाओ जैमी इंप एंड एक्स. कं.	***	***	***	***	ऋणात्मक
5	चीन जन. गण.	अनहुइ डेली हाउसहोल्ड ग्लास कं.	अनहुइ डेली हाउसहोल्ड ग्लास कं.	***	***	***	***	0-10
6	चीन जन. गण.	अन्य	अन्य	***	***	***	***	15-25
7	इंडोनेशिया	कोई	कोई	***	***	***	***	45-55

ठ. कारणात्मक संबंध और अन्य कारक

115. वास्तविक क्षति, घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के मात्रा और कीमत प्रभावों की कम कीमत पर बिक्री और कीमत हास और न्यूनीकरण प्रभावों के रूप में मौजूदगी की जाँच करने के बाद, भारतीय नियमावली और पाटनरोधी करार के अधीन सूचीबद्ध अन्य संकेतात्मक मापदंडों की प्राधिकारी द्वारा यह देखने के लिए जाँच की गई है कि क्या पाटित आयातों से इतर किसी अन्य कारक से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। तदनुसार, निम्नलिखित मापदंडों की जाँच की गई है :

(i) **संबद्ध देश से इतर देशों से आयातों की मात्रा और मूल्य** - संबद्ध देशों से इतर अन्य देशों से संबद्ध वस्तु के आयात मात्रा के अनुसार पर्याप्त नहीं हैं और न्यूनतम सीमा से कम या उच्च कीमतों पर रहे हैं। तीसरे देशों से आयात घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं हैं।

(ii) **मांग में संकुचन और खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन** - प्राधिकारी नोट करते हैं कि देश में संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि के बावजूद, घरेलू उद्योग अप्रयुक्त क्षमता से ग्रस्त है। इसके अलावा, बाजार में खपत की प्रवृत्ति में भी ऐसा कोई परिवर्तन नहीं हुआ है जिससे घरेलू उद्योग प्रतिकूलतः प्रभावित हो। मांग में संभावित संकुचन और खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माने जा सकते हैं।

(iii) **प्रौद्योगिकी में विकास** - किसी भी हितबद्धपक्ष ने प्रौद्योगिकी में विकास का ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो। याचिकाकर्ता ने पीयूसी के उत्पादन के लिए एक नया संयंत्र स्थापित किया है और इस बात का कोई साक्ष्य नहीं है कि याचिकाकर्ता द्वारा अपनाई जाने वाली प्रौद्योगिकी घरेलू उद्योग कोई हुई क्षति का कारण हो।

(iv) **व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विभिन्न स्रोतों से आपूर्ति के बीच प्रतिस्पर्धा** - प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु भारत में किसी व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा से प्रभावित नहीं है। इसके अलावा किसी बाजार अर्थव्यवस्था में स्वभाविक प्रतिस्पर्धा के अलावा, कोई परस्पर प्रतिस्पर्धा या विभिन्न घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्रोतों से आपूर्तिओं के बीच ऐसा कोई प्रभाव नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

(v) **निर्यात कार्यनिष्पादन** - घरेलू उद्योग का कोई खास निर्यात कार्यनिष्पादन नहीं है। फिर भी घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन को घरेलू और निर्यात बाजारों के लिए अलग-अलग किया गया है। अतः, निर्यात कार्यनिष्पादन में कोई संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं है।

116. कारणात्मक संबंध सिद्ध करने वाले कारक :

- पाटित आयातों द्वारा की गई कीमत कटौती से घरेलू उद्योग उचित कीमत प्रभारित/प्राप्त नहीं कर पा रहा है।
- संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कीमत हासकारी प्रभाव के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटा हुआ है।
- भारी वित्तीय घाटों के कारण नियोजित पूंजी पर आय और नकद लाभ में कमी आई है।
- घरेलू उद्योग की वृद्धि मात्रा और कीमत दोनों मापदंडों में क्रृष्णात्मक रही है।
- मांग में गिरावट के बावजूद संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है और यह काफी उच्च स्तर पर बने रहे हैं।
- क्षमता में गिरावट होने पर भी, याचिकाकर्ता की मालसूची में वृद्धि होती जा रही है।
- प्रकटन विवरण पश्चात हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**
घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

117. घरेलू उद्योग ने प्रकटन के बाद के अनुरोधों में निम्नानुसार बताया है। संक्षेप के लिए घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों को पूर्ववर्ती अनुरोधों के दोहराव की सीमा और उन पर पहले विचार किए जाने के कारण उन्हें यहां पुनः नहीं दोहराया गया है :

- क.** निर्यात कीमत के आधार पाटन मार्जिन से संबंधित क्षिप्र अनिवार्य तथ्य प्रतिवादी निर्यातकों, निर्यातकों के सत्यापन और निर्यातकों से पत्राचार के लिए अपनाये गए हैं, अन्य हितबद्ध पक्षों के साथ समस्त पत्राचार सामान्य मूल्य की पद्धति का प्रकटन नहीं किया गया जिसके बारण टिप्पणी करने का कारगर अवसर नहीं मिल सका।
- ख.** कीमत कटौती और क्षति मार्जिन की गणना केवल क्षतिकारी सौदों के आधार पर की जानी चाहिए। यूरोपीय समुदाय के मामले - ब्राजील, कोठरी सुगर्स एंड कैमिकल्स लिमिटेड से मेलेबल कास्ट आयरन थ्यूब या पाइप फिटिंग्स बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी पर पाटनरोधी शुल्क में डब्लूटीओ रिपोर्ट का हवाला दिया है।
- ग.** अनहुइ डेली का पाटन मार्जिन अनहुइ जिनमिन और अनहुइ कंगताई की तुलना में कम है जबकि सभी तीन कंपनियां समान देश में समान प्रदेश से हैं और समान बाजार में समान बेच रही हैं।
- घ.** असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन काफी कम है। आयात आकड़ों से पता चलता है कि विभिन्न आयात सौदों में पाटन और क्षति मार्जिन काफी अलग-अलग है इसलिए विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं द्वारा पाटन और क्षति की अलग मात्रा प्रदर्शित होती है। न्यूनतम आयात सौदे पर विचार करते हुए ऐसा पाटन और क्षति मार्जिन निर्धारित किया जाना चाहिए। यदि यह व्यवहार्य न हो तो कुल आयातों के 5 प्रतिशत से अधिक वाले आयात और जहां आयात कीमतें न्यूनतम हों, उन पर विचार किया जाए।
- ड.** वर्तमान एनआईपी कानून अपने आप में घरेलू उद्योग के अनुचित पाटित आयातों के विरुद्ध संरक्षण की मांग करने के मौलिक अधिकार के विरुद्ध है।
- च.** याचिकाकर्ता ने वेतन, मजदूरी, मूल्यहास, मरम्मत और अनुरक्षण और अन्य व्यय बदलने वाली प्रकृति के होते हैं। याचिकाकर्ता ने इन व्ययों को स्थिर और अस्थिर व्ययों के रूप में अलग किया है। तथापि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इन सभी व्ययों को स्थिर प्रकृति का माना है जिससे क्षतिरहित कीमत कम हो गई है।

निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

118. अन्य हितबद्ध पक्षों ने प्रकटन के बाद के अनुरोधों में निम्नानुसार बताया है। संक्षेप के लिए घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों को पूर्ववर्ती अनुरोधों के दोहराव की सीमा और उन पर पहले विचार किए जाने के कारण उन्हें यहां पुनः नहीं दोहराया गया है :

- क.** 2013-14 में याचिकाकर्ता का प्रमुख निवेश विफल हुआ, जैसे ग्लास मैलिंग फर्नेस के पुनर्निर्माण में विफलता, अलग एम्प्रेशन के लिए केन्द्रीकृत एआर कम्प्रेशर को बदला और मैनुअल को स्वचालित मशीन में बदलना विफल हुआ। इन निवेशों के कारण संयंत्र अपनी उत्पादन क्षमता का ईष्टतम उपयोग नहीं कर पाया जिससे उच्च स्थिर लागते हुईं।
- ख.** इंडोनेशियाई निर्यात भारत में आने वाले कुल आयातों का केवल 8.53 प्रतिशत हैं और भारतीय मांग का 7.72 प्रतिशत हैं। इस प्रकार भारतीय ग्लासवेयर उद्योग को कोई खतरा नहीं है। इसके अलावा, अनुच्छेद 3.2 द्वारा यथा अपेक्षित आयातों में कोई खास वृद्धि नहीं हुई है क्योंकि समग्र और सापेक्ष रूप से आयातों में कमी हुई थी।

ग. इंडोनेशियाई निर्यातिकों ने यथा अपेक्षित सूचना प्रस्तुत की है जिसमें सार्वजनिक सुनवाई के दौरान यथा अपेक्षित सूचना प्रदान करना भी शामिल है। प्रदत्त सूचना को स्वीकार करने का प्राधिकारी के पास कोई कारण नहीं है।

घ. शानडोंग फुलोंग ग्लास टेक्नालाजी कं.लि. और किंडाओ जैमी इंप एंड एक्प कं. लि. को डीजीसीआईएंडएस के आयात आकड़ों और क्षति निर्धारण से बाहर रखा जाना चाहिए और कारणात्मक संबंधी की जाँच केवल शेष डीजीसीआईएंडएस के आयात आकड़ों के लिए की जानी चाहिए। नार्वे से फार्म्ड सालमन पर पाटनरोधी उपाय यूरोपीय समुदाय डब्लूटी/डीएस337/आर, डीजीएडी किलयर फ्लोट ग्लास और अमोनियम नाइट्रेट का संदर्भ लें।

इ. संबद्ध आयातों की मात्रा क्षति अवधि के दौरान निरंतर बढ़ती रही है और कीमत कटौती का स्तर कम हुआ है।

च. चीन से कीमत कटौती के कारण कोई कारणात्मक संबंध पीओआई के दौरान ऋणात्मक है और पीओआई के दौरान जब चीन और संबद्ध देशों से आयात सबसे अधिक थे यह उसी अवधि में था।

छ. घरेलू उद्योग ने अपनी क्षमता कम करने का निर्णय लिया जिसने उत्पादन और घरेलू बिक्रियों को बुरी तरह से प्रभावित किया।

ज. मालसूची बढ़ गई क्योंकि याचिकाकर्ता की गुणवत्ता बाजार में उपलब्ध सामान के समतुल्य नहीं थी।

झ. मै.फर्स्ट नेशनल ग्लासवेयर इंडोनेशिया ने डीजीएडी से समय मांगकर उत्तर प्रस्तुत किया है। उसकी प्रश्नावली का स्वीकार किया जाना चाहिए, क्योंकि वे अनेक संसाधनों के बिना स्थानीय इंडोनेशियाई विनिर्माता हैं।

ज. इंडोनेशियाई निर्यातिक ने पाटनरोधी जाँच का अनुभव नहीं होने के कारण मानक प्रपत्र के अनुसार प्रश्नावली का उत्तर देने में अपनी असमर्थता जताई है।

ट. फर्स्ट नेशनल ग्लासवेयर को जाँच में शामिल करना अनुचित और पक्षपातपूर्ण है।

ठ. पीओआई से पहले और उसके दौरान इंडोनेशिया से आयात का रूज्जान चीन की तुलना में कुछ खास नहीं है। इंडोनेशियाई आयातकों ने भारतीय मांग की तुलना में कम आयात किया है।

ड. नेशनल ग्लास एम्पोरियम आयातक ने अनुरोध किया है परंतु नाम प्रकटन में शामिल नहीं है।

ढ. मै. अनहुइ जिनमिन ग्लास प्राइवेट कं. नि. अब अनहुइ जिनमिन ग्लास कं. लि. है क्योंकि इसका उल्लेख सत्यापन रिपोर्ट में भी किया गया है।

ण. प्राधिकारी ने मै. अनहुइ जिनमिन ग्लास कं. लि. और अनहुइ डेली हाउसहोल्ड ग्लास कं. लि. समेत चीन के उत्पादकों और निर्यातिकों के लिए निवल निर्यात कीमत की गणना करते समय गैर-वापसीयोग्य वैट के लिए समायोजन किए हैं। गैर वापसीयोग्य वैट जैसा कुछ नहीं है वैट संबद्ध उत्पाद के लिए पूर्णतः वापसी योग्य है।

त. संबद्ध वस्तु की प्रति किग्रा. लागत और कीमत में काफी अंतर है। मिश्रण से इतर ऐसे कारक हैं जो उत्पाद की लागत और कीमत निर्णित करते हैं जैसे विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण।

थ. प्राधिकारी को शुल्क स्थिर रूप में लागू करना चाहिए ताकि सह्योगी और असह्योगी निर्यातिकों को अलग अलग शुल्क मिले।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

119. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पक्षकारों द्वारा किए गए अधिकतर निवेदन दोहराए गए हैं और इनका निदान ऊपर पहले से ही कर दिया गया है। इनका निदान प्रकटन विवरण में भी पहले से ही कर दिया गया है उपरोक्त जाँच परिणामों में पक्षकारों के इन तर्कों का निदान कर दिया गया है। लगाए जाने वाले पाटनरोधी शुल्क की प्रकृति के संबंध में यद्यपि प्राधिकारी इस जाँच में संबद्ध देशों से उत्पादकों की भागीदारी की प्रशंसा करते हैं तथापि प्राधिकारी का आशय यह सुनिश्चित करने का है कि केवल वही पाटित आयात जिनसे क्षति हुई है पर पाटनरोधी

शुल्क लगाया जाए और वह भी क्षति की मात्रा के अनुसार। प्राधिकारी का इरादा न तो घरेलू उद्योग को अनावश्यक संरक्षण देने का है और न ही भारत में उपभोक्ताओं द्वारा प्रयुक्त इस वस्तु की लागत बढ़ाने का है।

ण. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

120. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है। तथापि, भारतीय बाजार में अच्छी प्रतिस्पर्द्धा पाटनरोधी उपायों से कम नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय जारी रखने से पाटन परिपाटियों द्वारा लिए गए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग की कमी दूर होगी और संबद्ध सामानों के उपभोक्ताओं को व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में सहायता मिलेगी। उपभोक्ता आज ही दो या उससे अधिक आपूर्ति के स्रोतों को बनाए रख सकते हैं। पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्य रूप में पाटन की अनुचित व्यापार परिपाटियों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति का उन्मूलन करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं स्वच्छ प्रतिस्पर्द्धा की स्थिति पुनः स्थापित हो सके जो कि देश के सामान्य हित में है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों को लागू करने से, संबद्ध देशों से आयात पर किसी भी दशा में प्रतिबंध नहीं लगेगा और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो अथवा उससे अधिक स्रोत बनाए रख सकते हैं।

121. हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए निवेदनों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि:

- (क) विचाराधीन उत्पाद विषयगत देशों से भारत को अपने सामान्य मूल्यों के नीचे निर्यात किया गया है। मैसर्स शेडोंग फुलॉन्ग ग्लास टेक्नोलॉजी कंपनी द्वारा निर्मित विषय वस्तु को छोड़कर
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
- (ग) मैसर्स शेडोंग फुलॉन्ग ग्लास टेक्नोलॉजी कंपनी द्वारा उत्पादित विषय वस्तु को छोड़कर विषय देशों से विषय वस्तु के डंप किए गए आयात के कारण सामग्री की चोट हुई है

त. सिफारिशें

122. चीन और इंडोनेशिया से पाटित आयातों के कारण पाटन और क्षति की संभावना के सकारात्मक निर्धारण को देखते हुए प्राधिकारी की राय है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों पर पाटनरोधी उपाय लागू किया जाना आवश्यक है। प्राधिकारी नीचे उल्लिखित ढंग और तरीके से संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं।

123. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, इनमें से जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके।

तदनुसार, प्राधिकारी संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से पांच (5) वर्षों की अवधि के लिए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित शुल्क तालिका के कॉलम 8 में दर्शाई गई राशि तथा संबद्ध सामानों के बीच अंतर के रूप में लगाने की सिफारिश करते हैं। बशर्ते कि पहुँच मूल्य कॉलम 8 में दर्शाए गए मूल्य से कम हो। इस प्रयोजन के लिए आयात

का पहुँच मूल्य सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1962 के तहत सीमा शुल्क द्वारा निर्धारित मूल्यांकन योग्य मूल्य होगा और सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ब, 9, 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमा शुल्क के लागू स्तर पर होगा।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूलता का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि अम.डा.	माप की यूनिट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	7013 701328 701337 701342 701349 701399	टेबल, रसोई, प्रसाधन, कार्यालय या इनडोर सजावट प्रयोजनों के लिए सभी प्रकार के सोडा लाइम ग्लासवेयर	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	अनहुइ जिनमिन ग्लास कं.	अनहुइ जिनमिन ग्लास कं.	955.27	एमटी
2	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	अनहुइ कंगताई ग्लासवेयर टेक्नोलोजी कं.	अनहुइ कंगताई ग्लासवेयर टेक्नोलोजी कं.	955.27	एमटी
3	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	शनडोंग फुलांग ग्लास टेक्नोलॉजी कं.	शनडोंग फुलांग ग्लास टेक्नोलॉजी कं.	N.A.	एमटी
4	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	शनडोंग फुलांग ग्लास टेक्नोलॉजी कं.	किंगडाओ जैमी इंप एंड एक्स. कं.	N.A.	एमटी
5	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	अनहुइ डेली हाउसहोल्ड ग्लास कं.	अनहुइ डेली हाउसहोल्ड ग्लास कं.	955.27	एमटी
6	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	अन्य	अन्य	955.27	एमटी
7	-वही-	-वही-	चीन जन.गण.	पाटनरोधी शुल्क लागू वाले देशों से इतर कोई देश	कोई	कोई	955.27	एमटी

क्र.सं.	उपशीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूलता का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि अम.डा.	माप की यूनिट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
8	-वही-	-वही-	पाटनरोधी शुल्क लागू वाले देशों से इतर कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	955.27	एमटी
9	-वही-	-वही-	इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	कोई	कोई	955.27	एमटी
10	-वही-	-वही-	इंडोनेशिया	पाटनरोधी शुल्क लागू वाले देशों से इतर कोई देश	कोई	कोई	955.27	एमटी
11	-वही-	-वही-	पाटनरोधी शुल्क लागू वाले देशों से इतर कोई देश	इंडोनेशिया	कोई	कोई	955.27	एमटी

*कस्टम वर्गीकरण केवल सूचक है और कर्तव्यों का निर्धारण पीयूसी के विवरण के अनुसार किया जाएगा

124. इस जांच परिणाम के आधार पर केन्द्र सरकार द्वारा इसे स्वीकार कर लिए जाने के बाद के विरुद्ध कोई अपील सीमाशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जाएंगी।

सुनील कुमार, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI- DUMPING AND ALLIED DUTIES)
NOTIFICATION
New Delhi, the 5th March, 2018
Final Findings
(Case No. O.I/20/2017)

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of Glassware originating in or exported from People's Republic of China and Indonesia.

F.No.14/45/2016-DGAD: Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules).

2. Whereas M/s Shreno Limited-Glass Division (hereinafter also referred to as the Petitioner or Applicant) has filed a petition before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs

Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) for imposition of Anti-dumping duty on imports of "Glassware" (hereinafter also referred to as the subject goods or PUC) from People's Republic of China (China PR) and Indonesia (hereinafter also referred to as the subject countries).

3. Whereas, the Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner, issued a Notification No.14/45/2016-DGAD dated 28th March, 2017, published in the Gazette of India, initiating the subject investigation in accordance with the Rule 5 of the above Rules to determine existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

A. Procedure

4. The procedure described herein below has been followed with regard to the subject investigation:
 - i. The Designated Authority, under the above Rules, received a written petition from the petitioner on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Glassware originating in or exported from the subject countries.
 - ii. Preliminary scrutiny of the application filed revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Petitioner. The Petitioner updated the petition, which was considered by the Authority for initiation of investigations. The application was, therefore, considered as duly documented.
 - iii. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the Petitioner to justify the initiation of the investigation, decided to initiate the investigation against imports of the subject goods from the subject countries.
 - iv. The Authority notified the Embassies of the subject countries in India about the receipt of the application before proceeding to initiate the investigation in accordance with Sub-Rule 5(5) of the AD rules.
 - v. The Authority issued a public notice dated 28th March, 2017 published in the Gazette of India, Extraordinary, and initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods from the subject countries.
 - vi. The Authority forwarded a copy of the public notice to all known exporters (whose details were made available by the Petitioner) and industry association and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.
 - vii. The Authority also forwarded a copy of the public notice to all known importers of the subject goods in India and advised them to make their views in writing within forty days from the date of the letter.
 - viii. The Authority provided a copy of the non-confidential version of application to the known exporters and the Embassies of subject countries in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules. A copy of the Application was also provided to other interested parties, wherever requested.
 - ix. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known producers/exporters in the subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

S.N.	Name & Address	S.N.	Name & Address
1	Blinkmax Glassware Qianjin Road, The Economic Development Zone, Liu An City, Lu'an, Anhui, China www.blinkmax.com	2	Xinxiang Dayong Hongqi Industrial Zone, Xinxiang city, Henan province www.dayongglassware.com
3	Xuzhou Dahua Glass Products Co., Ltd. Baduan Economic Zone, Mapo Town, Tongshan County, Xuzhou, Jiangsu, China www.glassbottlechina.com.cn	4	Zibo Timestone International Co. Ltd 4th Floor Fazhan Building, No. 203 Jinjing Road, Zhangdian, Zibo, Shandong, China www.timestone.net.cn
5	Shanghai Vista Packaging Company Ltd No. 45, Hongzhong Road, Shanghai, China www.vglassware.Com	6	Danfa Glass Limited 7 Nanli West, Nanpu, Shiqi Village, Panyu District, Guangzhou, China www.danfaglass.com
7	Tianjin Shinered Trading Company Limited 13-306, No. 29 Huanghai Road, Teda, Tianjin, China www.shinered-group.com	8	Hefei Kwanbun Trade Company Limited Wanquanhe Road, Binhu Industrial Park, Hefei City, Anhui Province, China www.hf-kwanbun.com
9	Shenzhen Sunny Glassware Co. Ltd 5F, NO. 4 Buxin Business Building, Renxin Road, Luohu District, Shenzhen, Guangdong, China-518019	10	Taiyuan Qianyun Trading Co., Ltd. No. 39, ManneihuanStree, Yingze, District Taiyuan Shanxi, China
11	Foshan Sen Tai Machinery & Tooling Co., Ltd Xiaotang star industrial area, Nanhai District, Foshan City, Guangdong Province, China	12	Qingdao D&O Houseware Co. Ltd 702B, Guangfa Financial Mansion, No. 42 Shandong Road, Qingdao, Shandong, China (266071)

S.N.	Name & Address	S.N.	Name & Address
13	Xi'an Yong Xing Glassware Factory 2201, Mingyuan Building Jiazi No.8, East Sector, Youyi Road, Xi'an China	14	Shanxi Midas Industrial Co. LTD No. 1502, Building B, Dingyuan, Times Center, Yingzenanjie, Taiyuan, Shanxi, China (030001)
15	Hebei Hongma Bassinet CO., Ltd. Second Living Area 2-2-601, Shijiazhuang, Hebei, China- 050000	16	JinjiangJiaxing Home Co.,Ltd. Xingban Industrial Area, Xintang, Jinjiang, Fujian, China (362200)
17	U&Me Elegance Houseware Manufacturing Co. Ltd No. 288 Jinsong Yi Road, Qingdao, Shandong, China (266035)	18	Xian Innovation Import & Export Trading Co. Ltd 19F, Qianxige Mansion, Mingdemen, Zhusque Street, Xi'an, Shaanxi, China (710061)
19	Profit Continent Industrial Co. Limited 14 Chang'an North Rd., Xi'an, Shaanxi, China (710061)	20	Anhui Deli Household Glass Co Mengtaizi Industrial Park, Fengyang, Anhui, CHINA EMAIL : deli@deliglass.com
21	Kim Glass PT Kwartsa Indah Murni Jl. Raya Serang KM 26, Balaraja, Tangerang 15610, Indonesia	22	BBC Glass PT. CulletprimaSetia Jl. Industri Raya 1 Blok. A No. 8 KawasanIndustri "Pasir Jaya" Jatiuwung Tangerang, 15136 Banten, Indonesia
23	PT FNG Jl. Pulo Lentut no.11 Kawasan Industri Pulo Gadung Jakarta, 13920, Indonesia www.fng.co.id/	24	P.T. Kedaung Industrial Ltd. Grha Tirtadi Lt. Dasar Jl. Raden Saleh No. 20 Jakarta Pusat Indonesia 10330, www.kedaung.com

5. In response, the following exporters/producers from the subject countries filed exporter's questionnaire response in the prescribed format:

- (i) Anhui Xinmin Glass Products Co. Ltd.
- (ii) Anhui Kangtai Glassware Technology Co. Ltd.
- (iii) Fulong Glass Technology Co. Ltd.
- (iv) Shandong Fulong Glass Technology Co. Ltd.
- (v) Qingdao Gemmy Imp & Exp Co. Ltd.
- (vi) Anhui Deli Household Glass Co. Ltd.
- (vii) Shanghai Shige Industrial Co. Ltd.
- (viii) Shenzhen Shige Houseware Co. Ltd.
- (ix) Beijing Deli Shige Trading Co.
- (x) Shaanxi Shige Trading Co. Ltd.

6. From Indonesia, the Embassy of Indonesia in India forwarded a letter from the DGFT, Jakarta raising certain legal and factual issues. These have been dealt with at the appropriate part of this document. A response to the questionnaire was submitted by M/s First National Glassware, (PT FNG) Jakarta. This was received after the deadline for receipt of the responses. Further, the response was incomplete and not provided in the proper format.

7. Questionnaires were sent to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

S.N.	Name & Address Of Company	S.N.	Name & Address Of Company
1.	Raj Imports 589 Shop No 51, Indraprastha Complex, RaghunathDinajiPawar Road, Near Apollo Cinema, Rasta Peth, Pune – 411011	2	Bengal Crockery SitaramSmruti Building, Whc Road, DharamPeth, DharamPeth, Nagpur, Maharashtra 440010
3	Alliance Impex M 9, Shraddha Building, KaziSayed Street, Masjid, Mumbai - 400003	4	Rasool Enterprise c/o Asiatic Department Store, 73, Lic Industrial Assurance Building, Veer Nariman Road, Churchgate, Mumbai – 400020
5	Southern Potteries	6	Krishna Imports

S.N.	Name & Address Of Company	S.N.	Name & Address Of Company
	Nafees Chambers, Lokmanya Tilak Marg, Chhatrapati Shivaji Terminus Area, Fort, Mumbai, Maharashtra 400001		Nafees Chambers, Lokmanya Tilak Marg, Chhatrapati Shivaji Terminus Area, Fort, Mumbai, Maharashtra 400001
7	White Gold Trading 148, Bldg. No.6, Mittal Industrial Estate, Andheri Kurla Road, Andheri East, Mumbai - 400069	8	IMR Enterprise Ajmal Khan Road, Karol Bagh West Extension Area, Karol Bagh, New Delhi - 110005
9	Sentosa Overseas - 6, 1st Floor, Room No. 3, Wood Street, Kolkata 700016.	10	Universal Distributors Rajat Tie Up Pvt. Ltd. 33, BB Ganguly Street, Bowbazar, Kolkata, West Bengal 700012
11	Sansudha Dealcomm Pvt. Ltd. - 54/1, 4th Floor, Room No. 5-A, Canning Street, Kolkata - 700001 - RNC Ghat Road, Shibpur, Howrah	12	Khanderia Brothers 39 Strand Road, Room No. 86, 4th Floor, North Port, Kolkata-700001
13	Hind Glass 2/3, Thakur Das Banerjee Road, Belgharia, Kolkata - 700056	14	DD Enterprises 194, Old China Bazar Street, Dalhousie, BBD Bagh, Kolkata, West Bengal 700001
15	Bharat Emporium Ground Floor, 22, Canning Street, Canning Street, Kolkata, West Bengal 700001	16	Asian Enterprises # 8-1-21/116, Tolichowki Rd, Deluxe Colony, Surya Nagar, ToliChowki, Hyderabad, Telangana 500008
17	K. R. Crockery 2, Sufi Sahib Complex, Masjid Lane, Kamarpatty, Fancy Bazaar, Guwahati - 781001	18	Neelkanth Crockery Emporium 12/8, Saraswati Marg, New Crystal Market, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi
19	Ragashree Impex Pvt. Ltd. 59 Rama Road Industrial Area, New Delhi 110 015	20	Addox Home Maker 17/1. Main Rohtak Road, Nangloi, Near Bimal Hospital, Delhi – 110041
21	Addox Gallery 13/19, Shop No 7 & 8, Ganpati Plaza, Basement, Opp Tip Top Market, Karol Bagh, New Delhi-110005	22	Janta Crockery Central Market, Lajpat Nagar, New Delhi
23	WKC Impex Glassware Pvt. Ltd. 15A/19, WEA, Karol Bagh, New Delhi - 110005	24	Devnow International 5/35, 1st Floor, W.E.A., Karol Bagh, Block 60, Karol Bagh, New Delhi, Delhi 110005
25	National Crockery & Glassware #13/2, Memorial Hall Street, Park Town, Chennai - 600003.#6 Link Road, Opp. Church, Kilpauk Garden Road,	26	W.K.C Glassware Pvt Ltd., 15a/19, Wea, Karol Bagh, New Delhi, 110034
27	Talwar Agencies Pvt Ltd., F-47 Deshbandhu Gupta Market, New Delhi	38	Home Maker Enterprises Pvt Ltd., 15 A/63, WEA, Ajmal Khan Rd, Karol Bagh, New Delhi, Delhi 110005
29	Taneja Crockery Pvt Ltd. Shop No. 208, Chandni Chowk Rd, Fatehpuri Chowk, Chandni Chowk, New Delhi, Delhi 110006	30	Chiraj Appliances Pvt Ltd. No. 32, 2nd Floor, Bowbazar, Land Mark: Behind Podder Court Kolkata - 700073
31	Paras International 5/25 WEA, Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi, Delhi 110005	32	Baron Agencies Pvt. Ltd. 14/2, 3rd Floor, Room No 221, Old China Bazar Street, Kolkata - 700001
33	Aditya Promoters Ltd. A-83, Sector-57 Noida-201301	34	Laxmi Crockery Pune Pvt. Ltd., 2, Near Burdi Pool, Ganesh Peth, Pune, Maharashtra 411002

8. In response to the initiation notification, the following importers/users have responded and filed importer questionnaire response:
 - i. M/s Hamilton Housewares Pvt. Ltd.
 - ii. M/s Kotram Globals
 - iii. M/s Sherali Khanmohammed Manekia
 - iv. M/s East Coast Distributor
9. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties. Submissions made by all interested parties have been taken into account in present investigation.
10. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
11. Further information was sought from the Petitioner and other interested parties to the extent deemed necessary.
12. Verification of domestic industry was conducted on 5-6 October 2017 to the extent considered necessary for the purpose of the present investigations.
13. The Non-injurious Price (hereinafter referred to as 'NIP') based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
14. Spot verification was carried out during 13-17 October 2017 at the premises of the following producers/ exporters in the subject countries:
 - (a) M/s Anhui Xinmin Glass Products Co. Ltd.
 - (b) M/s Anhui Kangtai Glassware Technology Co. Ltd.
 - (c) M/s Anhui Deli Household Glass Co. Ltd.
15. Investigation was carried out for the period starting from April, 2015 to September, 2016 (18 months) (hereinafter referred to as the 'period of investigation' or the 'POI'). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the period from 2012-13, 2013-14, 2014-15 and the POI.
16. In accordance with Rule 6(6) of the Anti-Dumping Rules, the Authority provided opportunity to the interested parties to present their views orally in hearing held on January 22, 2018. Subsequently all the parties who had attended the oral hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were advised to offer their rebuttals.
17. Request was made to the Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide the details of imports of subject goods for the past three years, including period of investigation, which was received by the Authority. The Authority has referenced the DGCI&S imports data for computation of the volume and value of imports and injury analysis.
18. The submissions made by the interested parties to the extent considered relevant by the Authority have been addressed in this Final Finding.
19. In accordance with the Rules, the Authority disclosed the essential facts of the present investigation to all interested parties vide a disclosure statement issued on 16th February, 2018, and advised them to file the comments on the disclosure statement by 23rd February, 2018. The comments received from the domestic industry and other interested parties have been addressed in this findings to the extent considered relevant.
20. Exporters, producers and other interested parties who have neither responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperative.
21. '***' in this Final Finding represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.

22. Exchange rate for conversion of US\$ to Rs. is considered for the POI as US\$1 = Rs. 66.53, as derived from the Indian Customs data.

B. Product Under Consideration and Like Article

Submissions by the Domestic Industry

23. The submissions made by domestic industry are as follows:

- i. The product under consideration in the present petition is Glassware for Table, Kitchen, Toilet, Office or Indoor Decoration purposes, excluding Borosilicate Glassware and Opal Glassware.
- ii. The product under consideration specifically covers all type of tableware, drink ware, kitchenware and giftware for above mentioned purposes, for regular and long term use by hotels, restaurants, caterers, corporate and households – whether for storage or service.
- iii. Glass is a non-crystalline, amorphous and generally transparent solid material manufactured primarily from Silica (sand), which is combined with varying compositions of other additives. Additives, such as lime stone, alumina, dolomite and soda ash or borax, impart different physical and chemical properties as may be required for different applications.
- iv. 64.74% of imports have been reported by using weight as a unit of measurement. Under these circumstances, it is amazing that the representative of exporter stated that the actual export price would be higher by 70% if correct weights are considered.
- v. There is no known difference in subject goods produced by the domestic industry and subject goods imported into India. Glassware produced by the domestic industry and imported into India are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.
- vi. The production process adopted by the petitioner is at par with the market.
- vii. As opposite to the contention of other interested parties, the production process of domestic industry is at par with the market.
- viii. The petitioner strongly opposes preliminary issues like introduction of PCN system at later stage of the investigation. ADD investigations are time bound and such arguments should not be allowed.
- ix. Subject goods are classified under Chapter 77 of Customs Tariff Act, 1975 under sub-heading 7013- 701329, 701337, 701339, 701349 and 701399. The customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the investigations. The product description shall prevail in all circumstances.

Submissions made by the other interested parties

24. The submissions made by other interested parties are as follows:

- (i) PUC covers a wide range of product types and such *inter se* types would significantly vary in terms of cost and price. The methodology adopted by the petitioner in the petition is that they have converted every such *inter se* type into equivalents of weight and made various comparisons which are highly inadequate to gauge the factual position of various claims therein.
- (ii) The Authority may carry out the comparisons for injury margin and dumping margin purposes on a PCN basis and our EQ Response permits such PCN wise comparisons
- (iii) The petitioner did not bring this aspect into the knowledge of the Authority and did not apply a PCN methodology in its petition. It should be asked to provide their injury information as well on a type wise basis.
- (iv) Weight does not account for product features in its entirety and a PCN based comparison would be more appropriate.
- (v) The production process employed by domestic industry is inefficient.

(vi) The DI is incompetent to introduce such innovative products in the market within the glassware umbrella and any effects of the inability of the DI to cater to the needs of the Indian customers cannot be seen as injury created by imports from China PR.

Examination by the Authority

25. The product under consideration is “All types of Soda-lime Glassware for Table, Kitchen, Toilet, Office or Indoor Decoration purposes”. The product under consideration excludes Borosilicate Glassware and Opal Glassware. The product under consideration also does not cover glass bottles used for packaging industry.

26. The product under consideration is not produced in various grades having significant difference in the associated cost. Production of different types merely implies forming this mixture into desired shape. Therefore, it is considered appropriate to classify all the above mentioned items under a broad heading of “Glassware”. There has been a similar kind of case for the product called “Opal Glassware of all types”, “melamine” and “ceramic tableware and kitchenware”.

27. It has been stated by the petitioner that 64.74% of imports have been reported by using weight as a unit of measurement. Further, it has been seen that a major percentage of the cost of the product is on account of raw material and utilities. The cost of the raw material and utilities is in direct proportion to the weight of the product. It is because of this reason that even when the product varies significantly in terms of associated costs when expressed in unit of measurement other than weight, the cost of production is quite linear with weight of the product. The Authority has, therefore, decided that it would be appropriate to express PUC in terms of weights.

28. With regard to like article, Rule 2(d) of the Anti-dumping Rules provides as under:

“like article” means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation

29. The responding exporter has contended that the production process employed by the domestic industry is inefficient. The exporter has however not provided detailed manufacturing process and time taken, nor quantified how the domestic and imported products are different and what is the impact of the alleged difference.

30. In relation to issues relating incompetency of the DI to produce innovative products, it is noted that the domestic industry has a strong customer base in India, establishing that their goods are at par with the imported goods. In any case, none of the interested party has provided any material evidence to substantiate their claim.

31. The Authority notes that subject goods i.e., “All types of Soda-lime Glassware for Table, Kitchen, Toilet, Office or Indoor Decoration purposes” is classified under the ITC (HS) under Chapter 70 of Customs Tariff Act, 1975 under sub-heading 7013 - 701328, 701337, 701342, 701349 and 701399. The above customs classification is indicative only and has in no way limited the scope of the investigations. For purposes of these recommendations, product description shall prevail in all circumstances.

32. After considering the information on record, the Authority holds that there is no material difference in product under consideration exported from subject countries and the product produced by the Indian industry. Product under consideration produced by the domestic industry is comparable to the imported subject product in terms of physical & chemical characteristics, production technology & manufacturing process, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable.

33. Thus, the Authority holds that product under consideration produced by the applicant domestic industry is like article to the subject product under consideration imported from subject countries in accordance with the AD Rules.

C. Scope of Domestic Industry & Standing

34. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.

35. The application was filed by M/s Shreno Limited, Vadodara who claimed to be the domestic industry for the present investigations.

Submissions by the Domestic Industries

36. The submissions made by the domestic industry are as follows:

- i. The petitioner is the only producer of the subject goods in India in organized sector whose production constitutes a major proportion in Indian production in terms of the Rules.
- ii. The petitioner has neither imported nor related to the exporters from the subject countries nor importers of the dumped goods.
- iii. The petitioner has sufficient standing and constitutes domestic industry within the meaning of the Rules.
- iv. The concept of unorganized sector has been recognized as fragmented industry under the WTO Agreement and Indian rules.
- v. As opposed to the contentions of other interested parties, most of the producers in Firozabad producers non PUC which the Designated Authority may kindly note even from the submissions made orally at the time of oral hearing by the representative from Firozabad.
- vi. The producers in Firozabad that producers PUC works on such small scale that they do not maintain records.
- vii. Petitioner has estimated production of producers in unorganized sector on the basis of interactions that have been had with the members of the association. The contact details of these members have been already provided in the Petition.
- viii. Petitioner has provided the name of 6 associations including that of All India Glass Manufacturers Federation and UP Glass Manufacturers Syndicate. Out of these 6 associations, only UP Glass Manufacturers Syndicate has responded the initiation in the present investigations. No response by other associations or producers should not prevent petitioner remedies under anti-dumping law.
- ix. The respondent has though provided the name of certain producers from Firozabad, claiming certain amount to be their capacity but has failed to show the basis of same. The party has also not shown why capacity should be treated as production. The Designated Authority requires information on “Indian production” and not production of “some of the Indian producers”
- x. The petition has been supported by (a) The UP Glass Manufacturers Syndicate (b) Pooja Glass Works Pvt. Ltd., Firozabad (c) Meera Glass Industries, Firozabad (d) Adarsh Kanch Udyog Pvt. Ltd., Firozabad (e) Uma Glass Works, Firozabad (f) New Bright Glass Works India Pvt. Ltd., Firozabad.
- xi. The supporters have themselves accepted that owing to them being in unorganized sectors, they do not maintain the records of quality required in the prescribed anti-dumping application format.
- xii. Non-maintenance of records by some producers should not become a barrier in giving remedy to the other producers. In fact, the Authority ought to protect interests of those who cannot protect their interests due to lack of resources.
- xiii. As against the contention of other interested parties, the Indian law recognizes the concept of unorganized sector as it was done in ‘AA Dry Cell Batteries’, from China PR and Vietnam and “Ceramic Tableware and Kitchenware, excluding knives and toilet items”, from China PR and the Authority had determined the production as per the available credible relevant source of information.
- xiv. The Authority may call information from the other Indian producers.

Submissions of the other interested parties

37. The submissions made by opposing interested parties are as follows:

- i. The petitioner does not have major proportion in Indian production. The cumulative daily capacity of manufacturers of glassware in Firozabad is about 1200 MT per day. If the data is considered, the Petitioner’s share will be much below 25% of Indian production.

- ii. The other 18 producers identified by the petitioner in the unorganized sector are members of All India Glass Manufacturers Federation (AIGMF) as can be seen from its website. The petitioner could have procured the information of all such producers from there.
- iii. Until and unless such information of other parties is availed, the Authority will not be able to determine the volume and price impacts by such large number of other producers on the petitioner.

Examination by the Authority

38. The present application was filed by M/s Shreno Limited, the only domestic producer of the product under consideration in the organized sector and provided detailed information in the anti-dumping investigation. The Authority determined at the stage of initiation that the petitioner satisfies requirement of standing under the Rules and the Petitioner constituted domestic industry within the meaning of the Rules.

39. Further, there are other small producers of the subject goods in India. However, all of them are in the unorganized sector. The Authority had sent the initiation notification to the following producers, names made available by the petitioner, of the subject goods:

- 1) Adarsh Kanch Udyog Pvt. Ltd.
- 2) Advance Glass Works
- 3) Crown Glass Industries
- 4) Farukhi Glass Industries
- 5) Firozabad Ceramics P. Ltd.
- 6) Firozabad Glass Shell Industries
- 7) Geeta Glass Works
- 8) Gm Glass Works No.2
- 9) General Traders
- 10) Kwality Glass Works
- 11) Hilite Glass Pvt. Ltd
- 12) Shri Sitaram Glass Works
- 13) Mittal Ceramics
- 14) Jagdamba Glass Works
- 15) Om Glass Works Pvt. Ltd.
- 16) Pooja Glass Works P. Ltd.
- 17) Pragati Glass Works (P) Ltd.
- 18) Uma Glass Works

40. Following producers from Firozabad responded and supported the present investigations:

- 1) Pooja Glass Works Pvt. Ltd., Firozabad
- 2) Meera Glass Industries, Firozabad
- 3) Adarsh Kanch Udyog Pvt. Ltd., Firozabad
- 4) Uma Glass Works, Firozabad
- 5) New Bright Glass Works India Pvt. Ltd., Firozabad.

41. Further, the representative of the producer in Firozabad i.e. The UP Glass Manufacturers Syndicate which is the Zonal Association of All India Glass Manufacturers Federation (AIGMF) has also supported the present investigations.

42. As regards production data of unorganized sector, the Authority notes that in view of absence of precise information with regard to production of individual companies in the unorganized sector, the petitioners cannot be denied relief under the law. Further it is noted that the production of the petitioning company is significant. The Authority also notes that even in China and Indonesia, there are a large number of producers of the product in organized as well as unorganized sector. In earlier investigations by the Authority where the product under investigation were being produced both in organized and unorganized sector e.g. AA Batteries, Lead Acid Batteries, Melamine, Silk Fabric and Silk Yarn etc., the production was determined based on the assessment as per the available credible relevant source of information in those investigations. Therefore, it is considered appropriate to accept the petitioners as the eligible domestic industry in terms of Rule 2 (b) of the Rules.

43. As regards the production of the petitioner domestic industry, it is clarified that the same has been appropriately, adequately and sufficiently quantified. The information submitted by the domestic industry was duly verified with regard to sales, capacity, exports, cost and expenses from the records maintained by the domestic industry. The financial and excise records maintained by the domestic industry have been adopted for the purpose which are reliable and adequately represent the relevant information.

44. As per the evidence available on record, the production of the petitioner companies accounts for a major proportion in the gross domestic production of the like article. The table below shows that the production of the petitioner alone constitutes 77% of Indian production. The petitioning company has not imported the product under consideration from subject country nor are they related to any exporter or to an importer in India. The Authority has also verified the information provided by the domestic industry

Company Name	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	Annualised POI	POI
Organised Sector						
Shreno Limited (Glass Division)	MT	***	***	***	***	***
Unorganised Sector	MT	***	***	***	***	***
Total Indian production	MT	***	***	***	***	***
Share of Indian Industry						
Shreno Limited (Glass Division)	% Range	70-80	70-80	70-80	70-80	70-80
Other Indian producers (Unorganised Sector)	% Range	20-30	20-30	20-30	20-30	20-30

45. Accordingly, after careful examination of the legal provisions and facts of the case, the Authority, holds that the applicant constitutes eligible domestic industry within the meaning of Rule 2 (b) of the Anti-Dumping Rules and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Rules supra.

D. Issues Relating to Confidentiality

Submissions by the Domestic Industries

46. The submissions made by domestic industry are as follows:

- The petitioner has claimed only such information as confidential, the confidentiality of which has been permitted under the rules and as per consistent practice of the Authority.
- None of the exporters has provided the non-confidential version, which is an exact replica of their confidential version. They have also not provided any statement of claim of confidentiality. Further, the responses are in violation of the specific guidelines issued by the Designated Authority with regard to the procedure to be followed for filing of non-confidential version of the exporter's questionnaire responses. Therefore, the submissions of all the exporters and producers from the subject countries should be disregarded and deny them the individual treatment.

Submissions made by the other interested parties

47. The various submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are as follows:

- The Petitioner has claimed excessive confidentiality and filed incomplete petition. In response to Section-VI (Costing Information) of the Application the Petitioner has not furnished any information at all.
- Petitioner has claimed excessive confidentiality with respect to information on total Indian production, actual figures in Proforma IV-A of the petition should be given as the petitioner is a public limited company. At least NCV of reply to Section 6 of the petition should be given.

Examination by the Authority

48. The Authority made available non confidential version of the information provided by various interested parties to all interested parties through the public file containing non-confidential version of evidences submitted by various interested parties for inspection as per Rule 6(7).

49. The various submissions made by the interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority, were examined. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

50. The interested parties have raised arguments with regard to confidentiality of information. The Authority notes that the confidentiality claims of the interested parties are consistent with the practice being generally followed by the Authority. Wherever possible, the interested parties have provided non confidential version of the information.

E. Miscellaneous Issues

Submissions by the Domestic Industry

51. The submissions made by the domestic industry are as follows:

- i. Claims of the Indonesian Embassy and exporter present during oral hearing should be disregarded as they have failed to participate in the present investigation within the time limits prescribed and have made a presence in the present investigations for the first time in oral hearing which is after 301 days of initiation of the present investigation.
- ii. The Authority should not accept responses of Chinese exporters and producers as they have failed to discharge their obligation by providing correct and certified information. The respondents have conveniently omitted to provide any information as to the incentives in the form of incentives received by them by their respective governments which are amongst one of the major reason for low priced imports
- iii. All submissions by Somany Tiles as well should be rejected as it has neither filed importer questionnaire response nor got itself registered as an interested party.
- iv. There is no demand and supply gap in India as injury to the domestic industry in the present case can be seen even on volume parameter, which means that the domestic industry is not able to produce and/ or sell in accordance with its known capacity.

Submissions made by the other interested parties

52. The submissions made by the other interested parties are as follows:

- i. The Designated Authority is requested to provide DGCI&S data in MS Excel format, both in raw and refined form and allow us to get import data from DGCI&S for the subject product in terms of Trade Notice No. 1/2017 dated 8 December 2017.
- ii. It is irrelevant to say that demand and supply gap does not have any bearing on the anti-dumping investigations.
- iii. The initiation of present investigation is bad in law.

Examination by the Authority

53. The submissions made by the interested parties and considered relevant, are addressed by the Authority as below:

- i. The Authority notes that the submissions have been received from the Indonesian Embassy in India and M/s First National Glassware, Jakarta. However, the submissions of M/s First National Glassware, Jakarta was not sent within the prescribed timeline and as per law. Following participation in the Oral Hearing the Indonesian Exporter was given a further chance to provide evidence that it had filed its submissions in accordance with the laid down procedures. While they provided the information and data again, it remains that the same was not in accordance with the procedures and timelines provided by the Authority. Thus, none of their claims made during the oral hearing are considered for the purpose of this Final Findings.
- ii. With regard to demand and supply gap issues, the Authority notes that the anti-dumping measures don't prohibit imports; rather it ensures level playing field and to bring fair competition in the market.

- iii. In relation to the allegation of the Domestic Industry that Authorities in China PR are giving subsidy to the producers / exporters of the subject goods, it is noted that the current investigation is about the dumping of the subject goods in India. Issues relating to subsidies provided by national authorities in the exporting countries are not relevant here.
- iv. During the course of investigation, the Authority has relied on transaction wise import data from DGCI&S and the same have been considered in this investigation. If any of the interested parties wished to have access to this data, a written request could have been made separately to procure data from DGCI&S and the requisite authorisation could have been provided to enable them to get the data required after paying the requisite fee. However, no such written request was received.
- v. As regards the allegation that initiation is on wrong premise, the Authority notes that the initiation is done on the basis of *prima facie* evidences/facts provided by the Domestic Industry. Subsequently, the verified information was considered for proceeding in this AD investigation.

F. Determination of Normal Value, Export Price and Dumping Margin

54. The Authority sent questionnaires to the known exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. The following producers and exporters from the subject country filed the prescribed questionnaire responses.

- i. Anhui Xinmin Glass Products Co. Ltd.
- ii. Anhui Kangtai Glassware Technology Co. Ltd.
- iii. Fulong Glass Technology Co. Ltd.
- iv. Shandong Fulong Glass Technology Co. Ltd.
- v. Qingdao Gemmy Imp & Exp Co. Ltd.
- vi. Anhui Deli Household Glass Co. Ltd.

55. Further, following filed the Market Economy Treatment Questionnaire response:

- i. Anhui Kangtai Glassware Technology Co. Ltd.
- ii. Shandong Fulong Glass Technology Co. Ltd.
- iii. Qingdao Gemmy Imp & Exp Co. Ltd.

56. M/s First National Glass Company from Indonesia responded with some data. The data was incomplete, not in the proper format and was received after the time/ date deadline provided by the Authority. Therefore, the responses provided are not taken into consideration.

Views of the Domestic Industry

57. The following are the submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority:

- i. Market economy status cannot be granted to the respondents unless the responding exporters satisfy each & every of the following conditions:
 - a) Market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity
 - b) Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values.
 - c) Market economy treatment must be rejected in such situations where Chinese exporters are unable to establish that their books are consistent with International Accounting Standards (IAS). The requirement on insisting compliance with International Accounting Standards is to ensure accuracy and adequacy of revenues and expenses, assets and liabilities expressed in the annual report.
 - d) Market economy status cannot be granted unless the responding Chinese exporters pass the test in respect of each and every parameter laid down under the rules. While one parameter is sufficient to establish existence of injury, failure to pass one single parameter is sufficient to reject the claim of market economy status.

- e) It is not for the Authority to establish that the responding companies are operating under market economy environment and are entitled for market economy treatment. But it is for the responding Chinese exporters to establish that they are operating under market economy conditions.
- f) Market economy status cannot be granted unless the responding company and its group as a whole make the claim. If one or more companies forming part of the group have not filed the response, market economy status must be rejected.
- g) In a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.

ii. It has been submitted that the normal value for China in such a case can be determined only in accordance with the provisions of para 7 of the Annexure I to Anti-dumping Rules in view of the aforementioned facts and circumstances.

iii. The domestic industry was not in a position to get any documentary evidence or reliable information with regard to domestic prices in China nor was the same available in the public domain. The applicant, therefore, only for the purpose of initiation, constructed the normal value for China after following the principles of conservatism and as per the practice of the DGAD.

iv. The normal value in China can thus be determined on the basis of (a) import price from third country into India, (b) selling price in India, and (b) cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and profit. It is also submitted that since these options for determination of normal value are available, the Designated Authority may not kindly consider “any other basis” because this is required to be applied only when other basis listed under the law cannot be applied.

v. Petitioner has not been able to determine the normal value of Glassware in China on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not available to the petitioner.

vi. The normal value has been constructed for China PR. The raw material prices as per weighted average DGCI&S import price have been taken along with the power rates, consumption factors, conversion costs, and selling, general & administrative expenses as per domestic industry. A reasonable profit margin has also been added.

vii. Efforts were also made to find out the normal value in Indonesia. However, for lack of information, the normal value has been constructed for exporters/producers from Indonesia. The raw material prices as per weighted average DGCI&S import price have been taken along with consumption factors, conversion costs, and selling, general & administrative expenses as per domestic industry. The power rates have been taken of Indonesia. A reasonable profit margin has also been added.

viii. The petitioner has made submissions and claims on normal value as per the best available information available to it. The Authority may appropriately adopt the methodology to determine normal value.

ix. The Chinese producers should be treated as companies operating under non-market economy environment and normal value determined on the basis of Para 7 of Annexure-I till such time the investigation period includes the period up to Dec., 2016 as the important parameters and factors considered in an antidumping investigation such as, dumping margin, injury margin, *de minimis* volume, etc. pertains to the period of investigation.

x. Two related parties of Anhui Kangtai Glassware Technology Co. Ltd. i.e. Anhui Rongtai Glass Products Co. Ltd. And Luan Kangtai Glass Co. Ltd which are involved in production and sales of the PUC respectively have not participated in the present investigations. Thus, the response of Anhui Kangtai should be rejected.

xi. One of the related producers of Anhui Deli Household Glass Co. Ltd. i.e. Chuzhou Deli Crystal Glass Co. Ltd. who is also a producer of the subject goods in China has not participated in the present investigations. Thus, the response of Anhui Deli should be rejected.

xii. The export price is constructed based on the information available from the import data after making due adjustment based on the best available information with the industry to make it comparable with normal value.

xiii. The dumping margin is positive and significant.

xiv. The very fact that the exporters have resorted to dumping gets established by their tacit admission in not denying existence of dumping.

xv. The petitioner has estimated the allowances/deductions used for calculation of net export price and sales of other Indian producers. The exporters have not shown (in fact, not even claimed) that the amounts adopted by the petitioner are excessive.

Views of other interested parties

58. The submissions made by the opposing interested parties are as follows:

- i. No source has been mentioned for allowances/deductions used for calculation of net export price and sales of other Indian producers.
- ii. The determination of the normal value violates the provisions of paragraph 7 of Annexure I and is not supported by any evidence. The same also violates paragraph 7 of Annexure I of the AD Rules as the Designated Authority has accepted the Petitioner's way to compute the normal value based on the last option, *i.e.* on the basis of cost of production in India, duly adjusted, without exhausting the first two options.
- iii. The construction of normal value and adjustments for net export price cannot be treated confidential *per se*. The petitioner should disclose such information
- iv. Claims in the petition *vis-à-vis* CNV and Export Price are highly unsubstantiated. No evidence has been provided in support of the consumption factor, or raw material, utility or conversion costs claimed by the petitioner as contained in the petitioner's constructed normal value calculation.
- v. Anhui should be granted market economy status and normal value should be computed based on their data on record.
- vi. In case the Authority does not consider China PR as a market economy country, and intends to disregard Anhui Deli's domestic prices and cost of production, in that case instead of a constructed value methodology a surrogate country method should be adopted and to use the surrogate country methodology to calculate the normal value, Anhui Deli proposes that Indonesia would be an appropriate market economy third country for such purpose.
- vii. The claims of the DI about suppression of facts regarding the incentives received by the exporters/producers in subject countries is unsubstantiated and if the case of the petitioner is of injury on account of subsidy, then the mechanism is anti-subsidy measures.
- viii. Individual margins for the cooperative exporters here may be determined based on the data supplied by such cooperative exporters and not on any other basis.

Examination by the Authority

A) NORMAL VALUE

59. The Authority notes that the relevant provisions laid down under Annexure I to the Anti-dumping Rules with regard to "Market Economy Treatment" are as follows;

[8. (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3).]

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three-year period preceding the investigation is a nonmarket economy country.

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3).

(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:

(a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

(b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

(c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and

(d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate:

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph]".

[(4) Notwithstanding, anything contained in sub-paragraph (2), the designated authority may treat such country as market economy country which, on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub paragraph (3), has been, by publication of such evaluation in a public document, treated or determined to be treated as a market economy country for the purposes of anti-dumping investigations, by a country which is a member of the World Trade Organization]."

60. The Authority also notes that Article 15 of China's Accession Protocol provides as follows:

"Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

(a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:

(i) If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;

(ii) The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.

(b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.

(c) The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.

(d) Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a

particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector.”

61. Article 15 implies that provisions of one of the subparagraphs shall expire in 15 years from the date of China's Accession. The provisions of this paragraph expired on 11th December, 2016. Since the factum of dumping causing injury to the domestic industry is established based on investigation period, the conditions prevalent during the investigation period alone is relevant, appropriate and necessary for the purpose of present investigation. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review is September, 2015 to October, 2016. Since the subparagraph of Article 15 was in existence during the period of investigation, the Authority may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevailed in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.
62. The Authority notes that five of the producers/ exporters from China PR, who have exported the subject goods to India during the POI, have responded in the form and manner prescribed. Three of them, as listed in Para 53 above, have claimed market economy treatment for determination of normal value in terms of Para-6 of Annexure-1 to the Rules.
63. The Authority notes that for determination of normal value based on third country cost and prices, the complete and exhaustive data on domestic sales of the subject goods; purchase of the raw materials; third country export sales; as well as cost of production and cooperation of such producers in third country is required. Such detailed information with regard to prices and costs prevalent in these markets has not been provided either by the applicant or by the responding exporters, nor could any publicly available information be accessed. The Authority further notes that in the case of M/s. Anhui Kangtai Glassware Technology Ltd. their national government has provided them with certain payments, including for technology development. It is not explained as to the basis of such payments and what kind of a role does such payments offer the local authorities in the administration/ decision making by the company.
64. The request for market economy treatment by M/s Shandong Fulong Glass Technology Co. Ltd. was withdrawn by the company during the course of investigation. Consequently, the Authority has not examined the claim for such treatment by M/s. Qingdao Gemmy Imp & Exp Co. Ltd., which has exported the subject goods produced by M/s. Shandong Fulong.
65. Regarding the contention of Anhui Deli that Indonesian prices may be taken as a surrogate country if the Authority decided to not give it market economy treatment, the Authority notes that there has been no response from Indonesia. As such verified surrogate prices and related data from Indonesia was not available.
66. Therefore, the Authority proceeds to construct the normal value based on any other reasonable basis. Since none of the exporters located in China PR have been considered for market economy treatment, the normal value has been constructed on a common basis for all the Chinese producers/ exporters.

a) Normal Value for Exporters located in China PR

67. The Authority has constructed the normal value for the product exported by them on the basis of the best information available. The weighted average normal value has been determined as Rs.*** /MT (US\$ ***). This is the normal value for all the non-cooperative producers/ exporters in China PR, as well.

b) Normal Value for producers and exporters in Indonesia

68. None of the producers/ exporters from Indonesia have filed a valid response to the questionnaire; therefore, the Authority treats them as non-cooperative and the Authority is not able to determine individual dumping margin for Indonesian producers/exporters and is constrained to proceed with the principles of best available information with regard to determination of dumping margin. The Authority determined normal value in accordance with the facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules to be Rs.***/MT (US\$ ***).

B) EXPORT PRICE**a) Export Price for exporters located in China PR**

69. The Authority notes that five exporters from China PR have provided detailed export data that has been verified. Based on the export date the Net Export Price for the five cooperating exporters has been determined to be as follows:

(i) M/s. Anhui Xinmin Glass Products Co. Ltd.

70. The Authority notes that Anhui Xinmin has exported the subject goods to India during the POI directly. The company has reported a total export of *** MTs in their Appendix-2 and claimed certain adjustments. The Authority has allowed claimed made for inland freight, ocean freight, insurance, bank charges and non-refundable VAT after due verification. Accordingly, the weighted average net export price has been determined as US\$ ***/ MT.

(ii) M/s. Anhui Kangtai Glassware Technology Co. Ltd.

71. The Authority notes that Anhui Kangtai has exported the subject goods to India during the POI directly. The company has reported a total export of *** MT in their Appendix-2 and claimed certain adjustments. The Authority has allowed claims made for inland freight, ocean freight, insurance, bank charges and non-refundable VAT after due verification. Accordingly, the weighted average net export price determined as US\$ ***/ MT.

(iii) M/s. Shandong Fulong Glass Technology Co. Ltd.

72. The Authority notes that Shandong Fulong Glass has exported the subject goods to India during the POI directly. The company has reported a total export of *** MT in their Appendix-2 and claimed certain adjustments. The Authority has allowed claimed made for inland freight, ocean freight, insurance, bank charges and non-refundable VAT after due verification. Accordingly, the weighted average net export price determined as US\$ ***/ MT.

(iv) M/s Qingdao Gemmy Imp and Exp Co. Ltd.

73. The Authority notes that Qingdao Gemmy Imp and Exp Co has exported the subject goods produced by M/s. Shandong Fulong Glass Technology Co. to India during the POI directly. The company has reported a total export of *** MT in their Appendix-2 and claimed certain adjustments. The Authority has allowed claimed made for inland freight, ocean freight, insurance, bank charges and non-refundable VAT after due verification. Accordingly, the weighted average net export price determined as US\$ ***/ MT

(v) M/s. Anhui Deli Household Glass Co. Ltd.

74. The Authority notes that Anhui DELI has exported the subject goods to India during the POI directly. The company has reported a total export of *** MTs in their Appendix-2 and claimed certain adjustments. The Authority has allowed claims made for inland freight, ocean freight, insurance, bank charges and non-refundable VAT after due verification. Accordingly, the weighted average net export price determined as US\$ ***/ MT.

(vi) Export Price for other producers and exporters in China PR

75. The Authority notes that since no other producers/exporters from China have responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in China, the Authority has determined the net export price as US\$ ***/ MT

b) Export Price for exporters located in Indonesia

76. None of the producers/exporters from Indonesia filed valid responses to the questionnaire. Therefore, the Authority treated them as non-cooperative. In view of no cooperation from the producers/exporters from Indonesia, the Authority has determined net export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules as US\$ ***/ MT.

C) DETERMINATION OF DUMPING MARGIN

77. Based on normal value and export price determined as above, the dumping margin for producers/exporters from subject countries has been determined by the Authority and the same is as follows:

S.N.	Country	Producer	Exporter	Normal Value (US\$/MT)	Export price (US\$/MT)	Dumping Margin (US\$/MT)	Dumping Margin %	DM Range %
1	China PR	Anhui Xinmin Glass Products Co. ltd.	Anhui Xinmin Glass Products Co. ltd.	***	***	***	***	10-20
2	China PR	Anhui Kangtai Glassware Technology Co.	Anhui Kangtai Glassware Technology Co.	***	***	***	***	10-20
3	China PR	Shandong Fulong Glass Technology Co.	Shandong Fulong Glass Technology Co.	***	***	***	***	Negative
4	China PR	Shandong Fulong Glass Technology Co.	Qingdao Gemmy Imp & Exp Co.	***	***	***	***	Negative
5	China PR	Anhui Deli Household Glass Co.	Anhui Deli Household Glass Co.	***	***	***	***	5-15
6	China PR	Others	Others	***	***	***	***	30-40
7	Indonesia	Any	Any	***	***	***	***	50-60

METHODOLOGY FOR INJURY ASSESSMENT AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

G. INJURY DETERMINATION

G.1 Injury Examination

Views of the Domestic Industry

78. The following are the injury related submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority:

- i. The present case is justifiable for cumulative assessment as the dumped subject goods from the subject countries not only directly compete with each other's but also as with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market.
- ii. The subject imports have increased throughout the injury period despite decline in demand.
- iii. Subject imports have increased in relation to production and consumption in India consistently throughout the injury period.
- iv. There is significant price undercutting during the POI
- v. The subject imports have depressing effects on the prices of the domestic industry.
- vi. The capacity of the domestic industry has declined over the injury period. The production of the domestic industry had to stop in 2015 for 6 months due to dumping.
- vii. The petitioner has replaced the furnace and has set up a new capacity and has not reduced capacity by reducing the number of machines deployed. While rebuilding the furnace, the petitioner put up a furnace with lower capacity considering dumping of the product causing injury.
- viii. The domestic industry is not able to utilize its capacities and the same has declined in POI as compared to the base year.
- ix. Production, sales, market share in demand have gone down throughout the injury period.

- x. The inventories are piling up.
- xi. The petitioner has been suffering financial losses throughout the injury period, which increased significantly in POI.
- xii. The domestic industry is suffering negative return on investment and cash losses.
- xiii. Productivity per day has declined in POI following the movement of production.
- xiv. Growth of the domestic industry is adverse, in terms of volume and price parameters.
- xv. The financial losses are hampering the ability of the domestic industry to raise capital investment.
- xvi. The benchmarks for the Indian producer's prices are the import prices from subject countries. The only factor responsible for the domestic industry prices are the import prices of the product from subject countries and the cost of production of the domestic industry.
- xvii. The domestic industry is suffering material injury due to the presence of dumped subject goods in India.
- xviii. The imports from Indonesia constitute more than 3% of the total imports entering India and that the normal value of such imports is above the net export price resulting in positive and significant dumping margin. This leaves no room for exclusion of Indonesia from the present investigation.
- xix. The price undercutting in the present investigation is 16.02% which is significant. The landed price is below cost and selling price of the domestic industry. Also, increase in cost is more than increase in selling price and landed price and the increase in selling price of the domestic industry is more than the increase in landed price.
- xx. Regarding concern of one of the interested parties on different losses in petition and annual Report, it is submitted that the petitioner has provided the factual information and the same have been verified by the Authority. The petitioner has put on record the analysis, which demonstrates profits earlier and deterioration now.
- xxi. Moreover, dumping by China in the product under consideration is an old phenomenon. Above all, rules do not state that the petitioner should have earned profits in the past and losses at present. It merely states "deterioration".
- xxii. The Designated Authority may consider injury period of the present investigation. That is not only the legal requirement but also the practice of the Designated Authority.
- xxiii. The injury submissions made by the petitioner are on the basis of domestic sales. The Authority may verify. However, exports by the petitioner are a result of dumping and therefore are required to be considered for determining impact of dumping on the domestic industry.
- xxiv. Sales at a price much below average realisation show the extent of injury suffered by the domestic industry.
- xxv. The petitioner is not getting its share in the domestic market and is resultantly into financial losses. The exports are necessitated due to presence of dumped imports as they have already captured the market. In order to survive, the petitioner had/have to import. In fact, the exports are merely 17% of its domestic sales.
- xxvi. The petitioner has mentioned the capacity of the furnace for molten product and of finished product. It is immaterial how the molten material is put to shape and what shape it takes.
- xxvii. It is not mandatory to give injury margin/price underselling in the petition as per the application proforma available on the Directorate General of Anti-Dumping' website.
- xxviii. Since the quotation has not been made available to the petitioner (it could not be a confidential document *qua* petitioner), petitioner is not able to offer comments. Notwithstanding, there is no basis for the argument that the quotations are made at a price above costs. In fact, the fact that the quotation was made at a price below cost shows injury.
- xxix. The Petitioner has taken into account market competition by dumped imports and was prevented from taking its cost of production and profit into account while quoting such prices. Had the petitioner got cost and profit in response, the petitioner would not have suffered financial losses.
- xxx. The interested parties have claimed public information as confidential! Notwithstanding, petitioner has provided actual data and has already offered its verification. The Designated Authority has not found many major variations. It is established law that the Designated Authority should consider the data/information of the petitioner in determining NIP. Annexure-III forbids considerations of any other company's data.
- xxxi. Difference in selling and distribution overhead in domestic market is the reason for different cost of production for domestic sales.
- xxxii. The Designated Authority is required to consider domestic industry as it exists.
- xxxiii. The fact that the Designated Authority found positive dumping margin implies that the selling price in the domestic markets was in fact higher. This implies that the normal value of the product under consideration

should in fact be higher than what the petitioner has claimed. Thus, increase in cost of raw materials, which are not peculiar to the domestic industry cannot be pleaded as another factor of causal link.

xxxiv. The following parameters have negative impact of imports: production, capacity, production, inventories, and market share in demand, profitability, PBIT, Cash profits and ROI.

xxxv. The Law does not require that as far as production, capacity utilization and sales volume of the Petitioner are concerned the decline must be significant.

79. The domestic industry submitted as follows as regard to the causal link:

- i. The imports from countries other than the subject countries are not at higher prices.
- ii. Demand for the product under consideration during period of investigation is quite significant and hence, is not a cause of the injury to the domestic industry.
- iii. The other known factors viz. export performance, technology, performance of the other products of the company, trade restrictive practices listed in the anti-dumping agreement or in the Rules have not caused injury to the domestic industry.
- iv. Price undercutting being caused by the dumped imports is preventing the domestic industry from charging a fair price.
- v. The price depression effect of dumped imports from subject countries has resulted in significant financial losses to the domestic industry.
- vi. Significant financial losses have led to deterioration in return on capital employed and cash profits;
- vii. The growth of the domestic industry is negative in terms of a number of price parameters.
- viii. Market share of the imports from subject countries remained at a very significant level despite decline in demand.
- ix. The domestic industry could not achieve the expected level of production, capacity utilization, and sales volumes due to dumped imports.
- x. Even when the production is so low, the inventories with the petitioner are piling up.

Submissions made by the other interested parties

80. The following are the injury related submissions made by the other interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority

- i. The respondent is unable to make effective comments without actual volumetric parameters.
- ii. The reduction in capacity is more than the reduction of demand in India. Resultantly, the fall in production was sharp which led to demand supply gap in India. During public hearing, the petitioner could not explain this.
- iii. Though capacity has decreased, the capacity utilization of the Petitioner has remained high and it was 90% during the POI (Annualized).
- iv. The petitioner focused on exports instead of domestic market and the export sales increased throughout the injury period.
- v. The production cycle time of various products, viz., plates, tumblers and mugs is different. The Petitioner should clarify how they have considered such cycle time to arrive at the capacity.
- vi. The domestic industry does not suffer any injury.
- vii. NSR has been artificially inflated to show price undercutting as the landed value from China PR has been increasing throughout the injury period. The DA should closely scrutinize this.
- viii. The petitioner has not claimed any injury margin or price underselling which means the domestic industry has conceded that there is no price underselling. The present investigations should be terminated immediately.
- ix. If injury margin is calculated by the Designated Authority, it should be done in fair manner.
- x. A quotation was received in 2015 by us from the petitioner and a very low price was quoted.
- xi. The Petitioner would have taken into account its cost of production and profit while quoting us such a low price. However, the petition shows high cost of production.
- xii. Gas and quartz form important part for manufacturing the subject goods. The gas prices from GAIL and quartz prices from an Indian supplier, provided on confidential basis, may be considered while calculating NIP.
- xiii. The Petitioner should explain the reason for claiming lower cost of production for exports and higher cost of production for domestic sales in the Petition.

- xiv. There was an increase of imports by 5476 MT from 2013-14 to 2014-15 and 4670 from 2014-15 to POI annualized. However, the profitability per MT improved by 116 indexed points and 716 points respectively during the same period. Thus asymmetrical trend casts suspicion on causal link claimed by domestic industry.
- xv. The petitioner's profit/(Loss) claim is not matching with its annual reports. As per AR, the losses have declined. However, as per petition the losses have increased by almost 10 times.
- xvi. The petitioner has never been in profits from 2005-06 onwards and has been carrying forward its losses every year.
- xvii. Fixed expenses of the petitioner have remained same or come down from 2005-06 onwards, as the capacity and production of Glass division has reduced.
- xviii. The Petitioner has reduced its capacity during the injury period. But the Petitioner should explain why its capital employed has not come down in the same period.
- xix. In light of decrease in capacity during the injury period, the Petitioner should explain how 'segment assets' in the Glass Division have increased as per the annual reports in 2014-15, 2015-16 and 2016-17.
- xx. There are definitely other factors that are contributing to the high losses of the Petitioner from 2005-06 onwards, which should be thoroughly examined.
- xxi. Injury due to losses in exports should not be attributed to injury in domestic market.
- xxii. Injury to the Petitioner is only self-inflicted as it intentionally sells at low prices in the domestic market. There is no price undercutting. Our market intelligence shows that the Petitioner's prices were very low during the injury period, even lower than the landed value of the subject goods.
- xxiii. The prices of the Petitioner in the domestic market are much lower than the net sales realization that the Petitioner has claimed in the Petition during the POI.
- xxiv. Cost of production of the petitioner is abnormally high as compared to other East Asian countries, which can be compared from the information submitted by cooperating exporters, which is the reason for the alleged losses and such losses cannot be attribute to alleged imports.
- xxv. The landed prices of imports have been increasing all through the injury period. Domestic producer in question is not at all competitive as their cost of production is apparently very high over the international levels.
- xxvi. Increase in imports with increase in price shows an inverse relation between imports and alleged injury.
- xxvii. The product is not sold strictly based on its cost and price. The consumers are conscious about the features that they are looking for and the DI could not satisfy such needs.
- xxviii. The DI is silent about the significant increase in raw material i.e. Soda Ash cost during the POI and it is not demonstrated how such increase in raw material prices did not erode the profitability of the DI.
- xxix. The alleged dip in profit has been triggered by the abnormal increase in raw material cost and not the volume or price of imports as alleged.
- xxx. The injury to the domestic industry is due to increase in raw material cost and incompetency to cater to the customer choices.
- xxxi. Mere increase in import volume and existence of price undercutting is not sufficient to determine injury. Rather the imports should have a negative impact on the domestic industry.
- xxxii. The application proforma of the DGAD specifies that as far as production, capacity utilization and sales volume of the Petitioner are concerned the decline must be significant.
- xxxiii. Where imports and market share have increased with a corresponding increase in price, then there is a clear inverse relation between such increase in imports and performance of the domestic industry.

Examination by the Authority

81. The Authority has taken note of the submissions made by the interested parties and the Authority has examined the material injury to the domestic industry in accordance with the Anti-dumping Rules and considering the submissions made by the interested parties.

Cumulative Assessment

82. Para (iii) of Annexure II of the Anti-dumping Rules provide that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:
 - a) The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two per cent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three per cent (or

more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three per cent, the imports collectively account for more than seven per cent of the import of like article; and

b) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles

83. The Authority notes that:

- The subject goods are being dumped into India from subject countries. The margins of dumping from each of the subject countries are more than the *de minimis* limits prescribed under the Rules.
- The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of total volume of imports.
- Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate as the exports from the subject countries not only directly compete *inter se* but also with the like articles offered by the domestic industry in the Indian market.

84. In view of the above, the Authority considers that it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from exports of the subject goods from the subject countries.

85. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... *taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....*”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Anti-dumping Rules.

86. The submissions made by the domestic industry and other interested parties during the course of investigations with regard to injury and causal link and considered relevant by the Authority are examined and addressed as below.

G ii. Volume Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry

(a) Assessment of Demand/ Apparent Consumption

87. The Authority has taken into consideration, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed shows it has decreased over the injury period, as is given in the table below:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI Annualised	POI
Sales of Domestic Industry	MT	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	62	54	17	17
Sales of Other Indian Producer	MT	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	100	62	54	17	17
Imports into India	MT	20,723	21,420	28,033	32,078	48,117
China	MT	8,674	10,119	15,546	21,064	31,596
----Dumped	MT	8,674	10,119	15,546	20,491	30,736
----Un-dumped	MT	0	0	0	573	860
Indonesia	MT	3,020	3,635	3,584	2,736	4,103

Total Subject Countries	MT	11,694	13,754	19,130	23,800	35,699
Other Countries	MT	9,029	7,667	8,903	8,278	12,417
Total Demand in India	MT	38,997	32,747	37,831	35,166	52,750

(b) Import Volumes from subject countries in absolute and relative terms

88. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in imports from subject countries, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The volume of imports of the subject goods from the subject countries has been analyzed as under:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI Annualised	POI
Imports in Absolute Terms						
China	MT	8,674	10,119	15,546	21,064	31,596
----Dumped	MT	8,674	10,119	15,546	20,491	30,736
----Un-dumped	MT	0	0	0	573	860
Indonesia	MT	3,020	3,635	3,584	2,736	4,103
Total Subject Countries	MT	11,694	13,754	19,130	23,800	35,699
Other Countries	MT	9,029	7,667	8,903	8,278	12,417
Total Imports	MT	20,723	21,420	28,033	32,078	48,117
Imports in Relative Terms						
Share of subject imports in Production	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	197	320	557	557
Share of subject imports in Domestic Sales	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	140	169	226	226

89. It is seen that imports of the subject goods from the subject countries in absolute terms have increased throughout the injury period.

(c) Share of subject imports in total imports

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI Annualised	POI
China	%	41.86	47.24	55.46	65.67	65.67
Indonesia	%	14.57	16.97	12.79	8.53	8.53
Total Subject Countries	%	56.43	64.21	68.24	74.19	74.19
Other Countries	%	43.57	35.79	31.76	25.81	25.81
Total Imports	%	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00

90. It is seen that the share of dumped imports from subject countries in total imports of the product under consideration in India has increased throughout the injury period. The share of imports from subject countries in total imports is around 75% during the period of investigation.

(d) Market Share in Demand

91. Considering imports from various sources and sales of the domestic industry, market share of subject imports in demand in India was examined. The Authority notes that the market share of the subject imports has increased throughout the injury period and holds a major share in Indian demand.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI Annualised	POI
Domestic Industry	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	74	55	19	19
Other Indian Producer	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	74	55	19	19
Total Imports	%	53.14	65.41	74.10	91.22	91.22
China	%	22.24	30.90	41.09	59.90	59.90
----Dumped	%	22.24	30.90	41.09	58.22	58.22
----Un-dumped	%	0	0	0	1.68	1.68
Indonesia	%	7.74	11.10	9.47	7.78	7.78
Total Subject Countries	%	29.99	42.00	50.57	67.68	67.68
Other Countries	%	23.15	23.41	23.53	23.54	23.54
Demand in India	%	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00

H. Price Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry

92. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analyzed whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from subject countries has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the cost of production, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry have been compared with weighted average landed cost of imports of the subject goods from the subject countries.

a) Price Undercutting

93. For the purpose of price undercutting analysis, the net selling price of the domestic industry has been compared with the landed value of imports from the subject countries. While computing the net selling price of the domestic industry all taxes, rebates, discounts and commissions have been deducted and sales realization at ex works level is determined for comparison with the landed value of the dumped imports. Accordingly, the undercutting effects of the dumped imports from the subject countries work out as follows:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Net Sales Realization	Rs./MT	***	***	***	***
Subject Countries					
Landed price of imports	Rs./MT	54,726	56,462	58,224	60,922
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting %	%	***	***	***	***
Price Undercutting % (Range)	% Range	0-10	5-15	10-20	0-10
China PR					
Landed price of imports	Rs./MT	58,253	62,522	62,452	63,267
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting %	%	***	***	***	***
Price Undercutting % (Range)	% Range	Negative	Negative	5-15	Negative

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Indonesia					
Landed price of imports	Rs./MT	44,595	39,590	39,885	42,858
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting %	%	***	***	***	***
Price Undercutting % (Range)	% Range	20-30	30-40	40-50	30-40

b) Price Suppression and Depression

94. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the changes in the costs and prices over the injury period, were compared as below:

Particulars	UOM	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Cost of Sales	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	128	133	141
Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108	122	109
Landed Price –subject countries	Rs./MT	54,726	56,462	58,224	60,922
Trend	Indexed	100	103	106	111

95. From the above, it is noted that the selling price of the domestic industry is much below the cost of domestic industry during the entire injury period. The landed value of imports from the subject countries has increased throughout the injury period. However, the exporters from the subject countries have been selling the subject goods below the cost and selling price of the domestic industry throughout the injury period.

96. While the cost has increased by 71%, the selling price and landed price has increased by 14% and 11% respectively. Thus, the selling price remained much below the cost of production and the landed price of imports remained significantly below the selling price of the domestic industry. It is thus seen that the imports were depressing the prices of the domestic industry in the market.

c) Price Underselling

97. The non-injurious price (NIP) of the domestic industry has been determined and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The NIP of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. Since the petitioner has commenced commercial production only in 2014, the actual level of capacity utilisation and production of the domestic industry has been ignored and the NIP has been determined considering optimum level of capacity utilisation of 100% that the petitioner can achieve in the plant. Further, the actual level of raw materials and utilities consumption has been considered taken as optimum norms for the product of the domestic industry. The analysis shows that during the period of investigation, the landed value of subject imports was below the non-injurious price of the domestic industry, as can be seen from the table below, demonstrating positive price underselling effect:

Particulars	Unit	POI	
		China	Indonesia
Non-Injurious Price	Rs./MT	***	***
Landed Value	Rs./MT	63,267	42,858
Price Underselling	Rs./MT	***	***
Price Underselling	%	***	***

Price Underselling	% Range	0-10	45-55
--------------------	---------	------	-------

I. Economic Parameters of the Domestic Industry

98. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

99. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account various facts and arguments made by the interested parties in their submissions.

(a) Production, Capacity, Capacity Utilization and Sales

100. Capacity, production, capacity utilization and sales of the domestic industry over the injury period is given in the following table:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI Annualised	POI
Achieved Capacity	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	61	64	64
Production	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	60	51	37	37
Capacity utilization	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	74	84	82	82
Domestic Sales	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	62	54	17	17
Average Stock	MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	105	103	118	118

101. It is noted that:

- In the Table above for calculating the '*Capacity Utilisation*', the entire production data, i.e., for the subject goods as well as products not under the current investigations, has been taken into consideration for appropriate cost allocation. However, '*Production*' in this table relates to production of the subject goods only.
- The capacity of the petitioner to produce the subject goods has decreased over the injury period. The petitioner had to replace its furnace with a lower capacity, as it was not able to compete with the dumped products in the Indian market.
- Resultantly, the production and domestic sales also went down throughout the injury period.
- The capacity utilization of the domestic industry declined in 2013-14 and later it increased till POI but the same was the result of decrease in capacity.
- The inventories with the domestic industry have increased over the injury period despite decline in capacity.

(b) Profitability, return on investment and cash profits

102. Profitability, return on investment and cash profits of the domestic industry over the injury period is given in the table below:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI Annualised	POI
Cost of Sales	Rs./MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	128	133	141	141
Selling price	Rs./MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108	122	109	109
Profit/Loss	Rs./MT	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	(398)	(279)	(560)	(560)
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	(358)	(219)	(123)	(123)
PBIT	Rs. Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	(426)	(143)	(166)	(166)
ROCE	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	(347)	(145)	(257)	(257)

103. It is noted that:

- a) Petitioner has suffered financial losses throughout the injury period. Losses have increased over the injury period.
- b) The domestic industry is suffering negative profits before interest, return on investment and cash losses. The extent of cash loss and negative ROI is significant.

(c) Market Share in Demand

104. Market share of the domestic industry in demand for the product under consideration is given in the table below:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI Annualised	POI
Domestic Industry	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	74	55	19	19
Other Indian Producer	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	74	55	19	19
Total Imports	%	53.14	65.41	74.10	91.22	91.22
China	%	22.24	30.90	41.09	59.90	59.90
----Dumped	%	22.24	30.90	41.09	58.22	58.22
----Un-dumped	%	0	0	0	1.68	1.68
Indonesia	%	7.74	11.10	9.47	7.78	7.78
Total Subject Countries	%	29.99	42.00	50.57	67.68	67.68
Other Countries	%	23.15	23.41	23.53	23.54	23.54
Demand in India	%	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00

105. It is seen that market share of the domestic industry has decreased throughout the injury period and the same is very low as compared to (i) capacities created by the domestic industry and (ii) market share held by the subject imports.

(d) Employment, productivity and wages

106. Employment, productivity and wages over the injury period is given in the table below :

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI Annualised	POI
Employees	Nos.	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	90	64	64
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	102	54	54
Productivity/ day	Mt/Day	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	61	57	58	58
Productivity/ employee	Mt/Nos	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	60	84	49	49

107. It is seen from that the employment level has decreased throughout the injury period. Wages paid by the domestic industry also have shown decrease. Productivity of the domestic industry has decreased over the period.

(e) Growth

108. Growth of the domestic industry has been adverse both in volume and price parameters as may be seen by table below:

Growth	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI Annualised	POI
Production	%	-	(40.37)	(14.19)	(28.60)	(28.60)
Domestic Sales	%	-	(38.02)	(13.49)	(68.48)	(68.48)
Capacity Utilization	%	-	(25.87)	12.93	(2.20)	(2.20)
Average Inventory	%	-	5.19	(2.29)	15.06	15.06
Cash Profit	%	-	257.84	(38.80)	(43.63)	(43.63)
PBIT	%	-	326.24	66.54	(16.54)	(16.54)
Selling Price Domestic	%	-	7.58	13.67	(10.93)	(10.93)
Profit /Loss Domestic	%	-	298.19	29.99	(100.86)	(100.86)
Return on Capital Employed	%	-	(247.37)	58.23	(77.37)	(77.37)

(f) Ability to Raise Capital Investments

109. The dumping has hampered the ability of the domestic industry to raise capital investments as it may be seen from the fact that it had to reduce its capacity due to the presence of dumped imports.

(g) Factors affecting domestic prices

110. The benchmark for the domestic industry's prices is the import prices from subject countries. The only factors responsible for the domestic industry prices are the import prices of the product from subject countries and the cost of production of the domestic industry.

(h) Magnitude of dumping margin

111. The dumping margin from the subject countries are not only more than de-minims but also substantial. The impact of dumping on the domestic industry is significant.

J. Conclusion on Injury

112. The above analysis inescapably demonstrates the ill effects of subject imports on the domestic industry. The domestic industry has suffered both volume and price injury. The performance of domestic industry deteriorated in respect of parameters such as capacity, production, capacity utilization, sales volume, inventories, losses, profit

before interest, cash profit, return on capital employed and growth. The market share of domestic industry in Indian demand decreased to 7% in POI as compared to 36% in the base year, which evidently shows that the domestic market has been crowded out by such huge dumped imports. The fact that 67% of the market share has been held by dumped imports during the POI clearly shows the situation of the glassware and it further shows why it is very important to impose AD duties on dumped imports of subject goods from subject countries.

113. The Authority has considered all injury parameters and thereafter has concluded that the domestic industry has suffered material injury due to dumping.

K. Magnitude of Injury and Injury Margin

114. The Authority has determined Non Injurious Price for the domestic industry on the basis of principles laid down in anti-dumping Rules read with Annexure III, as amended. The NIP of the product under consideration has been determined by adopting the verified information/ data relating to the cost of production for the period of investigation. The NIP of the domestic industry has been determined plant wise and accordingly weighted average NIP has been worked out. The weighted average NIP has been considered for comparing the landed price from each of the subject countries for calculating injury margin. For determining NIP, the best utilisation of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been done with the utilities. The best utilisation of production capacity over the injury period has been considered. The production in POI has been calculated considering the best capacity utilisation and the same production has been considered for arriving per unit fixed cost. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses were charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e. Average Net Fixed Assets plus Average Working Capital) for the product under consideration was allowed as pre-tax profit to arrive the NIP as prescribed in Annexure-III and being followed. The non-injurious price so determined has been compared with the landed prices of imports from the subject countries to determine the injury margin as follows:

SN	Country	Producer	Exporter	NIP-US\$/MT	Landed Value US\$/MT	Injury Margin US\$/MT	Injury Margin %	Injury Margin Range-%
1	China PR	Anhui Xinmin Glass Co.	Anhui Xinmin Glass Co.	***	***	***	***	0-10
2	China PR	Anhui Kangtai Glassware Technology Co.	Anhui Kangtai Glassware Technology Co.	***	***	***	***	0-10
3	China PR	Shandong Fulong Glass Technology Co.	Shandong Fulong Glass Technology Co.	***	***	***	***	Negative
4	China PR	Shandong Fulong Glass Technology Co.	Qingdao Gemmy Imp & Exp Co.	***	***	***	***	Negative
5	China PR	Anhui Deli Household Glass Co.	Anhui Deli Household Glass Co.	***	***	***	***	0-10
6	China PR	Others	Others	***	***	***	***	15-25
7	Indonesia	Any	Any	***	***	***	***	45-55

L. Causal Link and Other Factors

115. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:

- Volume and value of imports from countries other than the Subject Countries-** Imports from countries other than the subject countries are not significant in volumes as either the volume is *de minimis* or the price is higher. Imports from third countries are not causing any injury to the domestic industry.

- ii. **Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption-** The Authority notes that despite increased demand for the subject goods in the country, the domestic industry has suffered from unutilized capacity. The market has not undergone any change in the pattern of consumption in such a manner as would have adversely impacted the domestic industry. Possible contradiction of demand or changes in the pattern of consumption has not caused injury to the domestic industry.
- iii. **Development in Technology-** None of the interested parties has furnished any evidence to demonstrate significant changes in technology that could have caused injury to the domestic industry. The petitioner has set up a new plant for production of the PUC and there is no evidence that the technology adopted by the petitioner could be a cause of injury to the domestic industry.
- iv. **Trade restrictive practices and competition between supply from various sources-** The Authority notes that the subject goods are not subjected to any trade restrictive practices in India. Moreover, apart from the competition that is obvious in any market economy, no *inter se* competition or competition between supplies from various domestic and international sources exhibit any such impact that could be construed as injurious to the domestic industry.
- v. **Export performance-** The domestic industry does not have significant export performance. In any case, performance of the domestic industry has been segregated for domestic and export market. Therefore, any possible decline in export performance is not a cause of injury to the domestic industry.

116. Factors establishing causal link:

- a. Price undercutting caused by the dumped imports is preventing the domestic industry from charging/ obtaining a fair price;
- b. The price depression effect of dumped imports from subject countries has resulted in significant financial losses to the domestic industry;
- c. Significant financial losses have led to deterioration in return on capital employed and cash profits;
- d. The growth of the domestic industry is negative in both volume and price parameters;
- e. Market share of the imports from subject countries increased despite decline in demand and remained at a very significant level; and
- f. Even when the capacity has declined, the inventories with the petitioner are piling up.

M. Post Disclosure Statement Submissions by the Interested Parties

Submissions by the Domestic Industry

117. The domestic industry, in its post disclosure submissions has submitted as follows. For the sake of brevity, comments made by the domestic industry, to the extent they are reiterations of the earlier submissions and already dealt with hereinabove, have not been repeated hereunder:

- (a) Certain essential facts, relating to dumping margin, basis of export price adopted for responding exporter, verification of exporters and communications with the exporters, copy of all communications with the other interested parties, normal value methodology have not been disclosed, due to which an effective opportunity to make comments has been denied.
- (b) The price undercutting and injury margin should be calculated considering only injurious transactions. Referred to WTO Report in the matter of European Communities – Anti-Dumping Duties on Malleable Cast Iron Tube or Pipe Fittings From Brazil, Kothari Sugars & Chemicals Limited versus Designated Authority.
- (c) Dumping margin of Anhui Deli is lower as compared to Anhui Xinmin and Anhui Kangtai, even when all the three companies are from the same province in same country and selling in similar market.
- (d) The dumping margin determined for non-cooperative exporters are quite low. Import data shows that the dumping and injury margin in different import transactions are vastly different, thus showing different degree of dumping and injury by different suppliers. Such dumping and injury margin should be determined considering lowest import transactions. If the same is not feasible, imports constituting not more than 5% of total imports and where the import prices are lowest may be considered.
- (e) The present NIP law itself is against the fundamental right of domestic industry to seek protection against unfair dumped imports.
- (f) The determination of non-injurious price is grossly inappropriate and is leading to unduly low protection to the domestic industry.

(g) The petitioner had filed certified cost statements claiming expenses such as salary, wages, depreciation, repair & maintenance and other expenses are semi variable in nature. The petitioner had segregated these expenses into fixed and variable expenses. However, the Designated Authority has proposed to take all these expenses as fixed in nature, which has also resulted in low non-injurious price.

Submissions by Exporters and Other Interested Parties

118. The other interested parties, in response to the disclosure statement, have made following comments. For the sake of brevity, comments made by the parties, to the extent they are reiterations of the earlier submissions and already dealt with hereinabove, have not been repeated hereunder:

- (a) Petitioner's major investment in 2013-14 was a failure, like failure in rebuilding glass melting furnace, replacing centralized air compressor to individual compressor, and replacing the manual to automatic machine. These investments lead to inability of plant to optimize its production capacity, which resulted in high fixed cost.
- (b) Indonesian exports are only 8.53% of total imports entering India and 7.72% of Indian demand. Thus, these are not a threat to Indian glassware industry. Further, there is no significant increase of imports as required by Article 3.2 as there was decrease in imports in absolute and relative terms.
- (c) Indonesian exporters have submitted information as and when required, which included providing information as required during the public hearing also. There is no possible reason for the Authority to accept the information provided.
- (d) Import transactions of Shandong Fulong Glass Technology Co., Ltd. and Qingdao Gemmy Imp. & Exp. Co., Ltd. should be excluded from the DGCI&S import data, and injury determination and causal link examination should be conducted only from the remaining DGCI&S import data. Referred to European Communities – Anti-dumping Measure on Farmed Salmon from Norway, WT/DS337/R, DGAD's Clear Float Glass and Ammonium Nitrate
- (e) Volume of subject imports kept on increasing during the injury period, the level of price undercutting decreased.
- (f) There is no causal link because price undercutting from China is negative during the POI and lowest from the subject countries during the POI when imports from China and subject countries were highest, respectively in the same period
- (g) The domestic industry decided to decrease its capacity, which adversely impacted its production and domestic sales.
- (h) The inventories have increased, as the petitioner's quality is not at par with that available in the market.
- (i) M/s First national Glassware, Indonesia has filed response after seeking extension from DGAD. Its questionnaire should be accepted, as they are a local Indonesian manufacturer without many resources.
- (j) The Indonesian exporter has put forward their inability to file the questionnaire as per the standard format owing to their lack of experience in anti-dumping investigations.
- (k) Inclusion of First National Glassware in the investigation has shown unfairness and bias.
- (l) Import trend from Indonesia before and during POI is not showing any significant increase as compared to China. Indonesian imports are decreasing as compared to Indian demand.
- (m) National Glass Emporium, an importer, has filed a submission but the name is not included in the disclosure.
- (n) M/s Anhui Xinmin Glass Products Co. Ltd. is now M/s Anhui Xinmin Glass Co. Ltd. as the same has been mentioned in the verification report as well.
- (o) The Authority has made adjustments for non-refundable VAT while calculating net export price for Chinese producers and exporters including M/s Anhui Xinmin Glass Co. Ltd. and Anhui Deli Household Glass Co. Ltd. There are not any such non-refunded VAT elements as VAT is fully refundable in the subject product.
- (p) Per kg of cost and price of subject goods vary significantly. There are factors beyond mixture, which determines the cost and price of the product such as manufacturing process and technology innovations.
- (q) Authority should impose a fixed form of duty so that cooperative and non-cooperative get separate duty.

Examination by the Authority

119. The Authority notes that most of the submissions are repetitive in nature and have already been examined and addressed suitably, adequately and appropriately above. They have been addressed earlier in the disclosure statement, as well. The findings herein *ipso facto* deals with these arguments of the interested parties. Regarding the nature of the anti-dumping duty to be imposed, while the Authority appreciates the cooperation and participation of

the producers in the subject countries in this investigation, the Authority's intent is to ensure that only those dumped imports that cause injury to the domestic industry face the anti-dumping duty and that too only to the extent of the injury. The intent is neither to provide undue protection to the domestic industry nor to add to the cost of what is a widely consumed consumer good in India.

N. Indian Industry's Interest & Other Issues

120. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from subject countries in any manner and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain multiple sources of supply.

121. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that:

- (a) The product under consideration has been exported to India from subject countries below their normal values except the subject goods produced by M/s Shandong Fulong Glass Technology Co.
- (b) The domestic industry has suffered material injury.
- (c) Material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject countries except the subject goods produced by M/s Shandong Fulong Glass Technology Co.

O. Recommendation

122. In view of positive determination of likelihood of dumping and injury on account of dumped imports from China PR and Indonesia, the Authority is of the opinion that anti-dumping measures needs to be imposed on dumped imports from the subject countries. Authority considers it necessary and recommends anti-dumping duty on imports of subject goods from subject countries in the form and manner described hereunder.

123. Having regard to the lesser duty rule, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of the 'margin of dumping' and 'margin of injury', so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, for a period of five (5) years from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, as the difference between the landed value of the subject goods and the amount indicated in Col 8 of the duty table appended below, provided the landed value is less than the value indicated in Col 8. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.

Duty Table

S.N	Sub-Heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Amount US\$	Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	*7013 701328 701337 701342 701349 701399	All types of Soda-lime Glassware for Table, Kitchen, Toilet, Office or Indoor Decoration purposes	China PR	China PR	Anhui Xinmin Glass Co.	Anhui Xinmin Glass Co.	955.27	MT

S.N	Sub-Heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Amount US\$	Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
2	-Do-	-Do-	China PR	China PR	Anhui Kangtai Glassware Technology Co.	Anhui Kangtai Glassware Technology Co.	955.27	MT
3	-Do-	-Do-	China PR	China PR	Shandong Fulong Glass Technology Co.	Shandong Fulong Glass Technology Co.	Not Applicable	MT
4	-Do-	-Do-	China PR	China PR	Shandong Fulong Glass Technology Co.	Qingdao Gemmy Imp & Exp Co.	Not Applicable	MT
5	-Do-	-Do-	China PR	China PR	Anhui Deli Household Glass Co.	Anhui Deli Household Glass Co.	955.27	MT
6	-Do-	-Do-	China PR	China PR	Others	Others	955.27	MT
7	-Do-	-Do-	China PR	Any country other than those subject to Anti - dumping Duty	Any	Any	955.27	MT
8	-Do-	-Do-	Any country other than those subject to Anti - dumping Duty	China	Any	Any	955.27	MT
9	-Do-	-Do-	Indonesia	Indonesia	Any	Any	955.27	MT
10	-Do-	-Do-	Indonesia	Any country other than those subject to Anti - dumping Duty	Any	Any	955.27	MT
11	-Do-	-Do-	Any country other than those subject to Anti - dumping Duty	Indonesia	Any	Any	955.27	MT

* Custom classification is only indicative and the determination of the duty shall be made as per the description of PUC 124. An appeal against the order of the Central Government arising out of this finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

SUNIL KUMAR, Addl. Secy. & Designated Authority